www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ... | पत्र नहीं; मित्र | संपर्क : deshbandhusgr@gmail.com

देशबन्धु

वर्ष – 8 । अंक–171 । सागर, मंगलवार, 8अगस्त 2023 । पृष्ठ –8 । मूल्य – 3.00 रुपए

मालथौन के पास कंकहर बना मौत का वाटरफॉल बीना के 22 वर्षीय लड़के की गिरने से मौत पृष्ठ 2

- अविश्वास प्रस्ताव : इस हार में भी जीत है!
- मधुमेह की चपेट में बच्चे पृष्ठ 4

- शराबी पुत्र ने गाली-गलौच देकर पिता को लाठी से पीटा 6

बगरोही के दो दर्जन घर जलमग्न हुए नुकसानी का सर्वे, मिलेगी राहत राशि 8

सार-समाचार

राजस्थान को मिले 19 नए जिले, गहलोत ने किया उद्घाटन

जयपुर, एजेंसी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को राजस्थान में 19 नए जिलों और तीन डिविजन का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह नए जिला मुख्यालयों पर आयोजित किए गए और मुख्यमंत्री गहलोत बिड़ला ऑडिटोरियम से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समारोहों में शामिल हुए। नए जिलों के उद्घाटन से पहले सीएम गहलोत ने पूजा-अर्चना और हवन किया। राजस्व मंत्री रामलाल जाट भी वीसी के जरिए समारोह से जुड़े।

उद्धव के घर में निकला कोबरा, बचाया गया

मुंबई, एजेंसी। एक अधिकारी ने बताया कि शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बांद्रा पूर्व स्थित बंगले 'मातोश्री' से एक बेहद जहरीले और गुस्सैल कोबरा को बचाया गया। इसके बाद परिवार ने राहत की सांस ली। यह जानकारी सोमवार को एक अधिकारी ने दी। पास में रहने वाले वाइल्ड लाइफ एनिमल प्रोटेक्शन एंड रेस्क्यू एसोसिएशन के कार्यकर्ता अतुल कांबले को एक कॉल आई कि एक परिसर में सांप घूम रहा है।

एम्स भवन में लगी आग पर पाया गया काबू

नई दिल्ली, एजेंसी। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की एक इमारत की दूसरी मंजिल पर एंडोस्कोपी कक्ष में सोमवार को आग लग गई। अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है और सभी लोग सुरक्षित हैं। अधिकारी ने बताया कि आग लगने के बाद सभी मरीजों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। दिल्ली अग्निशमन सेवा के निदेशक अतुल गर्ग ने पहले कहा था, एम्स के आपातकालीन वार्ड से 11.54 बजे आग लगने की सूचना मिली। कुल 8 दमकल गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं।

लोकसभा में निजी डाटा संरक्षण विधेयक ध्वनिमत से पारित

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा ने मणिपुर मुद्दे पर विपक्षी दलों के हंगामें के बीच आम लोगों के डाटा को जरूरत के मुताबिक हासिल कर सुरक्षित व संरक्षित रूप से इस्तेमाल करने की इजाजत देने वाले 'डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण विधेयक 2023' को आज ध्वनिमत से पारित कर दिया। इलेक्ट्रोनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वष्णव ने विधेयक पर हुई संक्षिप्त चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि यह निजी डाटा की सुरक्षा वाला विधेयक है। इसके माध्यम से देश के 140 करोड़ लोगों के डाटा को सुरक्षित रखा जा सकेगा और उसका बिना इजाजत के जरूरत से ज्यादा कोई इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा।

रजनी पाटिल की सदस्यता बहाल

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जवाब दिए जाने के दौरान विरोध कर रहे विपक्षी सदस्यों का कथित तौर पर वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डालने के आरोप में निलंबित कांग्रेस की राज्यसभा सदस्य रजनी पाटिल का निलंबन सोमवार को समाप्त कर उनकी सदस्यता बहाल कर दिया गया। सुबह में सदन की कार्यवाही शुरू होने पर विधायी कार्य निपटाये जाने के दौरान ही सभापति जगदीप धनखड़ ने सरोज पांडे को विशेषाधिकार समित के 74वें प्रतिवेदन को सदन पटल पर रखने के लिए कहा।

विज्ञान व नवाचार से अर्थव्यस्था को मजबूती मिलेगी : सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री डॉ.जितेंद्र सिंह ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन विधेयक, 2023 को पारित करने के लिए रखते हुए कहा कि इससे अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के साथ साथ विश्वविद्यालयों, कॉलेजों, अनुसंधान संस्थानों में अनुसंधान और नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देगा। डॉ. सिंह ने विधेयक पर संक्षिप्त चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि पहले शोध के लिए जो धनराशि की जाती थी उसमें राज्यों को हिस्सा काफी कम रहता था क्योंकि धनराशि का वितरण स्पर्धा के आधार पर होता था लेकिन अब फाउंडेशन के गठन के बाद राज्यों को भी समुचित धनराशि मिल पाएगी।

लोकसभा सचिवालय ने जारी की इस आशय की अधिसूचना

राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता बहाल

- 137 दिन बाद संसद पहुंचे राहुल गांधी
- विपक्षी नेताओं ने किया जोरदार स्वागत
- 'मोदी सरनेम' पर मिली थी सुप्रीम राहत

नई दिल्ली, देशबन्धु। कांग्रेस नेता तथा केरल के वायनाड संसदीय क्षेत्र से पार्टी के सांसद राहुल गांधी की सदस्यता को लोकसभा सचिवालय ने बहाल कर दिया है। लोकसभा सचिवालय ने सोमवार को इस आशय की अधिसूचना जारी की। लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह ने इस संबंध में अधिसूचना जारी करते हुए बताया कि 24 मार्च को श्री गांधी की सदस्यता रद्द की गई थी, लेकिन 04 अगस्त को उच्चतम न्यायालय के आदेश में वायनाड के सांसद की सदस्यता को बहाल किया गया है। राहुल गांधी सोमवार को संसद सदस्यता बहाल होने पर 137 दिन बाद संसद भवन पहुंचे। श्री गांधी को 'मोदी सरनेम' टिप्पणी पर मानहानि मामले में उच्चतम न्यायालय से शुक्रवार को राहत देते हुए कांग्रेस नेता की सजा पर रोक लगा दी थी। इससे पहले गुजरात उच्च न्यायालय ने उनकी सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था लेकिन उच्चतम न्यायालय से राहत मिलने के बाद उनकी सदस्यता बहाली का रास्ता साफ हुआ। न्यायालय के आदेश के बाद इस मुद्दे पर कांग्रेस कांग्रेस के तेवर तल्ख हो गए थे और पार्टी ने स्पष्ट किया था कि यदि सोमवार तक श्री गांधी की सदस्यता को लेकर फैसला नहीं लिया जाता है तो पार्टी मंगलवार को उच्चत्तम न्यायालय जाएगी।

अविश्वास प्रस्ताव पर कर सकते हैं चर्चा की शुरुआत

कांग्रेस द्वारा मंगलवार को लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा शुरू करने की संभावना है, जिसमें राहुल गांधी मुख्य वक्ता हो सकते हैं। पार्टी सूत्रों ने कहा कि हालांकि अविश्वास प्रस्ताव कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई द्वारा पेश किया गया है, एक बार स्वीकार कर लेने के बाद, यह तय करना पार्टी का काम है कि मुख्य वक्ता के रूप में चर्चा की शुरुआत कौन करेगा। कांग्रेस को लगता है कि अविश्वास प्रस्ताव पर मुख्य वक्ता के रूप में राहुल गांधी के साथ चर्चा शुरू करने से वांछित प्रभाव पड़ेगा और सरकार पर दबाव बनेगा।

संसद में फिर गूंजेगी असली मुद्दों की आवाज: प्रियंका

लोकसभा सचिवालय द्वारा सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सदस्यता बहाल करने के कुछ घंटों बाद, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने न्याय और सच्चाई के लिए अपने भाई की लड़ाई में देश के लोगों को धन्यवाद दिया और कहा कि अब संसद में गूंजेगी असली मुद्दों की आवाज।

भाजपा ने न्यूज वेबसाइट का मुद्दा उठाया

राहुल के संसद पहुंचते ही लोकसभा में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने एक न्यूज वेबसाइट का मुद्दा उठाया। दुबे ने सदन में कहा, देश में पड़ोसी देश के पैसे से प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ माहौल बनाया गया। न्यूज वेबसाइट में पड़ोसी देश से पैसा आया। यह देश विरोधी है। उधर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने एक प्रेस कांफ्रेंस में आरोप लगाए कि, 'कांग्रेस, चीन और विवादित न्यूज वेबसाइट न्यूज क्लिक एक ही गर्भनाल से जुड़े हैं। राहुल गांधी की नकली मोहब्बत की दुकान में पड़ोसी सामान साफ देखा जा सकता है। चीन के प्रति उनका प्रेम नजर आ रहा है। वे भारत विरोधी अभियान चला रहे।'

'इंडिया' के नेताओं ने किया जोरदार स्वागत

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का सोमवार को संसद भवन पहुंचने पर विपक्षी दलों के नेताओं ने जोरदार स्वागत किया। श्री गांधी सोमवार को दोपहर 12 बजे से कुछ पहले संसद भवन पहुंचे तो वहां पहले से मौजूद इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस (इंडिया) के नेता अधीर रंजन चौधरी, पी चिदंबरम, राम गोपाल यादव, संजय राउत, तिरुचि शिवा, प्रमोद तिवारी और अन्य नेताओं ने उनका स्वागत किया। ये नेता राहुल गांधी जिंदाबाद और इंडिया इंडिया के नारे लगा रहे थे। कांग्रेस नेताओं ने एक-दूसरे को लड्डू भी खिलाए। श्री गांधी के साथ ही उनकी मां एवं कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी भी थी। श्री गांधी अपने वाहन से वहां उतरने के बाद संसद भवन परिसर स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास गये और उनको नमन किया।

रामशंकर कठेरिया को राहत, अदालत ने लगाई सजा पर रोक

आगरा एजेंसी। उत्तर प्रदेश में आगरा की जिला अदालत ने भारतीय जनता पार्टी सांसद और पूर्व केन्द्रीय मंत्री रामशंकर कठेरिया की दो दिन पूर्व विशेष अदालत द्वारा सुनायी गयी सजा को सोमवार को निलंबित कर दिया है और उन्हे 20 हजार रुपए की जमानत राशि पर दाखिल करने के आदेश देते हुये सुनवाई की अगली तारीख 11 सितंबर मुकर्रर की है । जिला न्यायाधीश विवेक संगल ने इटावा के सांसद रामशंकर कठेरिया को राहत दे दी है। सांसद रामशंकर कठेरिया को जिले की विशेष एमपी एमएलए अदालत के न्यायाधीश अर्जुन ने वर्ष 2011 के बलवा और तोड़फोड़ के मामले में पांच अगस्त को दो साल की सजा और 51 हजार का जुर्माना लगाया था। वर्तमान में वह इटावा के सांसद हैं। विशेष अदालत के फैसले के खिलाफ कठेरिया ने जिला जज कोर्ट में अपील दायर की।

मणिपुर हिंसा : सुप्रीम कोर्ट ने 3 महिला जजों की कमेटी बनाई

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर हिंसा के मामलों की जांच की निगरानी के लिए सोमवार को

जांच की निगरानी करेगी कमेटी

विभिन्न उच्च न्यायालयों के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की एक कमेटी का गठन किया। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने केंद्र की ओर से आर वेंकटरमणि और मणिपुर सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अन्य वकीलों की दलीलें सुनने के बाद यह आदेश पारित किया। पीठ ने हिंसाग्रस्त मणिपुर में राहत, पुनर्वास, घरों और पूजा स्थलों के पुनर्निर्माण के उपायों सहित मानवीय प्रकृति के विभिन्न पहलुओं पर विचार करने के लिए उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों न्यायमूर्ति गीता मित्तल, न्यायमूर्ति शालिनी पी जोशी और न्यायमूर्ति आशा मेनन की एक टीम का गठन करने का फैसला लिया है। न्यायमूर्ति मित्तल जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय की पूर्व मुख्य न्यायाधीश हैं जबकि न्यायमूर्ति जोशी बॉम्बे उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश और न्यायमूर्ति मेनन दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश। शीर्ष अदालत ने महाराष्ट्र के पूर्व पुलिस महानिदेशक दत्तात्रेय पडसलगीकर को पुलिस जांच की निगरानी के लिए नियुक्त करने का भी समर्थन किया।

42 एसआईटी हिंसा के मामलों की जांच करेंगी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मणिपुर में हिंसा से जुड़े मामलों में 42 स्पेशल इंवेस्टीगेशन टीम जांच करेंगी। इन केसों को अभी तक सीबीआई को ट्रांसफर नहीं किया गया है। इन एसआईटी के काम को डीआईजी रैंक का अफसर निगरानी करेगा। ये अफसर मणिपुर के बाहर के होंगे। डीआईजी रैंक का एक अफसर 6 एसआईटी की निगरानी करेगा। इन एसआईटी की जिले के आधार पर नियुक्ति होगी।

सुरक्षाबलों ने घुसपैठ की कोशिश नाकाम की

2 आतंकी किए ढेर

जम्मू, देशबन्धु। भारतीय सेना ने आज तड़के एलओसी से सटे पुंछ के डिग्वार सेक्टर में दो घुसपैठियों को ढेर कर दिया। कल भी कुपवाड़ा में घुसपैठ का एक प्रयास नाकाम बनाते हुए एक घुसपैठिए को मार डाला गया था और बाकी वापस भागने में कामयाब हो गए थे। घुसपैठ के तेज होते प्रयासों के प्रति सेना का कहना था कि इन आतंकियों को स्वतंत्रता दिवस पर कहर बरपाने का टास्क देकर इस ओर धकेला जा रहा है। सेना प्रवक्ता ले कर्नल सुनील बरतवान ने बताया कि पुंछ के डिग्वार तेरवान सेक्टर में रात दो बजे के करीब एलओसी को पार करने की कोशिश को नाकाम बनाया गया है। उन्होंने बताया कि एक आतंकी का शव इस ओर पड़ा हुआ है और दूसरे को वापस भागते हुए ठोक डाला गया, जिसका शव तारबंदी के पार है। मौके पर आज सुबह जब तलाशी अभियान छेड़ा गया तो भारी गोला बारूद भी बरामदर कया गया है। ऐसा ही असलाह कल भी कुपवाड़ा के टंगधार सेक्टर के अमरोही इलाके में बरामद किया गया था जब सेना ने घुसपैठियों के एक दल को वापस धकेलते हुए एक को मार डाला था। बाकी भागने में कामयाब हो गए थे। हालांकि सूत्र कहते हैं कि हो सकता है कि कुछेक घुसने में कामयाब हो चुके हैं। पर सेना ने इसकी पुष्टि नहीं की है। सेना का कहना था कि पिछले कुछ दिनों से घुसपैठ के प्रयासों में तेजी आई है। और इसके पीछे का मकसद कश्मीर की शांति को भंग करना है। सेना प्रवक्ता कहते थे कि पाकिस्तान को कश्मीर की शांति रास नहीं आ रही है इसलिए वह आतंकियों पर इस स्वतंत्रता दिवस पर कुछ बड़ा करने का लगातार दबाव बना रहा है जिसके लिए वह अपने यहां रूके पड़े आतंकियों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में धकेलने की कोशिश कर रहा है।

शिवराज सरकार की विकास योजनाओं से आया बदलाव

मप्र में 1 करोड़ 36 लाख लोगों को गरीबी से मुक्ति मिली

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश में शिवराज सरकार की विकास योजनाओं से 2015-16 से 2019-21 के बीच 1 करोड़ 36 लाख लोगों को गरीबी से मुक्ति मिली हैं। प्रदेश में गरीबी की तीव्रता 47.25 से घटकर 43.70 प्रतिशत हो गई है। देश से गरीबी का बोझ कम करने में मध्य प्रदेश ने 10 प्रतिशत का उल्लेखनीय योगदान दिया है। नीति आयोग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार मध्य प्रदेश में पाँच वर्षों की अवधि में गरीबों की संख्या में 15.94 प्रतिशत की गिरावट आई है। वर्ष 2015-16 में 36.57 प्रतिशत से घटकर यह 2019-21 में 20.63 रह गई है। सभी राज्यों में मध्यप्रदेश में सबसे तेजी से कमी देखी गई है।

गरीबों की संख्या में कमी के मामले में सबसे उल्लेखनीय सुधार अलीराजपुर, बड़वानी,खंडवा, बालाघाट, और टीकमगढ़ में हुआ है। बहुआयामी गरीबी सूचकांक-2023 पर नीति आयोग की दूसरी रिपोर्ट में यह तथ्य सामने आया है। गरीबी का आकलन करने के वर्तमान मापदंडों के अनुसार गरीबी को केवल पैसे की कमी से नही आँका जाता। स्वास्थ्य, पोषण, साफ पानी, बिजली, जीवन की गुणवत्ता, स्कूली शिक्षा, स्वच्छ्ता, शिशु मृत्यु, मातृत्व मृत्यु, आवास, बैंक खाता, परिसम्पत्तियां, भोजन के लिए ईंधन आदि से वंचित रहने को भी गरीबी का कारण माना जाता है।

मध्यप्रदेश में 1.36 करोड़ लोगों का गरीबी रेखा ऊपर आने का मतलब है स्वास्थ्य, पोषण, साफ पानी, बिजली, जीवन की गुणवत्ता, स्कूली शिक्षा, स्वच्छ्ता एवं अन्य मापदण्डों की स्थिति में ज़बरदस्त सुधार हुआ है।यह संख्या सिंगापुर और लीबिया जैसे देशों की कुल आबादी के दोगुने से भी ज्यादा है। अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-4-(2015-16)में अलीराजपुर में गरीबों की संख्या 71.31 प्रतिशत थी जो एनएचएचएस-5 (2019-21)में घटकर 40.25 प्रतिशत रह गई। इस प्रकार 31.5 प्रतिशत सुधार हुआ है। बड़वानी में 61.60 प्रतिशत से कम होकर 33.52 प्रतिशत रह गई है। इस प्रकार 28.08प्रतिशत का सुधार हुआ है। खंडवा में गरीबी का प्रतिशत 42.53 से कम होकर 15.15 प्रतिशत पर आ गया है। इस प्रकार 27.38 प्रतिशत सुधार हुआ है। बालाघाट में 26.48 प्रतिशत और टीकमगढ़ में 26.33 प्रतिशत सुधार हुआ है। देश में गरीबी में भारी कमी देखी गई है। पाँच सालों में गरीबी से बाहर आने वाले लगभग 135 मिलियन लोग हैं।वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक-2023 में यह बात साफ हो गयी है कि देश में 15 वर्षों के भीतर 415 मिलियन लोग गरीबी से मुक्ति पा चुके हैं। स्पष्ट है कि जीवन स्तर की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक में स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर की गुणवत्ता की कमी का भी आकलन् किया गया है। इसके 12 मापदंड हैं। इसमें अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आँकड़ों का भी उपयोग किया गया है। इन आंकड़ों को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के समन्वय से अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान द्वारा जारी किया जाता है।

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने दिया आदेश

नूंह में बुलडोजर की कार्रवाई पर रोक लगाई

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने सोमवार को हरियाणा सरकार को नूंह जिले में चल रहे विध्वंस अभियान को रोकने का आदेश दिया। यहां पिछले सप्ताह सांप्रदायिक हिंसा हुई थी जिसमें छह लोगों की मौत हो गई थी।

न्यायमूर्ति जी.एस. संधावालिया की अध्यक्षता वाले उच्च न्यायालय ने मामले का स्वत:संज्ञान लिया और राज्य सरकार से अगले आदेश तक बुलडोजर कार्रवाई रोकने को कहा। इस मामले पर बाद में सुनवाई की जाएगी। पिछले पांच दिनों में, स्थानीय प्रशासन ने घरों, दुकानों और अन्य संरचनाओं सहित 750 से अधिक इमारतों को ध्वस्त कर दिया है। अधिकारियों ने दावा किया कि ध्वस्त संरचनाएं सरकारी जमीन पर बनाई गई थीं और सांप्रदायिक झड़पों के दौरान संदिग्धों द्वारा इसका इस्तेमाल किया गया था। मामले में पीड़ितों की ओर से पेश वकील मोहम्मद अरशद ने आरोप लगाया कि कब्जाधारियों को बिना किसी पूर्व सूचना दिए 3 अगस्त से नूंह में विध्वंस अभियान जारी है।

भाजपा सरकार आदिवासी हितैषी नहीं

भोपाल, देशबन्धु। भाजपा सरकार आदिवासी हितैषी न होकर आदिवासी विरोधी है, आदिवासियों पर लगातार अत्याचार हो रहे हैं सरकार सरकार अत्याचारों पर अंकुश लगाने में नाकाम साबित हो रही है। कमलनाथ ने कहा प्रदेश के प्रत्येक जिले को छिंदवाड़ा मॉडल बनाने का मेरा प्रयास रहेगा क्योंकि 2018 के चुनाव में हमने जो वादे किए थे उसे हम पूर्ण किए जा रहे थे हमारी सरकार आने पर हम पूर्ण करेंगे। यह बात आज प्रदेश कांग्रेस प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने झाबुआ में आदिवासी स्वाभिमान यात्रा के समापन अवसर पर जनसभा को सम्बोधित करते हुए कही।

सीधी से शुरू होकर यात्रा प्रदेश के युवक कांग्रेस अध्यक्ष डॉ विक्रांत भूरिया द्वारा निकाली गई थी। पूर्व मंत्री अजय सिंह ने कहा कि सीधी सिवनी के सिमरोल नेमावर नीमच सिंगरौली की घटनाओं से साफ जाहिर होता है की भाजपा सरकार ने प्रदेश को अपराधियों कालाबाजारियों को सौंप दिया गया है। पूर्व सांसद सुरेश पचौरी, पूर्व केंद्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया और प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. विक्रांत भूरिया ने भी आमसभा को संबोधित किया। इनके अलावा सभा को युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी श्रीनिवास आदिवासी विभाग प्रदेश अध्यक्ष राजू टेकम, महिला विंग आदिवासी अध्यक्ष चंदा सरवटे, पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल, बाला बच्चन सुरेंद्र सिंह हनी बघेल, ओमकार सिंह मरकाम, श्रीमती शोभा ओझा, विधायक ग्यारसीलाल रावत, विधायक प्रताप सिंह ग्रेवाल, मुकेश पटेल, वीर सिंह भूरिया, बालसिंह मीणा, हर्ष विजय गहलोत, पूर्व विधायक जेवियर मेडा, जिला कांग्रेस प्रभारी पूर्व विधायक हमीद काजी, महेश पटेल, निर्मल मेहता ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रांका ने किया और प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता साबिर फिटवेल ने आभार माना।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने तलाक के मामले की टिप्पणी

किसी के काले रंग को लेकर टिप्पणी क्रूरता के समान

बेंगलुरु, एजेंसी। तलाक के एक मामले की सुनवाई करते हुए कर्नाटक उच्च न्यायालय ने अपने हालिया फैसले में कहा है कि काले रंग को लेकर नस्लीय टिप्पणी क्रूरता के बराबर है। पति ने फैमिली कोर्ट द्वारा तलाक न दिए जाने के फैसले पर सवाल उठाते हुए कोर्ट में अपील याचिका दायर की थी। सब-डिवीजन बेंच ने कहा कि पत्नी ने लगातार पति को उसके काले रंग के लिए अपमानित किया और उसे काली त्वचा वाला व्यक्ति कहकर परेशान किया। पीठ ने कहा कि इस तथ्य को छिपाने के लिए पत्नी ने उस पर अवैध संबंध का आरोप लगाया था। पीठ ने निचली अदालत के फैसले को रद्द करने का आदेश देते हुए रेखांकित किया कि इसे निस्संदेह क्रूरूरता माना जाता है। अदालत ने शादी भी रद्द कर दी और पति को तलाक दे दिया। इस जोड़े ने 2007 में शादी की थी, लेकिन पति ने 2012 में तलाक के लिए फैमिली कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था जिसने 13 जनवरी 2017 को पति की याचिका रद्द कर दी थी। याचिकाकर्ता ने दावा

किया कि शादी के बाद उसकी पत्नी हमेशा उसे काला आदमी कहकर ताने मारती थी और अपमानित करती थी। उसने अपनी बेटी की खातिर किसी तरह अपमान सह लिया। उसने यह भी दावा किया था कि उसकी पत्नी ने 2011 में उनकी वृद्ध मां और परिवार के सदस्यों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। इस मामले में उसे यातनाएं भी झेलनी पड़ीं और उसने 10 दिन थाने और कोर्ट में बिताए थे। पति ने गुहार लगाई थी कि अदालत तलाक मंजूर करे। उसने दावा किया, पत्नी अपने मायके चली गई और फिर कभी वापस नहीं लौटी। उसने मेरे नियोक्ता से भी शिकायत की थी।

मुझे बहुत कष्ट सहना पड़ा और मैं अवसाद में भी था। पत्नी ने याचिका रद्द करने की गुहार लगाई और दावा किया कि उसके पति का अफेयर था और इस अफेयर से उसका एक बच्चा भी है। उसने यह भी आरोप लगाया कि उसके पति कठोर शब्दों का इस्तेमाल करते थे और उसे बाहर जाने और देर से घर आने नहीं देते थे। पत्नी ने अपने पति और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ आपराधिक शिकायत भी दर्ज कराई थी। हालांकि, कोर्ट ने कहा कि पत्नी ने याचिकाकर्ता पर बेबुनियाद आरोप लगाए हैं। पीठ ने यह भी कहा कि पत्नी का यह दावा कि वह अपने पति के बिना वर्षों तक रहते हुए भी उसके साथ सौहार्दपूर्ण ढंग से रहने को तैयार है और शिकायत वापस नहीं लेने से पता चलता है कि उसे अपने पति के साथ रहने में कोई दिलचस्पी नहीं है। इसके बाद कोर्ट ने क्रूरता के आधार पर पति को तलाक दे दिया।

सार-समाचार

श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का अभिषेक किया

राहतगढ़, देशबन्धु। सावन मास के पांचवे सोमवार को प्राचीन शिवालय मंदिर बनेनीघाट पर सुबह से ही भगवान शिव की पूजा अर्चना के लिए भीड़ लगी रही। सुबह से शाम तक मौसम खुला होने से दिनभर भगवान शिव के दर्शनों के लिए ताता लगा रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का पंचामृत से अभिषेक किया। पूरा शिवालय परिसर ओम नम: शिवाय जयकारों से गूंजता रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का पंचामृत से अभिषेक किया। भगवन शिव को बेलपत्र, धतूरा, शमीपत्र, श्रीफल, जनेऊ आदि पूजन सामग्री अर्पित कर परिवार में सुख समृद्धि की कामना की। वही नगर के श्री देव श्यामलिया सरकार मंदिर, श्री बिहारी जी मंदिर, राघव जी मंदिर, मां शीतला मंदिर बनेनीघाट, सवालाख सुंदरकांड हनुमान मंदिर, हनुमान मड़ा मंदिर सहित आदि मंदिरों में महिलाओं ने भजन कीर्तन किए।

प्रतिष्ठा, प्रदर्शन और प्रतिस्पर्धा से बचने का करे सतत प्रयास: मुनिश्री

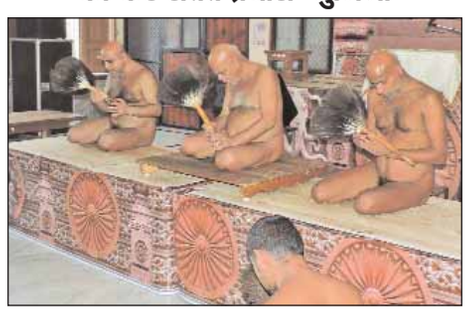

खुरई, देशबन्धु। प्राचीन जैन मंदिर में विराजमान मुनिश्री प्रशस्तसागर ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अगर सुखी होना है, तो प्रतिष्ठा, प्रदर्शन और प्रतिस्पर्धा इन तीनों रोगों से बचें। प्राय: मनुष्य इन्हीं तीन रोगों से ग्रसित है। संसार बहुत बड़ा है, हम किस किस से और किस किस बात के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। यहां तो एक से बढ़कर एक हैं। एक पुरूष ने एक मुनिश्री से पूछा संसार का हर इंसान दु:खी क्यों है। मुनिश्री ने कहा क्योंकि उसका पड़ौसी सुखी है। हमारा सुख-दु:ख पड़ौसी के सुखी-दु:खी होने से पैदा होता है। जो हमारे पास है, उसी में जीएं, जो पड़ौसी के पास है, उसे पाने के चक्कर में न पड़ें। लेकिन मनुष्य की तो आदत ही पड़ गई है, दूसरों से प्रतिस्पर्धा करने की। अंग्रेजी में एक कहावत है, जिसका अर्थ है दूसरे के बगीचे की घास ज्यादा हरी मालूम होती है। दूसरे की पत्नी में ज्यादा आकर्षण दिखता है, स्वयं की पत्नी में नहीं। जबकि ऐसा नहीं है कि स्वयं की पत्नी सुन्दर नहीं है। स्वयं की पत्नी पड़ौसी की पत्नी से ज्यादा सुन्दर है, खूबसूरत है, लेकिन स्वयं की आंखे उसके सौन्दर्य को देख कहां पाती हैं, उसे तो पड़ौसी की वस्तु में ज्यादा रस आता है। प्रवचन सभा का संचालन सुनील पिठौरिया एवं अशोक शाकाहार ने किया।

विभिन्न रेस्टोरेंट का किया निरीक्षण

दमोह, देशबन्धु। डीओ खाद्य सुरक्षा प्रशासन राकेश अहिरवाल के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा अधिकारी माधवी बुधौलिया ने कार्यवाही करते हुए शहर के विभिन्न रेस्टोरेंट पर निरीक्षण कार्यवाही करते हुये भोजन बनाने में उपयोग होने वाली खाद्य सामग्री के नमूनें जांच हेतु लिए। श्याम नगर स्थित क्लब हाऊस से पनीर के नमूनें जांच हेतु लिए एवं जबलपुर रोड स्थित लंदन शेक्स फोर्क एंड स्पून रेस्टोरेंट से दही के नमूनें जांच हेतु लिए। इन नमूनों को जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर इस संबंध में नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला की सहायता से रेस्टोरेंट में संग्रहित पनीर, दही, हल्दी पाउडर, मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, गरम मसाला, आटा, मैदा, बेसन आदि की जांच की गई है। मौके पर रेस्टोरेंट संचालक को परिसर में फूड सेफ्टी डिस्प्ले बोर्ड लगवाने के निर्देश दिए। सभी रेस्टोरेंट का फोस्कोरिस एप्प की सहायता से ऑनलाइन निरीक्षण किया गया।

मेवात ढाबा बंद कराने को लेकर शिवसेना ने ज्ञापन सौंपा

गौरझामर, देशबन्धु। जिले की देवरी विधानसभा के अंतर्गत थाना गौरझामर में शिव सेना अध्यक्ष राहुल गुरु के नेतृत्व में हरियाणा मैं ब्रज मंडल की यात्रा हिंदू परिषद द्वारा निकाली जाती है हरियाणा के सामुदायिक विशेष कि लोगों ने जो पथराव कर कई लोगों को घायल किया है इस घटना में दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए सागर जिले के हाईवे पर बने मेवात ढाबों का अवैध गतिविधियों से गढ़ बन गया है। यहां पर सभी अनैतिक गतिविधियां संचालित हो रही हैं। इस पर रोक लगाई जाए मेवाती ढाबो को बंद किया जाए शिवसेना संगठन का कहना है, अगर प्रशासन इस पर कड़ी कार्रवाई नहीं करता है तो उग्र आंदोलन दिया जाएगा। क्षेत्र प्रमुख शक्ति उपाध्याय अनिल लोधी, प्रकाश सेन, हर्ष लालू शर्मा, नरेंद्र ठाकुर आदि शामिल रहे।

मालथौन के पास कंकद्दर बना मौत का वाटरफॉल बीना के 22 वर्षीय लड़के की गिरने से मौत

उत्तर प्रदेश की सीमा में आता है वाटरफॉल लेकिन सुरक्षा व्यवस्था के कोई पुख्ता इंतजाम नहीं

मालथौन, देशबन्धु। मालथौन से 7 किलोमीटर दूर यूपी थाना सीमा अंतर्गत कंकद्दर वाटरफॉल मौत का वाटरफॉल बन गया है रविवार को मित्र दिवस पर मित्रो के साथ कंकद्दर वाटरफॉल घूमने आया यहा उन मित्रो का एक साथी दुनिया छोड़कर चला गया। बीना के चार दोस्त मोटरसाइकिल से मालथौन के समीप कनकद्दर वाटरफॉल पहुंचा 22 वर्षीय युवा की गिरने से हुई मौत। मौके पर पहुची यूपी पुलिस ने गौताखोरों की कड़ी मशक्कत के बाद जलप्रपात के अंदर से चौबीस घण्टे के बाद शव को बाहर निकाला गया। लड़के के शव को देखकर लड़के के माता पिता का रो-रो कर बुरा हाल हुआ। जानकारी के अनुसार रविवार की सुबह बीना से चार दोस्तो के साथ मालथौन के पास कनकद्दर जलप्रपात घूमने आया था। दो दोस्तों के साथ जलप्रपात के नीचे पहुचकर नहाने लगे और अन्य सैलानी वहां मौजूद थे झरने के नीचे नहा रहे थे नहाकर दो साथी ऊपर आ गए जब उनका साथी ऊपर नहीं दिखा तो उन्होंने उसे नीचे जाकर खूब तलाशा लेकिन नहीं मिला तो यूपी पुलिस को सूचना दी सूचना पर रविवार शाम को पुलिस पहुची उसकी तलाश की लेकिन नहीं मिला फिर अगले दिन सुबह पुलिस पहुंची गौतो खोरो की मदद शव को तलाशने में जुट गई पानी ज्यादा होने की वजह से बड़ी कठनाई हुई बड़ी कोशिशों के बाद शव को निकाला गया। जानकारी के अनुसार बीना के इटावा निवासी गनेश कोरी ने बताया कि लड़का आकाश कोरी रविवार की सुबह 9 बजे घर से दुकान जाने की बात कहकर निकला था मुझे आज सुबह पता चला कि लड़का मालथौन के पास कंकद्दर घूमने दौस्तो के साथ गया था वहा गुम हो गया हैं। मौके पर मौजूद दोस्तो ने मीडिया को बताया कि हम लोग जलप्रपात के अंदर नहा रहे थे एक साथी ऊपर बैठा था हम लोग नहाकर ऊपर आ गए जब आकाश नहीं आया तो हम लोगो ने उसकी खोज बीन की जब पता नहीं चला वहां मौजूद लोगों को बताया उसके बाद पुलिस को सूचना दी। उल्लेखनीय है पिछले बर्ष इन्ही दिनों मड़ावरा का एक जैन युवक की गिरने से मौत हो गई वह पानी अंदर एक चट्टान की खोल में फस गया था बड़ी मशक्कत के बाद उसका शव बरामद हुआ था। इस घटना के बाद से कोई सुरक्षा के इंतजाम यूपी प्रशासन द्वारा नहीं किए गये। घटना पर यूपी प्रशासन के अधिकारी ने यहां सुरक्षा व्यवस्था के इतंजाम करने की बात कही थी लेकिन कोई इतंजाम नहीं किए गए हैं रोजाना सैकड़ो की संख्या में सैलानी खतरों के बीच पहुच रहे हैं। वहां पहुचकर कुछ युवा सैलानी स्टंट बाजी करने से भी नहीं चूकते हैं।

अनुसूचित जाति वर्ग को सम्मान देने निरंतर कर रहे कार्य: लखन सिंह

बरोदियाकलां, देशबन्धु। क्षेत्र के विभिन्न कस्बों, ग्रामों में संत रविदास के मंदिर, धर्मशालाओं के निर्माण के साथ ही सागर संभाग के एक मात्र संत रविदास उद्यान का निर्माण खुरई में कराया है। उद्यान के बिल्कुल बीचों बीच संत रविदास की भव्य प्रतिमा की स्थापना उनके जन्म जयंती के अवसर पर मंत्री भूपेन्द्र सिंह द्वारा कराई गई है। मंत्री श्री सिंह ने संत श्री के नाम से वार्ड का नामकरण भी संत रविदास वार्ड के रूप में किया। यह बात मंत्री प्रतिनिधि लखन सिंह ने बरोदिया कलां में आयोजित समरसता सभा को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि सागर में 12 अगस्त को प्रधानमंत्री 100 करोड़ की लागत से बनने वाले संत रविदास के भव्य मंदिर निर्माण का भूमिपूजन करने पधार रहे हैं। उन्होंने सभी क्षेत्रवासियों को सागर में होने वाले भूमिपूजन कार्यक्रम में आने का न्यौता दिया। खुरई विधानसभा क्षेत्र में 1 से 10 अगस्त तक समरसता यात्रा का आयोजन किया गया है। सोमवार की समरसता यात्रा अण्डेला से प्रारंभ होकर, मालथौन नगर भ्रमण, मालथौन के संत रविदास मंदिर, मांदरी, इटवा, डबडेरा, चुरारी, मृगावली, पलेथनी, बीकोरकलां, मड़खेरा, दरी, खटौरा, समसपुर, बरोदिया होते हुए ललोई पहुंची। महिलाओं ने सिर पर कलश रख यात्रा का स्वागत किया। वहीं यात्रा के आगमन पर तोरण द्वार व ध्वजाएं लगाई गई थी।

हमें भी अपने पूर्वजों के श्रेष्ठ कर्मो से शिक्षा लेनी चाहिए: नीलम बहन

नरयावली, देशबन्धु। श्री मदभागवत गीता पर आधारित ज्ञान यज्ञ एवं राजयोग शिविर के पांचवें दिवस में प्रवचनकर्ता राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी नीलम बहन ने सर्वप्रथम श्री मदभागवत गीता की आरती के बाद परमपिता परमात्मा राम का आह्वान करते हुए कहा कि कलियुग बैठा मार कुंडली, जाऊं तो मैं कंहा जाऊं। अब हर घर में रावण बैठा, इतने राम कहां से लाऊं। अपने अंदर के राम को पहचानने की जरूरत हैं रावण माना बुराई, अवगुण और राम माना अच्छाई, गुण, विशेषताएं। परिवर्तन ही संसार का नियम है। हमें ही कलियुग में रहते ही अपनी बुराइयों को खत्म कर अच्छाई में परिवर्तित करना हैं। सबसे पहले मन करता है कि कुछ कार्य किया जाए तो फिर तन द्वारा किया जाता हैं और धन से विकर्म किया। जिससे 5 विकार काम, क्रोध, लोभ, मोह, अंहकार पैदा होते हैं। वर्तमान में हमारा मन रूपी अश्व कलियुग में पुर्णत: फंस चुका हैं। मन कलियुगी पाप कर्मों में लिप्त हो चुका है। तो अब कलियुग के अंतिम समय, कयामत का समय हैं। कहते हैं, बुद्धिमान व्यक्ति वह जो अपने पूर्वजों से शिक्षा ले अपने जीवन को श्रेष्ठ बनाये तो हमें भी अपने पूर्वजों के श्रेष्ठ कर्मों से शिक्षा लेनी चाहिए। और साथ ही अनुमान और अभिमान से स्वयं को बचाना हैं यदि हमने अपने जीवन में अनुमान और अभिमान को छोड़ दिया तो हम ही हनुमान जैसे हैं। व्यसन मुक्ति पर बाल कलाकारों द्वारा नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी लक्ष्मी बहन, बीके संध्या बहन, बीके आरती बहन, बीके निधि बहन, बीके नेहा बहन और अन्य भाई बहन, माताएं और नगर वासी शामिल रहें।

गुम बालिका का 4 घण्टे में किया बरामद

सागर, देशबन्धु। सोमवार 7 अगस्त को फरियादी विश्राम पिता बबलू कोल उम्र 40 साल नि. ग्राम देवराखुर्द हाल निवासी रेस्ट हाउस के पास बनी दुकाने खुरई की रिपोर्ट पर इसकी लडकी उम्र 13 साल 9 माह को कोई अज्ञात व्यक्ति अपने साथ बहला फुसलकार भगा ले जाने की रिपोर्ट पर अप.क्र. 324/23 धारा 363 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। 1 अगस्त से 15 सितम्बर 23 तक गुम अव्यस्क बालक बालिकाओं की दस्तयाबी हेतु विशेष अभियान आपरेशन मुस्कान चलाये जाने के तारतम्य में पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी खुरई सुमित केरकट्टा के नेतृत्व में टीम गठित की गयी। मुखबिरों को सक्रिय कर घटना के सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर विवेचना की गयी। अपहृता के संबंध मे जानकारी प्राप्त हुयी जिसे रेल्वे स्टेशन खुरई से दस्तयाब किया गया। अपहृता गुडियाबाई कौल को दस्तयाब कर थाना लाया गया। उक्त सम्पूर्ण कार्यवाही थाना प्रभारी सतीश सिंह के मार्गदर्शन में कविता द्विवेदी, जयनारायण जादौन, महिपाल सिंह, मुन्नालाल, बीडी शिवहरे, सूरज शर्मा, जयेन्द्र सेंगर, पूजा यादव, सायबर सेल से अमर तिवारी एवं अमित शुक्ला आदि थाना पुलिस स्टाफ की भूमिका रही।

रुपाली अनूप जैन बनी अध्यक्ष

सागर, देशबन्धु। भारतीय जैन संघटना, कटरा चैप्टर की नवीन कार्यकारिणी का गठन वर्णी कालोनी स्थित चैप्टर अध्यक्ष रेखा अहिंसा के निवास पर संपन्न हुए। कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन कार्यक्रम की मुख्य अतिथि निधि जैन एवं अधिवक्ता उषा जैन के द्वारा किया गया। बीजेएस सागर जिला अध्यक्ष मनोज जैन लालो की सहमति एवं सदस्यों की सर्वसम्मति से रुपाली अनूप जैन को अध्यक्ष पद पर मनोनयन किया गया। पूर्व अध्यक्ष रेखा जैन अहिंसा ने वेच लगाकर और माला पहनाकर स्वागत किया। सचिव पद पर आत्मज्योति को एवं कोषाध्यक्ष मनीषा जैन को बनाया गया है। कार्यक्रम के अंत में आया सावन झूम के में अंताक्षरी का आयोजन किया गया। अंत में आभार नरेन्द्र जैन अहिंसा ने माना।

मिट्टी का तेल डालकर जलाकर हत्या करने वाले 5 आरोपियों को आजीवन कारावास

सागर, देशबन्धु। मिट्टी का तेल डालकर जलाकर हत्या करने वाले आरोपी अज्जू उर्फ अजहर पठान पिता अनवर पठान उम्र.22 साल, इरफान खान पिता बबलू खान उम्र 19 साल, कलू उर्फ मो. साबिर पिता मो. शरीफ उम्र.23 साल, छुट्टु उर्फ अशरफ कुरैशी पिता चुन्ना कुरैशी उम्र 24 साल, बबलू उर्फ डैनी खान पिता गनी खान उम्र 42 साल को विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट प्रदीप सोनी जिला सागर की अदालत ने दोषी करार देते हुये भादवि की धारा 302/149 के तहत आजीवन कारावास एवं दो हजार रूपये अर्थदण्ड, धारा 450 भादवि के तहत 5 वर्ष का सश्रम कारावास एवं एक हजार रूपये अर्थदण्ड और धारा 3(2) 5 एससी/एसटी एक्ट के तहत आजीवन कारावास एवं दो हजार रूपये अर्थदण्ड की सजा से दंडित किया। मामले की पैरवी अति. जिला अभियोजन अधिकारी शिवसंजय एवं सहा. जिला अभियोजन अधिकारी सौरभ डिम्हा ने की। सौरभ डिम्हा ने बताया कि 14 जनवरी 2020 फरियादी धनप्रसाद अहिरवार ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि मै ओ. ब्लाक कमरा नं. 17 में रहता हूं 14 जनवरी 2020 की शाम करीब 4 बजे की बात है मेरे मोहल्ले के छुट्टु मुसलमान, अज्जू मुसलमान, कल्लू मुसलमान, इरफान मुसलमान मेरे घर आये मैने उनसे कहा कि तुम मेरे माता पिता को परेशान मत करो पिछले कुछ दिनो से तुम मेरे माता पिता को परेशान कर रहे हो इसी बात पर से चारों मेरे माता पिता को मां बहिन की गंदी-गंदी गालियां देने लगे मैने गाली देने से मना किया तो चारों मेरे घर के अंदर घुस आये और मुझे भी गालियां देने लगे मेरे साथ लात घूसो से मारपीट की और मुझे जान से खत्म करने की नियत से वही पर रखा मिट्टी का तेल मेरे ऊपर डाल दिया और माचिस से आग लगा दी मैने बचाव करने का प्रयास किया तो चारों ने जाति सूचक शब्द बोले और जान से खत्म करने की धमकी दी मौके पर आस पड़ोस के लोग थे जिन्होंने घटना देखी आरोपीगण मेरी जाति के सबंध में जानते थे कि मैं अहिरवार जाति का हूं इसके बाद भी चारों ने मुझे जान से खत्म करने की नियत से घर के अंदर घुसकर मेरे ऊपर मिट्टी का तेल डालकर आग लगा दी। आहत को इलाज के लिये जिला अस्पताल में भर्ती किया गया, थाना मोतीनगर द्वारा उक्त रिपोर्ट के आधार पर प्रकरण पंजीबद्ध कर मामला विवेचना में लिया गया, विवेचना के दौरान साक्षियों के कथन लेख किये गये, घटना स्थल का नक्शा मौका तैयार किया गया, घटना स्थल का एफएसएल टीम द्वारा निरीक्षण किया गया। फरियादी द्वारा अपने मरणासन्न कथन में 5 आरोपियों के नाम लेख कराये जिनमें उक्त 4 आरोपियों के अलावा बबलू कसाई का नाम भी लेख कराया, आहत के मरणासन्न कथन और 161 के कथनों व अन्य साक्ष्य के आधार पर आरोपी बबलू मुसलमान के नाम का इजाफा किया गया, आहत को इलाज के लिये दिल्ली में भर्ती कराया गया था जहां इलाज के दौरान उसकी मृत्य हो गई। विवेचना उपरांत चालान न्यायालय में पेश किया।

सर्व जीवों ने कल्याण की भावना को लेकर भक्तांबर पाठ का आयोजन

शाहगढ़, देशबन्धु। भारतीय जैन मिलन की शाखा की बैठक शांतिबिहार कालोनी में हुई, सर्व प्रथम सर्व जीवों के कल्याण की भावना को लेकर भक्तांबर स्तोत्र पाठ का आयोजन किया गया। तत्पश्चात क्षेत्र 10 के अंतर्गत वीर और वीरांगना दोनों ही शाखाओं की बैठक हुई, जिसमें आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई थी, शाखा द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर वृक्षारोपण, ध्वजारोहण, नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर और मिलन समारोह आदि होने जा रहे कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। अध्यक्ष डॉ. अशोक जैन, मंत्री दिवाशाह, कोषाध्यक्ष नीरज जैन, प्रचार मंत्री प्रकाश अदावन आदि सभी ने शाखा की सदस्यता बढ़ाने पर सहमति जताई और आगामी कार्यक्रमों की जिमेदारियां ली वहीं शाखा के बजट पर भी चर्चा हुई।

नाबालिग के साथ जबरन दुष्कृत्य करने वाले आरोपी को आजीवन सश्रम कारावास

सागर, देशबन्धु। नाबालिग के साथ जबरन दुष्कृत्य करने वाले आरोपी अरविन्द रैकवार को तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश विशेष न्यायाधीश पाक्सों एक्ट 2012 नीलम शुक्ला जिला सागर की अदालत ने दोषी करार देते हुये भादवि की धारा 366 के तहत 5 वर्ष सश्रम कारावास एवं एक हजार रूपये अर्थदण्ड, धारा. 376(3) के तहत 20 वर्ष सश्रम कारावास एवं पांच हजार रूपये अर्थदण्ड तथा धारा.5(एल) सहपठित धारा 6 पॉक्सों एक्ट के तहत 20 वर्ष सश्रम कारावास एवं पांच हजार रूपये अर्थदण्ड तथा धारा 3(2)(व्ही.ए) एससीएसटी एक्ट के तहत 5 वर्ष सश्रम कारावास एवं एक हजार रूपये अर्थदण्ड धारा.3(2)(व्ही) एससी/एसटी एक्ट के तहत आजीवन कारावास एवं पांच हजार रूपये अर्थदण्ड की सजा से दंडित किया। न्यायालय द्वारा बालिका के पुर्नवास के लिये उसे क्षतिपूर्ति के रूप में युक्तियुक्त प्रतिकर 400000/-चार लाख रूपये दिये जाने का आदेश दिया गया। मामले की पैरवी सहायक जिला अभियोजन अधिकारी रिपा जैन ने की। घटना इस प्रकार है कि सूचनाकर्ता बालिका के पिता ने 4 फरवरी 2021 को थाना रहली में रिपोर्ट लेख कराई कि 3 फरवरी 2021 के सुबह करीब 4 बजे वह जब खेत से घर वापस आया तो उसकी तीसरी लड़की पीड़िता घर पर नहीं मिली जिसके बारे में उसने उसकी सबसे छोटी लड़की से पूछा तो उसने बताया कि मामा के यहां गई होगी, तब उसने बालिका के मामा के यहां जाकर पता किया लेंकिन बालिका वहां पर नहीं थी फिर उसकी तलाश आस पास व रिश्तेदारी में की, लेकिन बालिका को कोई पता नहीं चला। बालिका के पिता द्वारा बालिका के बिना बताये कही चले जाने तथा अज्ञात व्यक्ति द्वारा बालिका को बहला फुसलाकर भगाकर ले जाने की शंका व्यक्त की। उक्त रिपोर्ट के आधार पर थाने पर प्रकरण पंजीबद्ध कर मामला विवेचना में लिया गया, विवेचना के दौरान साक्षियों के कथन लेख किये गये, थाना मोतीनगर द्वारा विवेचना उपरांत चालान न्यायालय में पेश किया।

आचार्यश्री विद्यासागर के अपराध मुक्त भारत की परिकल्पना, हथकरघा से बदल रहा जीवन: मुनिश्री

सागर, देशबन्धु। अहिंसक कार्य हथकरघा से प्रत्येक व्यक्ति को समाज को जुड़ना चाहिए। आचार्य श्री विद्यासागर की प्रेरणा से स्थापित हथकरघा के वस्त्र उपयोग करके स्वावलंबी स्वदेशी को बढ़ावा दें। यह बात मुनिश्री सुदत्तसागर ने अंकुर कॉलोनी स्थित श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर धर्म सभा को संबोधित करते हुए कही। क्षुल्लक श्रीचंद्र दत्त सागर ने कहा हर घर में रोटी और हर घर में रोजगार लाने वाला साधन हथकरघा ही है। ब्र. रेखा दीदी डीएसपी के पद को त्याग कर पूर्ण समर्पण से इस कार्य में लगी हुई है। गुरुदेव के आशीर्वाद से सागर की जेल से 2018 में प्रारंभ हुआ हथकरघा पूरे भारतवर्ष की विभिन्न जेलों में स्वदेशी, स्वाबलंबी रोजगार के साथ अहिंसा की अलख जगा रही है। ब्र. रेखा दीदी ने अपने उद्बोधन में बताया कि कैसे कैदी अहिंसा को अपना रहे हैं। वर्तमान में केंद्रीय जेल सागर में 54 हथकरघा में लगभग 125 बंदी काम कर रहे हैं। इन बंदियों के पुनर्वास के लिए जेल से छूटने पर हथकरघा भी दिया जाता है जिससे बंदी रिहा होने के बाद अपना जीवन सूती कपड़े बना कर बता सकें। महावीर स्वामी का सूत्र जियो और जीने दो सार्थक हो रहा है। मुनि सेवा समिति सदस्य मनोज जैन लालो ने बताया हथकरघा दिवस के अवसर पर केंद्रीय जेल में निर्मित हथकरघा के वस्त्रों का स्टाल भी विक्रय हेतु अंकुर कॉलोनी में लगाया गया। अंत में आभार प्रदर्शन मंदिर कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन पटवारी ने किया।

लॉकडाउन उल्लंघन अपराधिक मामले हुए वापिस

बण्डा, देशबन्धु। शासन के निर्देश व जिला लोक अभियोजन अधिकारी सागर धर्मेंद्र सिंह तारन के मार्गदर्शन में बण्डा में आयोजित लोक अदालत में वैश्विक महामारी कोविड-19 के दौरान प्रोटोकॉल तथा लॉकडाउन उल्लंघन से संबधित आपराधिक प्रकरणों को व्यापक लोकहित में वापिस लिया गया। उक्त जानकारी वरिष्ठ एडीपीओ ताहिर खान ने दी। उन्होंने बताया की उक्त कार्यवाही में एडीपीओ शरद सिंह यादव की सक्रिय भूमिका रही।

विपत्ति में भी जो प्रभु गुरू को ना भूलें, सच्चे भक्तों की पहचान है: मुनिश्री

शाहगढ़, देशबन्धु। बड़ा मंदिर जैन मंदिर में शनि ग्रहरिष्ठ निवारक सर्व शांति दायक 1008 श्री मुनिसुस्वृत नाथ विधान का आयोजन नगर के युवा वर्ग द्वारा किया गया। मुनि श्री विरंजन सागर के सानिध्य में संपन्न विधान में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। पारंपरिक परिधानों में शामिल महिलाओं और युवाओं की नृत्य भक्ति और जयघोष से प्रांगण गुंजायमान हो गया। मुनिश्री विरंजन सागर के मुखारविंद से शांति मंत्र धारा हुई। मुनिश्री ने धर्मसभा में कहा कि मेघ कुमार देव अपनी मेघ गर्जना करते हुए घनघोर बारिश के बीच में अनुष्ठान और जयकार करते हुए भक्तों की भक्ति चल रही है। मूसलाधार बारिश में भी भक्त अपनी भक्ति से पीछे नहीं हटे यही सच्चे भक्तों की पहचान हुआ करती है, विपत्ति के समय भी भक्त अपनी प्रभु भक्ति, गुरू भक्ति को नहीं छोड़ता, रयर्ण सार की वाचना में आप सुन रहे हैं की श्रावक के कर्तव्य दान पूजा ही आपको सम्यक मार्ग की ओर ले जाएगा, निकांचित भावों से की गई भक्ती का फल निश्चित ही मिलता है, सच्चे मन से भक्ति करने से सभी पाप कर्म, पुण्य कर्म में बदल जाते हैं।

मेरी माटी मेरा देश अभियान 30 अगस्त तक होगा, निगमायुक्त ने अभियान की तैयारियों को लेकर बैठक कर निर्देश दिए

सागर, देशबन्धु। आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत मेरी माटी मेरा देश अभियान के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत नगर निगम द्वारा आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर निगमायुक्त चंद्रशेखर शुक्ला ने समस्त निगम अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक निर्देश दिए। इस पूरे अभियान संचालन का नोडल अधिकारी विजय दुबे कार्यपालन यंत्री को बनाया है। उन्होंने बैठक में मेरी माटी मेरा देश अभियान के संबंध में शासन द्वारा दिए गए निर्देशों से अवगत कराते हुए बताया कि विगत वर्ष हर घर तिरंगा अभियान संचालित किया गया था, इस वर्ष माटी मिट्टी को केंद्रित किया गया है और माटी को नमन करते हुए वीरों का वंदन के रूप में यह अभियान आयोजित किया जाना है जिसमें जिले की समस्त नगरीय निकायों से माटी को समारोह पूर्वक मिट्टी अमृत कलश के माध्यम से अटल पार्क में एकत्रित किया जाएगा। जहां पृथक से स्थान पर शिलाफलकम स्मारक पट्टीका लगाई जाएगी। जिसमें स्वतंत्रता सेनानियों, वीर शहीदों के नाम अंकित किए जाएंगे तथा स्मारक स्थल पर नागरिकों द्वारा हाथ में मिट्टी लेकर विकसित भारत का लक्ष्य, गुलामी के हर अंश से मुक्ति अपनी विरासत पर गर्व, एकता और एकजुटता और नागरिकों में कर्तव्य की भावना की पंच प्राण शपथ लेकर राष्ट्रगान का गायन होगा। इसी स्थल पर अमृत वाटिका का निर्माण किया जाएगा जिसमें स्वदेशी प्रजाति के 75 पौधे लगाए जाएंगे तथा वसुधा वंदन अभियान के तहत अमृत वाटिका में पौधारोपण कर पेड़ पौधों को संरक्षित किया जाएगा। इसके साथ ही कर्तव्य पर रहते हुए देश के लिए अपने जीवन का बलिदान देने वाले स्थानीय वीरों का स्मरण एवं सम्मान करना, वीर नारियों शहीदों की विधवाओं, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, सेवानिवृत्त सीआरपीएफ और राज्य पुलिस कर्मियों को सम्मानित भी किया जाएगा। इस अवसर पर अभियान के अंतर्गत शैक्षणिक संस्थाओं, शासकीय परिसरों, सार्वजनिक स्थानों पर भी व्यापक रूप से पौधारोपण किया जाएगा। 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान भी संचालित किया जाना है जिसकी तैयारी को लेकर भी उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नगर निगम के अंतर्गत आने वाले समस्त वार्डो में घर-घर तिरंगा झंडा लगाए जाना है इसलिए झंडा की उपलब्धता अभी से सुनिश्चित कर ली जाए तथा उनका समय पूर्व वितरण कर दिया जाए। उन्होंने बताया कि ध्वजारोहण करने के बाद नागरिकों को राष्ट्रगान का गायन करना होगा तथा ध्वजारोहण करते समय नागरिक शासन के दिशा निर्देशों का ध्यान रखें और पूरे सम्मान के साथ अपने घरों पर तिरंगा लगाएं क्योंकि यह हमारे और हमारे देश के गर्व और सम्मान का प्रतीक है इसलिए उसकी पूरी गरिमा का ध्यान रखें। नागरिकों को बताया जाए कि तिरंगे झंडे के साथ स्वयं की सेल्फी लेकर उसे मेरी माटी मेरा देश वेबसाइट पर अवश्य अपलोड करें। इसी प्रकार पंचप्रण शपथ कि भी फोटोग्राफ्स और सेल्फी को वेबसाइट आवश्यक रूप से अपलोड किया जाए। मेरी माटी मेरा देश और तिरंगा अभियान में जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ एनएसएस, एनसीसी, भारत स्काउट गाइड, स्कूल कॉलेज की छात्र-छात्राएं, लाडली बहना सेना, एनवाईके, सीएम जन फेलो सहित स्वयंसेवी संस्थाएं विभिन्न सामाजिक संगठन और नागरिकों को शामिल किया जाए।

सार समाचार

युवा कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष ने निकाली धार्मिक पदयात्रा

छतरपुर, देशबन्धु। युवा कांग्रेस छतरपुर के ब्लॉक अध्यक्ष एवं वार्ड नं. 38 के पार्षद प्रतिनिधि पुष्पेन्द्र कुशवाहा ने शहर के पठापुर रोड स्थित राम-जानकी मंदिर से खजुराहो के मतंगेश्वर महादेव मंदिर तक धार्मिक पदयात्रा निकाली। यात्रा का शुभारंभ रविवार को हनुमान टौरिया के पीछे स्थित रामजानकी मंदिर से सुबह 9 बजे हुआ। यहां से पदयात्रा बस स्टेण्ड, चौक बाजार, संकट मोचन होते हुए राजनगर बाईपास से खजुराहो के लिए रवाना हुई। रविवार को राजनगर के रामबाग में यात्रा ने विश्राम किया और इसके बाद सोमवार को खजुराहो पहुंची पदयात्रा में शामिल सरपंच संघ के ब्लॉक अध्यक्ष राकेश बबलू कुशवाहा सहित अन्य लोगों ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर जिले के किसानों एवं आमजन की सुख, समृद्धि की कामना की। यात्रा में शिवभक्तों और पुष्पेन्द्र के युवा साथियों ने बढ़-चढक़र सहभागिता की। सफल आयोजन के लिए पुष्पेन्द्र कुशवाहा ने सभी सहयोगियों का आभार जताया है।

श्रीमती शिल्पी जैन बनीं अरिहंत महिला मंडल की अध्यक्ष

खजुराहो, देशबन्धु। विभिन्न सांस्कृतिक, समाजिक एवं धार्मिक कार्य करने वाली संस्था अरिहंत महिला मंडल जैन समाज खजुराहो का चुनाव रविवार को सम्पन्न हुआ जिसमें श्रीमति शिल्पी जैन को महिला मंडल का अध्यक्ष चुना गया। इसके अलावा श्रीमति लता जैन को उपाध्यक्ष, श्रीमति अलका जैन को सचिव, श्रीमति डिम्पल जैन को सह सचिव, श्रीमति कांति जैन को कोषाध्यक्ष और श्रीमति निर्जरा जैन को सह कोषाध्यक्ष चुना गया है। निर्वाचन अधिकारी श्रीमति सरोज जैन ने सभी चुने गए सदस्यों को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की है कि वे संगठित होकर संस्था के कार्यों को गति प्रदान करेंगी। समस्त पदाधिकारियों और महिला मंडल ने आर्यिकाश्री तपोमति माताजी एवं आर्यिकाश्री गुणमति माताजी का आशीर्वाद भी लिया।

फांसी लगाकर दे दी जान

नौगांव, देशबन्धु। नगर के हाइवे ब्रिज के पास रहने वाले अनुरागी परिवार की महिला ने फांसी लगाकर की आत्म हत्या मायके के लोगो ने काटा हंगामा दोपहर के समय दोनी निवासी हरेंद्र अनुरागी की पत्नी ने किसी बात को लेकर फाँसी लगाकर जान देदी जब महिला का पोस्ट मार्डम हेतु टीबी अस्पताल पीएम हाउस शव लाया गया तो मायके पक्ष के लोगो ने हंगामा काट दिया रोड जाम की स्थिति पैदा हो गयी परिजनों ने रोते हुए बताया हमारी बेटी ब्रजेश ने मारी है पहले पति हरेन्द्र को गिरफ्तार किया जाए वरना शव को सड़क पर रखकर धरना देगे जानकारी लगते ही पुलिस ने मोर्चा सँभाला भीड़ को हटाया परिजनों को समझाइश देकर पीएम बाद शव दिया और सभी को रवाना किया गया मामले की जांच पुलिस करेगी तदुपरांत कार्यवाही की जाएगी।

सीएमओ नौगांव पर होगी निलंबन की कार्यवाही

स्वीप गतिविधियां नहीं करने पर घुवारा, बड़ामलहरा सीएमओ को नोटिस

- न्यायालयीन प्रकरणों को निपटाने लगेगा कैम्प
- पुल रिपटों पर पानी होने पर दोनों ओर से रास्ते करें ब्लॉक
- गांव में मुनादी कराएं

छतरपुर, देशबन्धु। कलेक्टर संदीप जी.आर. की अध्यक्षता में सोमवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में टी.एल. प्रकरणों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में एडीएम नम: शिवाय अरजरिया सहित एसडीएम, सीएमओ, जनपद सीईओ सहित जिलाधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री जी.आर. ने आरओ एवं अधिकारियों को निर्देशित किया कि संयुक्त रूप से इलेक्शन मोड में कार्य करते हुए अपना रोल निभाएं। उन्होंने डीईओ शिक्षा विभाग को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि जहां रैम्प मानक अनुरूप नहीं मिलेगा तत्काल कार्यवाही की जाएगी। साथ ही संबंधित की वेतन काटी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा संवेदनशील मतदान केन्द्रों का निरीक्षण एवं वल्नरेबिलिटी की मैपिंग करें। उन्होंने कहा कोई भी तनावपूर्ण स्थिति न बनें न ही किसी पर कोई दवाब बनाए। जाकर देखें और ग्रामीणों से जानकारियों लें। उन्होंने सभी आरओ को कैलेण्डर के हिसाब से स्वीप गतिविधियां करने के साथ अन्य कार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी क्षेत्रों के टॉप 20 गुंडों पर बॉन्ड ओवर की कार्यवाही करने और लिस्ट प्रेषित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कार्यवाहियों में खाना पूर्ति नही चलेगी। पंचायतों में संयुक्त स्पेशल कैंप लगाकर समस्याओं का निदान करें।

कलेक्टर ने सीएमओ नौगांव के मीटिंग में अनुपस्थित रहने और बिना सक्षम अधिकारी की स्वीकृति के बिना अवकाश पर जाने से पीओडूडा को निलंबित की कार्यवाही कराने के स्पष्ट निर्देश दिए। साथ ही ईपी रेशियो कम होने तथा जानकारी नही होने के साथ ही स्वीप गतिविधियां नही करने पर बड़ामलहरा और घुवारा सीएमओ को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा 31 अगस्त तक रेशियो बढ़ाये। स्कूलों, हॉस्टलों आदि जगह जाए कोई भी 18 साल के युवा का वोटर लिस्ट में न छूटे। मुनादी भी कराएं। उन्होंने सफाई कर्मियों के साथ बैठने और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का सहयोग लेते हुए सूचना तंत्र मजबूत करने के निर्देश दिए। सीएमओ को शहरों के स्ट्रीट लाइट्स को अपग्रेड करने सहित आवश्यक होने पर पोल की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने कहा ब्लॉक स्तर एवं ग्राम स्तर पर बीएलओ के साथ बैठककरें। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से सम्बंधित न्यायालयीन प्रकरणों के संबंध में कैम्प आयोजित कर समस्या सुनने और प्रकरणों के निराकरण के संबंध में हर महीने के पहले कैम्प लगाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि रिपटों पर पानी है तो दोनों तरफ से रास्ते को ठीक तरह से ब्लॉक करें। साथ ही ग्रामों में मुनादी कराएं। साथ ही एमपीईबी को बिजली संबंधित समस्याओं को समय से निपटाने के निर्देश दिए।

वित्तीय धोखाधड़ी करने पर एफआईआर दर्ज कराएं, महिलाओं को जागरूक करें : कलेक्टर ने निर्देशित किया कि महिलाओं के साथ वित्तीय धोखाधड़ी न हो जिसके लिए अधिकारियों को कैम्प लगाकर जागरूक करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कियोस्क संचालक की लापरवाही सामने आए तो तत्काल एफआईआर दर्ज कराकर जेल भिजवाएं।

कलेक्टर ने सीईओ जनपद को उत्खनन पट्टो की लंबित एनओसी देने के निर्देश दिए। साथ ही निर्देशित किया पंचायतों में पूर्ण कार्यों के प्रमाण पत्र की प्रस्तुति के बिना बिलों का भुगतान न हो। बैठक के दौरान मेरी माटी मेरा देश, हर घर तिरंगा अभियान एवं सितम्बर माह में प्रस्तावित खजुराहो में जी-20 बैठक के संबंध में आवश्यक तैयारियों के निर्देश दिए।

हाथापाई से नाराज चिकित्सकों ने की बैठक

घायलों के परिजनों ने की डॉक्टर से मारपीट

- पुलिस चौकी में पर्याप्त सशस्त्र पुलिस बल तैनात करने की माँग

छतरपुर, देशबन्धु। बीती रात हुई एक सडक़ दुर्घटना में घायल व्यक्ति को जिला अस्पताल लाया गया था। घायल के साथ अस्पताल आए करीब तीन दर्जन लोगों ने बिना किसी बात के अस्पताल में जमकर उत्पात मचाते हुए इमरजेंसी ड्यूटी में तैनात चिकित्सक के साथ अभद्रता करते हुए उनका मोबाइल छीन लिया। इस घटना से नाराज चिकित्सकों ने रात में ही थाने जाकर एफआईआर दर्ज कराई है साथ ही जिला अस्पताल की पुलिस चौकी में पर्याप्त सशस्त्र पुलिस बल तैनात करने का आग्रह जिला प्रशासन से किया है। सोमवार की सुबह उक्त घटना के संबंध में जिला अस्पताल के सभी चिकित्सकों ने आपातकालीन बैठक भी की।

यह है मामला : जिला अस्पताल में पदस्थ डॉ. मनोज चौधरी ने बताया कि बीती रात वे अपनी ड्यूटी पर थे और मरीजों का इलाज कर रहे थे। इसी दौरान सडक़ दुर्घटना में घायल एक व्यक्ति को लेकर करीब तीन दर्जन लोग जिला अस्पताल पहुंचे। घायल को जब ड्रेसिंग रूम में ले जाकर वे उपचार किया जा रहा था तभी उसके साथ आए सभी लोग ड्रेसिंग रूम में आ गए। जब डॉ. चौधरी ने अंदर भीड़ जमा न करने की बात कही तो भीड़ में शामिल कुछ लोग उनके साथ अभद्रता करने लगे। इतना ही नहीं उक्त लोगों ने डॉ. चौधरी का मोबाइल भी छीन लिया। किसी तरह डॉ. चौधरी ड्रेसिंग रूम से निकलकर अस्पताल की पुलिस चौकी पहुंचे और इसके बाद डायल-100 तथा सिविल सर्जन को सूचना दी गई लेकिन जब तक पुलिस मौके पर पहुंची तब तक उत्पात मचाने वाले लोग मौके से भाग चुके थे। सिविल सर्जन सहित अस्पताल के अन्य चिकित्सकों ने रात को ही एकत्रित होकर उक्त मामले की शिकायत कोतवाली थाने में की, जिस पर पुलिस ने अज्ञात के विरुद्ध धारा 294, 353, 34 आईपीसी के तहत एफआईआर दर्ज की। घटना के कुछ वीडियो तथा सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए हैं, जिनकी जांच कर पुलिस विवेचना में जुटी हुई है।

चिकित्सकों ने कहा-अस्पताल में तैनात हो पर्याप्त पुलिस बल : उक्त घटना से नाराज चिकित्सकों ने सोमवार को जिला अस्पताल में एक बैठक की जिसमें सभी चिकित्सकों ने अस्पताल की पुलिस चौकी में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किए जाने की मांग उठाई। सिविल सर्जन डॉ. जीएल अहिरवार ने बताया कि बीती रात सामने आए घटनाक्रम से चिकित्सकों में नाराजगी है। उन्होंने यह भी बताया कि रात को घटना के तुरंत बाद पुलिस अधीक्षक, थाना प्रभारी और कंट्रोल रूम को सूचना दी गई थी लेकिन पुलिस को आने में काफी देरी हुई।

उन्होंने बताया कि सभी चिकित्सकों की मांग पर वे जिला प्रशासन से अस्पताल की पुलिस चौकी में पर्याप्त मात्रा में सशस्त्र पुलिस बल तैनात करने के संबंध में पत्राचार कर रहे हैं। इसके बाद भी यदि चिकित्सकों को सुरक्षा के इंतजाम नहीं हुए तो दोबारा बैठक कर आगे की रणनीति बनाई जाएगी। वहीं जिला अस्पताल के चिकित्सिक डॉ. ओज दोसाज ने बताया कि डॉ. चौधरी के साथ हुई घटना में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है लेकिन इस घटना से सबक लेकर चिकित्सकों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाने की आवश्यकता है ताकि चिकित्सक अपना काम निर्भीक होकर कर सकें।

राहुल की सदस्यता बहाल होने पर मनाया जश्न

छतरपुर, देशबन्धु। मोदी सरनेम मानहानि केस में रद्द की गई कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी की सदस्यता को सुप्रीम कोर्ट के द्वारा मुख्य अपील के निपटारे तक बहाल किए जाने पर सोमवार को जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा आतिशबाजी करते हुए जश्न मनाया गया। कांग्रेस के जिला प्रवक्ता संतोष तिवारी ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने 2019 के आपराधिक मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सजा पर रोक लगा दी है।

राहुल गांधी को उनकी मोदी सरनेम टिप्पणी पर मानहानि मामले में गुजरात की एक अदालत ने दोषी ठहराया था और उन्हें दो साल जेल की सजा सुनाई थी। जिसके बाद उनकी संसदीय सदस्यता समाप्त हो गई थी। अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले से राहुल गांधी की संसदीय सदस्यता की बहाल होने का रास्ता तो साफ हो गया है और सुप्रीम कोर्ट द्वारा दोषसिद्धि पर रोक, मामले में मुख्य अपील के निपटारे तक बनी रहेगी।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष लखन पटेल ने कहा कि यह अन्याय के खिलाफ न्याय की जीत है, जिस पर हम सभी कार्यकर्ता जश्न मना रहे हैं। कार्यकर्ताओं ने छत्रसाल चौराहे पर जमकर आतिशबाजी की और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। कार्यक्रम में युवक कांग्रेस जिलाध्यक्ष लोकेन्द्र वर्मा, एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष विवेक अग्रवाल, सूर्यप्रताप सिंह, नाजिम चौधरी, सुमित चौरसिया सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मंजरी बुंदेला ने एमडी में हासिल किया दूसरा स्थान

छतरपुर, देशबन्धु। बुंदेलखंड क्षेत्र पूर्व में भले ही वर्षों तक बेटियों की शिक्षा के मामले में पिछड़ा रहा हो लेकिन अब बुंदेलखंड की बेटियां उच्च शिक्षा हासिल कर संपूर्ण बुंदेलखंड को गौरवान्वित कर रही हैं। ऐसा ही कुछ कर दिखाया है पूर्व सांसद एवं पूर्व विधायक स्व. जीतेन्द्र सिंह बुंदेला एवं श्रीमती वंदना सिंह बुंदेला की छोटी पुत्री डॉ. मंजरी बुंदेला ने। उन्होंने इंदौर की श्री अरविंदो यूनिवर्सिटी से एमडी (स्किन स्पेस्लिस्ट) विभाग में द्वितीय स्थान हासिल कर न सिर्फ अपने माता-पिता बल्कि संपूर्ण छतरपुर जिले का नाम रोशन किया है। डॉ. मंजरी बुन्देला की इस उपलब्धि पर उनके शुभचिंतकों, ईष्ट मित्रों सहित छतरपुर के तमाम गणमान्यजनों ने शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। डॉ. मंजरी बुंदेला बताती हैं कि उन्होंने अपने अध्यापन कार्य के प्रति ईमानदारी से मेहनत की, उनका लक्ष्य प्रथम या द्वितीय स्थान प्राप्त करना नहीं था लेकिन उनकी मेहनत के कारण ही उन्हें द्वितीय स्थान मिला है। उन्होंने कहा कि वे इसी तरह से मेहनत जारी रखेंगी ताकि आगे जाकर वे त्वचा रोगों से ग्रसित लोगों की सेवा कर सकें।

ग्राम सलैया में बने असंख्य पार्थिव शिवलिंग

- शिवराज की लंबी उमर की कामना के साथ बहनों ने किया आयोजन

छतरपुर, देशबन्धु। लाड़ली बहना योजना की सौगात मिलने से खुश छतरपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सलैया की बहनों ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की लंबी उमर की कामना करते हुए सावन के सोमवार पर आज असंख्य पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर रूद्राभिषेक किया गया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री श्रीमती ललिता यादव ने विशेष रूप से मौजूद थी। पार्थिव शिवलिंग निर्माण के साथ ही वृदांवन से आई कलाकारों की टीम ने राधाकृष्ण की मनमोहक लीला प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को मोहित कर दिया। पार्थिव शिवलिंग निर्माण में गांव की महिलाओं के साथ ही बड़ी संख्या में पुरूषों ने भी सहभागिता की। तत्पश्चात विधि-विधान से भगवान भोलेनाथ का रूद्राभिषेक किया गया। भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती ललिता यादव सहित सभी ग्रामीण पार्थिव शिवलिंग लेकर गांव के तालाब पहुंचे और उनका विसर्जन किया। गौरतलब है कि लाड़ली बहना योजना की सौगात मिलने से महिलाओं के आग्रह पर पूर्व मंत्री ललिता यादव की अगुवाई में सावन के सोमवार को छतरपुर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर असंख्य पार्थिव शिवलिंग निर्माण कर क्रम लगातार चल रहा है। इस अवसर पर पूर्व मंत्री श्रीमती ललिता यादव ने सभी ग्रामीण भाई-बहनों से प्रदेश की भाजपा सरकार द्वार चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने की अपील की।

जिला अस्पताल की 4 लिफ्ट में से 3 खराब

छतरपुर, देशबन्धु। पिछले दिनों स्वास्थ्य विभाग के जेडी ने जिला अस्पताल का निरीक्षण कर खराब पड़ी लिफ्ट को ठीक कराने के निर्देश अस्पताल प्रबंधन को दिए थे लेकिन अभी तक जिला अस्पताल की लिफ्ट व्यवस्था दुरुस्त नहीं हो सकी है। परिणामस्वरूप जिला अस्पताल में भर्ती ऐसे मरीज जो चलने-फिरने में असमर्थ हैं, उन्हें भारी परेशानी हो रही है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक जिला अस्पताल में मरीजों के लिए लगाई गई 4 लिफ्ट में से 3 खराब पड़ी हुई हैं, सिर्फ 1 लिफ्ट के सहारे काम चल रहा है। लिफ्ट खराब होने के कारण चलने-फिरने में असमर्थ मरीजों के साथ-साथ अस्पताल के ऊपरी हिस्से में भर्ती मरीजों के परिजनों को सीढ़ियों से चढऩा-उतरना पड़ रहा है। परेशान मरीजों तथा उनके परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन और जिला प्रशासन से व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की है।

विधायक की पदयात्रा नौगांव पहुंचेगी आज, तहसील का होगा घेराव

- पूर्व केन्द्रीय मंत्री प्रदीप जैन, पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह आएंगे

महाराजपुर, देशबन्धु। विधानसभा क्षेत्र की जन समस्याओं को लेकर शुरू की गई महाराजपुर विधायक नीरज दीक्षित की पदयात्रा का समापन 8 अगस्त को तहसील के घेराव के साथ होगा। इस मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन एवं पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह नौगांव पहुंचेंगे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार किसान संघर्ष पदयात्रा 8 अगस्त को बिलहरी होते हुए नौगांव पहुंचेगी जहां यात्रा के दौरान क्षेत्रवासियों द्वारा बताई गई समस्याओं को लेकर तहसील का घेराव कर राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा।

यात्रा में पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन, कांग्रेस प्रभारी रुद्र प्रताप सिंह शामिल होंगे जो संपूर्ण नगर में विधायक नीरज दीक्षित के साथ भ्रमण करेंगे। नगर भ्रमण के पश्चात जनपद पंचायत के सामने विशाल सभा का आयोजन किया जाएगा जिसमें पूर्व मंत्रियों और कांग्रेस प्रभारी के अलावा कांग्रेस जिला अध्यक्ष लखन पटेल, विधायक आलोक चतुर्वेदी, कुं. विक्रम सिंह नाती राजा सहित एक दर्जन से अधिक कांग्रेस पदाधिकारी अपने विचार रखेंगे।

खेत में भैंस घुसने पर की मारपीट

छतरपुर, देशबन्धु। जिले के महाराजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम मनकारी में करीब आधा दर्जन लोगों ने खेत में भैंस घुसने की बात से नाराज होकर एक युवक पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले के कारण घायल हुए युवक को जिला अस्पताल लाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। घायल उमाशंकर पुत्र बेनीप्रसाद पटेल निवासी मनकारी ने बताया कि शनिवार को उसकी भैंस चारा खाते-खाते गांव के पटेल परिवार के खेतों में चली गई थी जिससे नाराज होकर पटेल परिवार के पूरन, नीरज, जीवनलाल, रामलाल और द्रोप्ती ने पहले उसके साथ विवाद किया और इसके बाद लात-घूंसों से मारपीट करते हुए कुल्हाड़ी तथा सब्बल से उस पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले के कारण उमाशंकर पटेल बुरी तरह घायल हो गया था। घायल अवस्था में परिजन उसे जिला अस्पताल लाए, जहां उसका इलाज जारी है।

महिला ने अधिक मात्रा में किया नींद की गोलियों का सेवन, मौत

छतरपुर, देशबन्धु। बीती रात मानसिक बीमारी से ग्रसित महिला ने अधिक मात्रा में नींद की गोलियों का सेवन कर लिया, जिससे उसकी मौत हो गई है। मृतिका के पुत्र रामकुमार असाटी निवासी बिजावर ने बताया कि उसकी मां भगवती पत्नी महेश असाटी उम्र 60 वर्ष मानसिक बीमारी से ग्रसित थीं जिस कारण से उन्हें नींद नहीं आती थीं। नींद के लिए उन्हें गोलियों का सेवन करना पड़ता था। बीती रात नींद न आने के कारण भगवती ने सुबह करीब 4 बजे अधिक मात्रा में नींद की गोलियों का सेवन कर लिया, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। परिजन उन्हें जिला अस्पताल लाए थे जहां इलाज के दौरान भगवती की मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

विकास कार्य अधूरे, ग्रामीण नाराज

बकस्वाहा, देशबन्धु। *ब्लॉक अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों में बड़ी तादाद में विकास कार्य अधूरे पड़े हैं जिसके चलते ग्रामीण खासे परेशान हैं। वही गौ संरक्षण की बात करें तो जनपद कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार 39 ग्राम पंचायतों में 26 गौ शालाएं स्वीकृत हैं जिनमें से 15 गौ शालाएं लगभग तैयार हैं वहीं 8 गौ शालाएं संचालित होने की बात कह रहे हैं। वास्तविकता में गौ शालाएं कागजों पर संचालित होती नजर आ रही हैं। 27-27 लाख की लागत से बनाई गईं गौशालाओं में न तो गौवंश के खाने के लिए चारा है न यहां कोई व्यवस्था है। न यहां चौकीदार है और न गौशालाओं में गोवंश के लिए कोई सुविधाएं उपलब्ध हैं ऐसे में जो गौवंश यहां है उनको गांव वाले शाम को इन गौशालाओं में गेट खोल कर अंदर कर देते है और सुबह इन्हें जंगल की ओर रवाना कर देते हैं।*

ये गौशाला ग्राम पंचायत संचालित करती हैं। यहां सुविधा के नाम पर कहें तो सिर्फ बारिश से बचने के लिए टीन शेड है इसके अलावा गौ वंश के लिए कोई सुविधा नहीं है। जिम्मेदार बेखबर है वहीं गौ शालाओं के नियमित संचालन न होने की वजह से आवारा पशुओं ने खेतों का रुख कर लिया है। प्राकृतिक आपदाओं के बाद बची कसर आवारा पशु पूरी कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि आवारा पशुओं की संख्या इतनी बढ़ गई है कि अगर कुछ घंटों के लिए भी खेत सूना रह जाए तो ये आवारा पशु कई एकड़ खेत साफ कर देते है।

वहीं बारिश के मौसम में पशुधन का सडक़ पर हुजूम देखा जाना आम बात है चाहे वो नेशनल हाईवे हो या आसपास के क्षेत्रों के पहुंच मार्ग। इन सडक़ों पर सैकड़ों की तादाद में पशुधन दुर्घटनाओं का शिकार होकर काल के गाल में समा रहे हैं। वही आए दिन राहगीर भी दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं।

अभी हाल ही में कलेक्टर संदीप जीआर ने बकस्वाहा क्षेत्र में फ्रूट फोरेस्ट प्लांटेशन एवं अन्य विकास कार्यों का निरीक्षण के दौरान विभिन्न पंचायतों में अधूरे पड़े विकास कार्यों को देखते हुए चिंता जाहिर की थी। वही विकास कार्यों को गति देने की बात कही है। जनप्रतिनिधि द्वारा बताया गया कि पूर्व की निर्माण एजेंसियों द्वारा निर्माण कार्य से अधिक राशि का आहरण किया गया है जिसके चलते काम रुके हुए है जिस पर कलेक्टर संदीप जीआर ने निर्देश देते हुए निर्माण कार्य का मूल्यांकन करते हुए संबंधित निर्माण एजेंसियों पर कार्यवाही करने की बात कही। साथ ही पड़रिया की गौशाला अधूरी होने पर जनपद सीईओ को जमकर फटकार लगाई थी। मौजूदा इंजीनियर मूलचंद्र लोधी को फटकार लगाते हुए कहा कि जल्द काम पूरा नहीं हुआ तो कार्यवाही करेंगे।

इनका कहना है

आधे से जायदा गोशाला संचालित हो रही है पर अगर ठीक से संचालित नही हो रहीं तो जांच करवाते हैं साथ ही जो पूर्ण नहीं हुई वो जल्द पूर्ण करवाने के निर्देश दिए गए हैं।

हर्ष खरे, सीईओ *जनपद पंचायत बक्स्वाहा*

सागर, मंगलवार 8 अगस्त 2023

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

क्या मोदी राहुल को जवाब दे पायेंगे?

गुजरात की निचली अदालतों एवं वहां की हाईकोर्ट द्वारा एक अवमानना के मामले में सुनाई गई दो साल की सजा पर सुप्रीम कोर्ट की रोक के बाद लोकसभा में राहुल गांधी की सोमवार को वापसी अनेक मायनों में महत्वपूर्ण है। यह एक सांसद की देश की सर्वोच्च विधायिका में लौटना मात्र नहीं है वरन यह जनसामान्य की आवाज़ के संसद में फिर से गूंजने का आश्वासन है। अपने खिलाफ सत्ता समर्थित सारे षड्यंत्रों को परास्त कर राहुल गांधी के जरिये यह निरंकुशता के खिलाफ़ लोकतंत्र की वापसी भी है, जिसके अनेक तात्कालिक व उससे कहीं बढ़कर दूरगामी नतीज़े निकलेंगे।

2019 के मार्च महीने में कर्नाटक की एक चुनावी सभा में दिये एक भाषण के आधार पर करीब साढ़े तीन माह पहले राहुल को गुजरात की कोर्ट में दो साल की सज़ा सुनाई गई थी। जिस आतुरता से उनकी लोकसभा की सदस्यता छिनी गयी और उसी फुर्ती से उनका सरकारी आवास भी खाली कराया गया था, वह हास्यास्पद होने के साथ ही सत्ता पक्ष के भय का प्रदर्शन भी था। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले शुक्रवार को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए राहुल की सज़ा पर न केवल रोक लगा दी वरन गुजरात की अदालतों व वहां की उच्च न्यायालय की न्यायिक प्रक्रिया पर भी गम्भीर सवाल उठाये। दो साल की सजा इस अपराध में अधिकतम है और हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहीं भी यह नहीं बताया कि आखिर अधिकतम अवधि की सजा का औचित्य क्या है। लोग जानते हैं कि संसद की सदस्यता जाने के लिये पूरे दो वर्ष के कारावास की सजा आवश्यक है।

बहरहाल, करीब 136 दिन संसद से बाहर रहकर राहुल जिस प्रकार से भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ जैसे आक्रामक हुए उससे दोनों (मोदी व पार्टी) का और भी नुकसान होने लग गया था। तिस पर राहुल इन दिनों जनता के बीच घूमते रहे। कभी वे मणिपुर के हिंसा पीड़ित लोगों को गले लगाते रहे तो कभी वे सुबह उठकर आजादपुर सब्जी मंडी पहुंच जाते थे। छात्रों, युवाओं आदि के साथ उनकी नज़दीकियां बढ़ती चली गयीं। इतना ही नहीं, पिछले वर्ष की सितम्बर से निकली उनकी चार हजार किलोमीटर की (कन्याकुमारी से कश्मीर) पैदल यात्रा ने न केवल उन्हें नयी छवि प्रदान की बल्कि उनके भाषणों के जरिये मोदी की प्रशासकीय अक्षमता, निरंकुशता और क्रोनी कैपिटलिज्म को बढ़ावा देने वाली नीतियों का भी पर्दाफाश होता चला गया। इसी साल 30 जनवरी को जब उनकी यात्रा श्रीनगर में तिरंगा फहराने के साथ पूरी हुई तो कांग्रेस में न केवल नये प्राण पड़ चुके थे बल्कि देश के तमाम बड़े विपक्षी दल जो लोकतंत्र में भरोसा रखते हैं, उन्होंने भी कांग्रेस के नेतृत्व को स्वीकार कर विपक्षी गठबन्धन बना लिया। इस साल जून में पटना में 15 दलों के साथ प्रारम्भ हुई एकता की कोशिशें 18-19 जुलाई को बेंगलुरु पहुंचते-पहुंचते 2024 में होने जा रहे लोकसभा चुनावों के मद्देनज़र भाजपा के लिये सही मायनों में एक मजबूत गठबन्धन 'इंडिया' के रूप में चुनौती बनकर खड़ी हो गयी।

यहां तक भी शायद मोदी और भाजपा के प्रमुख नेता इस खतरे से इस विचार के साथ निपटने के प्रति निश्चिंत रहे होंगे कि चुनाव में अपने चिर-परिचित एजेंडे यानी सामाजिक ध्रुवीकरण व सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के बल पर गठबन्धन को परास्त कर लिया जायेगा, परन्तु अब जब संसद में राहुल लौट चुके हैं, मोदी और भाजपा पर नये हमले होने लाजिमी हैं। फिर, वे ऐसे वक्त में लौटे हैं जब मोदी के खिलाफ़ लाये गये अविश्वास प्रस्ताव पर मंगलवार व बुधवार को चर्चा होनी है। निश्चित ही ओम बिरला के लिये उनकी सदस्यता बहाली का बहुत कठिन फैसला रहा होगा पर अब सत्ता पक्ष के लिये उनके वार झेलने में निश्चित ही दिक्कत आयेगी क्योंकि राहुल एक विजेता तथा नैतिक रूप से पहले से सशक्त नेता के रूप में संसद में पुनर्प्रवेश कर रहे हैं जबकि भाजपा व सरकार पराजित एवं अपराध भाव से ग्रस्त कुनबे के रूप में दिखेगी। तय है कि राहुल गांधी अविश्वास प्रस्ताव के प्रमुख वक्ता होंगे जिस दौरान वे पुराने मसले अर्थात मोदी एवं उनके कारोबारी मित्र गौतम अदानी के परस्पर संबंधों के साथ मणिपुर व नूंह (मेवात) की हिंसा और जयपुर-मुंबई एक्सप्रेस में मोदी व योगी (उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ) के नाम पर हुए गोली चालन (जिसमें तीन मुस्लिमों व एक मीणा सम्प्रदाय के पुलिस इंस्पेक्टर की मौत हो गयी थी) जैसे ताज़े मामले भी उठायेंगे। जाहिर है कि मोदी के पास इनके कोई जवाब नहीं होंगे। सवाल है कि क्या मोदी पहले से मजबूत होकर लौटे राहुल का सामना लोकसभा में कर पायेंगे या हमेशा की तरह सदन को किसी मंत्री के हवाले छोड़कर निकल लेंगे या फिर शोर-गुल कराकर लोकसभा को बार-बार स्थगित कराएंगे? संसद का सत्र शुक्रवार तक ही चलना है।

इधर सदन से बाहर की बात करें तो इंडिया सतत मजबूत हो रहा है जिसे राहुल की इस कानूनी जीत से बड़ा बल तो मिलेगा ही, कांग्रेस के प्रति जनविश्वास में और भी इज़ाफ़ा होगा जो भाजपा के लिये असली मुसीबत है। कश्मीर के नेता गुलाम नबी आज़ाद के साथ कांग्रेस छोड़कर जाने वाले कई नेता आज लौट आये हैं। मध्यप्रदेश में भी ऐसा ही सियासी मंज़र देखने को मिल रहा है। बेशक, राहुल गांधी की संसद में वापसी को केवल कानूनी जीत के रूप में नहीं देखना चाहिये। यह वापसी भारतीय लोकतंत्र में मील का पत्थर साबित होगी।

अविश्वास प्रस्ताव : इस हार में भी जीत है!

सुप्रीम कोर्ट के मानहानि के मामले में सजा पर रोक लगाने के बाद, राहुल गांधी की लोकसभा में वापसी के लिए, अविश्वास प्रस्ताव पर बहस से उपयुक्त दूसरा मौका नहीं हो सकता था। कहने की जरूरत नहीं है कि राहुल गांधी, अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में यानी विपक्ष की ओर से स्टार-वक्ता होंगे और पिछले सत्र में हिंडनबर्ग रिपोर्ट के बाद, अडानी-मोदी गठजोड़ पर केंद्रित राहुल गांधी के चर्चित लोकसभा भाषण को याद रखें तो, राहुल गांधी के इस बार के भाषण का भी चर्चित होना तय है। यह अनुमान लगाना भी मुश्किल नहीं है कि लोकसभा में अन्य अनेक प्रभावशाली वक्ताओं की भी मौजूदगी के बावजूद, कम से कम मीडिया द्वारा अविश्वास प्रस्ताव की बहस को, "राहुल बनाम मोदी" टीवी बहस में घटाने पूरी कोशिश की जाएगी। कुल मिलाकर इससे अविश्वास प्रस्ताव की इस बहस में जोरदार तड़का लग जाने की उम्मीद की जा सकती है।

इसके बावजूद, इस बहस का मोदी सरकार के बने रहने के लिहाज से क्या नतीजा होगा, यह तो स्वत: स्पष्ट ही है। उलटे, बीजू जनता दल के अविश्वास प्रस्ताव पर बहस में मोदी सरकार को अपना समर्थन देने के ऐलान से यह साफ है कि मोदी राज के प्रबंधकों ने इसका भी पूरा इंतजाम कर लिया होगा कि अगर, इंडिया के मंच पर विपक्ष का उल्लेखनीय रूप से बड़ा हिस्सा अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में एकजुट दिखाई दे, तो दूसरी ओर मोदी सरकार के लिए समर्थन, एनडीए की 2019 के चुनाव में आई संख्या से भी कुछ न कुछ बढ़कर ही दिखाई दे। इसके सहारे और अन्यथा भी, संघ-भाजपा और मुख्यधारा के मीडिया के गठजोड़ द्वारा अविश्वास प्रस्ताव के गिरने को, मोदी राज के लिए जनता के अनुमोदन बल्कि उसकी जीत के रूप में प्रचारित करने की हर संभव-असंभव कोशिश की जाएगी। फिर यह अविश्वास प्रस्ताव क्यों?

इस क्यों के उत्तर के दो महत्वपूर्ण पहलू हैं। पहले का संबंध यह अविश्वास प्रस्ताव लाए जाने की तत्कालीन पृष्ठभूमि से है। सभी जानते हैं कि संसद के मानसून सत्र की शुरूआत, मणिपुर के बहुत ही चिंताजनक घटनाक्रम की पृष्ठभूमि में, विपक्ष द्वारा एकजुट होकर इसकी मांग किए जाने के साथ हुई थी कि सब काम छोड़कर संसद द्वारा इस गंभीर समस्या पर चर्चा की जाए और प्रधानमंत्री के वक्तव्य के आधार पर चर्चा की जाए। प्रधानमंत्री के वक्तव्य के आधार पर चर्चा का आग्रह इसलिए और भी प्रबल था कि ढाई महीने से जारी हिंसा तथा भयावह दरिंदगी और हालात पूरी तरह से शासन के काबू से बाहर बने रहने के बावजूद, प्रधानमंत्री ने इस मामले में पूरी तरह से मौन साधे रहा था। और यह तब था जबकि मणिपुर में यह सब तथाकथित "डबल इंजन" के राज में हो रहा था, जिसके लिए प्रधानमंत्री की सीधे राजनीतिक ही नहीं, प्रशासनिक जवाबदेही भी बनती थी।

बेशक, तब तक ढाई महीने से मणिपुर में जारी अराजकता तथा इथनिक झड़पों के बीच, लगभग शुरूआत में ही हुई दो कुकी आदिवासी महिलाओं के साथ, हमलावर मैतेई भीड़ की दरिंदगी का वीडियो वाइरल हो गया और देश भर को ही नहीं दुनिया भर को इसकी झलक दिखाई दी कि इंटरनैट पर प्रतिबंध तथा मीडिया पर नियंत्रण की दीवार के पीछे मणिपुर में क्या कुछ हुआ था और हो रहा था और यह झलक संसद का सत्र शुरू होने से ऐन पहले सामने आ गया। अब प्रधानमंत्री को भी मणिपुर पर अपना मौनव्रत तोड़ना पड़ा। लेकिन, ढाई महीने बाद भी प्रधानमंत्री मोदी ने मुंह खोला भी तो क्या बोला? उक्त वाइरल दरिंदगी को प्रधानमंत्री ने देश को शर्मिंदा करने वाला तो कहा, पर डबल इंजन सरकार के सुप्रीमो की हैसियत से अपनी तथा अपने राज की विफलता के लिए शर्मिंदगी के किसी एहसास का लेशमात्र भी उनके बोलने में नहीं था। उलटे, प्रधानमंत्री मोदी ने फौरन मणिपुर की दरिंदगी को, छांटकर विपक्ष शासित राजस्थान तथा छत्तीसगढ़ में महिलाओं के खिलाफ हिंसा की समान रूप से क्रूर किंतु सामान्य अपराध की घटनाओं के साथ, जोड़कर बराबरी पर रख दिया, ताकि मणिपुर की बर्बादी के लिए किसी भी जिम्मेदारी से खुद को और अपने डबल इंजन राज को बचा सकें। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री ने न सिर्फ मणिपुर के पूरे घटना विकास पर अपना मौन फिर भी बनाए रखा बल्कि उन्होंने मणिपुर की जनता से शांति की अपील करना और सभी समुदायों को तथा विशेष रूप से अल्पसंख्यकों को उनकी हिफाजत का भरोसा दिलाना तक मंजूर नहीं किया।

राजेंद्र शर्मा

> इसी सब की पृष्ठभूमि में जब यह साफ हो गया है कि प्रधानमंत्री मोदी, मणिपुर के मुद्दे पर संसद में सामान्य रूप से कुछ नहीं बोलेंगे, तब विपक्ष को अविश्वास प्रस्ताव के संसदीय अस्त्र का सहारा लेना पड़ा। जाहिर है कि प्रधानमंत्री को अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के अपने जवाब में तो, इस पूरे मामले में जिम्मेदारी के सवाल पर बोलना ही बोलना था।

और प्रधानमंत्री ने यह बयान भी संसद के अंदर नहीं दिया, जहां इस पर कम से कम चर्चा की गुंजाइश होती। प्रधानमंत्री ने यह बयान दिया, संसद का सत्र शुरू होने से ऐन पहले, पर संसद से बाहर, उसके दरवाजे पर।

इसी सब की पृष्ठभूमि में जब यह साफ हो गया है कि प्रधानमंत्री मोदी, मणिपुर के मुद्दे पर संसद में सामान्य रूप से कुछ नहीं बोलेंगे, तब विपक्ष को अविश्वास प्रस्ताव के संसदीय अस्त्र का सहारा लेना पड़ा। जाहिर है कि प्रधानमंत्री को अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के अपने जवाब में तो, इस पूरे मामले में जिम्मेदारी के सवाल पर बोलना ही बोलना था। दूसरे शब्दों में, जब मणिपुर जैसी गंभीर चुनौती के संदर्भ में वर्तमान सरकार से सवालों के जवाब हासिल करने के दूसरे सामान्य जनतांत्रिक रास्ते बंद कर दिए गए, तब सरकार से जवाब मांगने के अंतिम संसदीय अस्त्र, अविश्वास प्रस्ताव का विपक्ष को सहारा लेना पड़ा। इन सूरते हाल में संसद के सम्मुख सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए अविश्वास प्रस्ताव का सहारा लेना, विपक्ष का सिर्फ अधिकार ही नहीं था, बल्कि उसकी जिम्मेदारी भी थी।

स्वाभाविक रूप से यह सवाल पूछा जा रहा है कि क्या यह सिर्फ प्रधानमंत्री के ईगो का मामला है कि वह संसद में अविश्वास प्रस्ताव या राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के सिवा, मणिपुर के हालात जैसे किसी अत्यधिक गंभीर मसले पर भी, जिस पर उनके राज पर सवाल उठ सकते हों, बोलेंगे ही नहीं? या यह मणिपुर की वर्तमान समस्या को बहुत ज्यादा महत्व न देने का मामला है? बेशक, सच्चाई एक हद तक इन दोनों ही अनुमानों में है, फिर भी सबसे बढ़कर यह वर्तमान निजाम के संसदीय व्यवस्था के सार को ही अस्वीकार करने का मामला है। संसदीय व्यवस्था का सार क्या है? क्या संसदीय व्यवस्था का सार सिर्फ चुनाव है? तब निर्वाचित के निरंकुश शासन और संसदीय जनतंत्र में फर्क ही क्या रह जाएगा?

संसदीय जनतंत्र का सार है, कार्यपालिका की संसद के माध्यम से, जनता के सामने जवाबदेही। प्रधानमंत्री बेशक, संसदीय बहुमत के समर्थन के बल पर कार्यपालिका के शीर्ष पर होता है, लेकिन यह बहुमत भी संसद के समक्ष उसकी जवाबदेही का स्थानापन्न नहीं हो सकता है। संभवत: इसीलिए, यह कहा जाता है कि संसद विपक्ष की होती है क्योंकि उसके जरिए ही विपक्ष, उसकी करनियों-अकरनियों के लिए, कार्यपालिका की और जाहिर है कि इसमें कार्यपालिका के प्रमुख के रूप में प्रधानमंत्री भी आ जाते हैं, जवाबदेही सुनिश्चित करता है। यह जवाबदेही संसदीय जनतंत्र का रोजाना का तकाजा है, जो पांच साल या ऐसी ही किसी अवधि पर होने वाले चुनावों में, किसी तरह जनता का "आशीर्वाद" हासिल कर लेने से पूरा नहीं हो सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी और जाहिर है कि उनके भक्तगण भी, जिस सुर उन्हें चुनाव में बहुमत मिला होने को कुछ भी करने या नहीं करने के लिए वैधता के सर्वोच्च तथा सर्वव्यापी तर्क के रूप में पेश करते नहीं थकते हैं, उससे जाहिर है कि वे प्रधानमंत्री के पद को पांच साल के निरंकुश राज के पट्टे की तरह देखते हैं और संसद के प्रति कार्यपालिका की रोज-रोज की जवाबदेही की व्यवस्था को, एक अनुपयोगी बोझ ही मानते हैं। हैरानी की बात नहीं है कि वर्ष दर वर्ष और सत्र दर सत्र, संसद की बैठकों की संख्या मोदी के राज के नौ वर्षों में कम से कम ही होती चली गई है। वास्तव में यह रुझान, गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के बारह साल के कार्यकाल में भी दर्ज किया गया था।

इसी का हिस्सा है कि मोदी के राज में संसद का चलना सुनिश्चित करने की, सत्तापक्ष की कोई कोशिश ही नहीं होती है, फिर इसके लिए विपक्ष की किसी मांग को एकोमोडेट करने का तो सवाल ही कहां उठता है। अब तो खैर संसद के साथ पराएपन के इस सलूक को उस मुकाम पर पहुंचा दिया गया है, जहां न सिर्फ संसद में बिना किसी बहस के शोर-शराबे के बीच विधायी काम निपटाने की खानापूरी करना ही सत्तापक्ष को ज्यादा सुविधाजनक नजर आता है बल्कि अब तो संसद को ठप्प करने का जिम्मा भी ज्यादा से ज्यादा सत्ता पक्ष ही संभाल रहा है। फर्क सिर्फ इतना है कि जहां बजट सत्र के उत्तरार्द्ध में सत्तापक्ष ने "राहुल गांधी की माफी" की मांग के सहारे संसद को ठप्प किया था, वर्तमान सत्र में यही काम उसने अपनी इस जिद से किया है कि मणिपुर भले ही जलता रहे, प्रधानमंत्री संसद में उसके संबंध में सवालों का जवाब नहीं देंगे। ऐसे में विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव के माध्यम से, सिर्फ मणिपुर के मामले में सरकार से जवाब मांगा जाना ही सुनिश्चित नहीं किया है, आम तौर पर संसद के सामने सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने के हमारी संवैधानिक व्यवस्था के सार को भी एसर्ट किया है। कहने की जरूरत नहीं है कि मौजूदा निजाम में संवैधानिक व्यवस्था के इस सार को उभारे जाने की भारी जरूरत है।

दूसरे, अविश्वास प्रस्ताव में गिनती का नतीजा भले ही मोदीशाही के पक्ष में रहना पहले ही तय हो, पर कुल-मिलाकर यह कसरत सत्तापक्ष को भारी ही पड़ने जा रही है। फिर दुहरा दें कि यह राहुल बनाम मोदी बहस में भारी पड़ने न पड़ने का ही मामला नहीं होगा। इससे कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण यह है नौ साल में पहली बार, इतने बड़े पैमाने पर एकजुट विपक्ष, मोदीशाही के मुकाबला करने के लिए मैदान में उतरेगा। इस लड़ाई से एक-एक मोर्चे पर कामयाबी से विपक्ष जो आत्मविश्वास अर्जित करेगा, वह इस साल के आखिर में होने वाले महत्वपूर्ण विधानसभाई चुनावों के लिए और फिर 2024 के पूर्वार्द्ध में जनादेश के लिए देशव्यापी युद्ध के लिए, विपक्ष के लिए जरूरी प्रैक्टिस का रास्ता बनाएगा। अविश्वास-प्रस्ताव की तयशुदा हार भी, 2024 में मोदीशाही की संभावित हार को ही नजदीक लाएगी।

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

मधुमेह की चपेट में बच्चे

■ **प्रशांत कुमार दुबे**

मध्यप्रदेश में विदिशा जिले के निजी विद्यालय की कक्षा 5 में पढ़ने वाली 9 बरस की रिंकी (परिवर्तित नाम) टाइप-1 डायबिटीज़ से पीड़ित है। वह आज से 3-4 बरस पहले डायबिटीज़ की चपेट में आई। कैसे, यह कोई नहीं जानता। अब रिंकी और उसके परिवार का हर सदस्य बस इतना जानता है कि रिंकी को दिन में 3-4 बार खून में ग्लूकोज का स्तर जांचना है और जरुरत के मुताबिक़ दो-तीन बार इन्सुलिन लेना है। परहेज से तो अब उसका चोली-दामन का साथ हो गया है।

हालांकि रिंकी यह नहीं जानती कि कैसे इस बीमारी ने उसे जकड़ा। इसी तरह उसके मज़दूर पिता और गृहिणी मां को केवल इतना पता है कि उसे शक्कर की बीमारी हो गई है? कैसे हो गई, कब हो गई, उन्हें भी कुछ नहीं पता। आमतौर पर डायबिटीज़ को अमीरों या ख़राब जीवनशैली की बीमारी माना जाता रहा है, लेकिन अब यह बीमारी मजदूर वर्गों तक भी आसानी से पहुंच रही है। रिंकी के पिता बताते हैं कि वे एक बार रिंकी को अस्पताल ले गए थे और वहां पर बताया गया था कि उनकी बेटी को शक्कर की बीमारी है। वे कहते हैं कि हम दोनों को तो यह बीमारी नहीं है और हमारे परिवार का इतिहास हमें पता नहीं। रिंकी के 5 भाई-बहनों में भी अभी केवल रिंकी इस बीमारी की चपेट में है।

भारत इस समय बच्चों में डायबिटीज़ बीमारी के चिंताजनक दौर से गुजर रहा है। 'इंटरनेशनल डायबिटीज फेडरेशन' (आईडीएफ) के 'डायबिटीज एटलस 2021' के आंकड़ों के अनुसार, भारत में 'टाइप-1 डायबिटीज मेलिटस' (टीआईडीएम) से पीड़ित बच्चों और किशोरों की संख्या दुनिया में सबसे ज्यादा है, जिसमें 24 लाख से अधिक बच्चे और किशोर (आयु वर्ग 0-19 वर्ष) तो केवल दक्षिण-पूर्व एशिया में ही हैं। टाइप-1 डायबिटीज से पीड़ित दुनिया का हर पांचवा बच्चा या किशोर भारतीय है। भारत में हर दिन 65 बच्चे या किशोर टाइप-1 डायबिटीज की चपेट में आ रहे हैं। ये कुछ आंकड़े हैं, जो बताते हैं कि भारत में टाइप-1 डायबिटीज कितनी बड़ी समस्या बनती जा रही है। टीआईडी सूचकांक ने अनुमान लगाया है कि अकेले भारत में 8.75 लाख बच्चे और किशोर टीआईडी से पीड़ित हैं और मध्यप्रदेश में रिंकी की तरह ही करीब 32,000 बच्चे डायबिटीज के शिकार हैं।

टाइप-1 डायबिटीज़, बच्चों में सबसे आम है, जो सभी जातीय समूहों के बच्चों में दो तिहाई नए मामलों के लिए जिम्मेदार है। यह 18 वर्ष की आयु तक 350 बच्चों में से एक को होती रही है; लेकिन अब इस घटना के प्रमाण बढ़े हैं, खासकर 5 साल से कम उम्र के बच्चों में। हालांकि टाइप-1 डायबिटीज़ किसी भी उम्र में हो सकती है, लेकिन आम तौर पर 4 साल से 6 साल की उम्र के बीच या 10 साल से 14 साल के बीच इसकी आशंका ज्यादा होती है। रिंकी भी जब इस बीमारी से ग्रसित हुई तब उसकी उम्र 4-5 साल के आसपास रही होगी।

यह विचित्र है कि मध्यप्रदेश में बच्चों में डायबिटीज़ के मामले आदिवासी क्षेत्रों से ही सामने आ रहे हैं। हालांकि मध्यप्रदेश विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूहों (पीवीटीजी), बैगा, भारिया और सहरिया की धरती है जो कि अभी भी पारम्परिक खाद्यान्न और जीवन जीने के लिए पारम्परिक तौर-तरीकों का ही उपयोग करते हैं। वैसे तो मध्यप्रदेश में आदिवासी समुदाय और उनके बच्चों में डायबिटीज़ पर कोई विशिष्ट अध्ययन नहीं हुआ है, लेकिन आदिवासी स्वास्थ्य पर 'अटल बिहारी नीति विश्लेषण एवं सुशासन संस्थान' की रिपोर्ट बताती है कि पिछले दो दशकों में यह प्रमाण ज्यादा मात्रा में मिलना शुरू हुए हैं।

जिस परिस्थिति से रिंकी गुजरती रही है वह है उसके स्तर की जानकारी का अभाव। मानक देखभाल की अनुपस्थिति या व्यवधान उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है और घातक भी हो सकता है। टीआईडीएम के साथ रहने वाले बच्चों और किशोरों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जो अपर्याप्त देखभाल और चिकित्सा सुविधाओं के कारण और भी बदतर हो जाती हैं। रिंकी कहती है कि स्कूल में सब बच्चे, सब कुछ, बहुत कुछ खाते हैं, लेकिन वह सब कुछ नहीं खा सकती। रिंकी को तो बहुत दिन यही समझने में लग गये हैं कि उसे ऐसा क्या हो गया है, जो उसे दूसरों से अलग कर देता है?

> मध्यप्रदेश में बच्चों में डायबिटीज़ के मामले आदिवासी क्षेत्रों से ही सामने आ रहे हैं। हालांकि मध्यप्रदेश विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूहों (पीवीटीजी), बैगा, भारिया और सहरिया की धरती है जो कि अभी भी पारम्परिक खाद्यान्न और जीवन जीने के लिए पारम्परिक तौर-तरीकों का ही उपयोग करते हैं। वैसे तो मध्यप्रदेश में आदिवासी समुदाय और उनके बच्चों में डायबिटीज़ पर कोई विशिष्ट अध्ययन नहीं हुआ है।

रिंकी जैसे बच्चों की परेशानियों को ध्यान में रखते हुए ही 'राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग' ने मार्च 2023 में ही राज्यों को एक पत्र लिखकर कहा कि चूंकि बच्चे दिन का एक तिहाई हिस्सा स्कूल में बिताते हैं, इसलिए यह सुनिश्चित करना स्कूलों का कर्तव्य है कि टीआईडीएम वाले बच्चों को उचित देखभाल और आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जाएं। आयोग ने कहा कि राज्य सरकारें यह सुनिश्चित करें कि टाइप-1 डायबिटीज़ वाले बच्चे को स्कूल में चिकित्सक की सलाह पर रक्त शर्करा की जांच करने, इंसुलिन का इंजेक्शन लगाने, मध्यान्ह भोजन या नाश्ता करने या अन्य देखभाल करने की आवश्यकता हो सकती है और कक्षा शिक्षक द्वारा ऐसा करने की अनुमति दी जानी चाहिए। आयोग ने यह भी लिखा कि बच्चा चिकित्सक की सलाह के अनुसार खेलों में भाग ले सकता है।

मध्यप्रदेश में रिंकी अभी तक तो इन सभी सुविधाओं से वंचित है, क्योंकि अभी तक राज्य सरकार ने इस मामले में कोई भी ठोस पहल नहीं की है। आयोग के पत्र का राज्य सरकार ने अपनी ओर से जवाब बनाकर अवश्य भेज दिया है, जिसमें जिलेवार संख्या बताई गई है। एनसीडी प्रोग्राम की प्रभारी डिप्टी डायरेक्टर डॉ.नमिता नीलकंठ ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग ने अभी तक तो इस संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग को कोई भी आधिकारिक पत्र नहीं लिखा है। ऐसे में रिंकी जिस स्कूल में पढ़ती हैं वहां उसको और उस जैसे बच्चों को ये सुविधायें मिलने में अभी और वक्त लगेगा। हालांकि उत्तरप्रदेश सरकार ने हाल ही में इस तरह के आदेश कर दिए हैं।

मध्यप्रदेश सरकार को बच्चों की डायबिटीज़ के मामले में पृथक नीतिगत पहल करने की आवश्यकता है। मध्यप्रदेश की मौजूदा स्वास्थ्य नीति, जो कि अभी भी प्रारूप ही है, में भी डायबिटीज़ अभी कोई ख़ास स्थान नहीं ले पाई है। केवल एक जगह इसका संदर्भ मिलता है। ऐसे में बच्चों की डायबिटीज़ पर सरकार की दृष्टि कब पड़ेगी, यह देखना काबिल-ए-गौर है। यह चुनावी साल है और ऐसे में मध्यप्रदेश में शिवराज सरकार चाहे तो बच्चों के स्वास्थ्य के नज़रिए से महत्वपूर्ण इस विषय पर संज्ञान ले सकती है। नहीं तो रिंकी और उसकी तरह हजारों बच्चे, जो कि पहले से ही डायबिटीज़ से पीड़ित हैं, सरकारी अवहेलना से भी पीड़ित नज़र आयेंगे।

(उन्होंने यह लेख 'रीच फेलोशिप' के तहत लिखा है।)

(लेखक भोपाल स्थित 'आवाज' संस्था से जुड़े हैं।)

पावन प्रसंग

जहां चाह वहां राह निकल आती है

परमात्मा ने सभी को एक से शारीरिक अंग-प्रत्यंग दिए हैं। यदि मनुष्य इनका उचित रूप से प्रयोग करे, तो कोई कारण नहीं कि जीवन क्षेत्र में अभीष्ट सफलता प्राप्त न हो सके। मनुष्य जिस प्रकार की इच्छा और आकांक्षा करता है, वैसी ही परिस्थितियां उसके निकट एकत्रित होने लगती हैं। आकांक्षा एक प्रकार की चुंबकीय शक्ति है, जिसके आकर्षण से अनुकूल परिस्थितियां खिंची चली आती हैं। जहां गड्ढा होता है, वहां चारों ओर से वर्षा का जल सिमट आता है और वह गड्ढा भर जाता है। किंतु जहां ऊंचा टीला होता, वहां भारी वर्षा होने पर भी पानी नहीं ठहरता। आकांक्षा एक प्रकार का गड्ढा है जहां सब ओर से अनुकूल स्थितियां खिंच-खिंचकर एकत्रित होने लगती है, जहां इच्छा नहीं, वहां कितने ही अनुकूल साधन मौजूद हों, पर कोई महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त नहीं होती।

संसार के इतिहास को उलटिए महापुरुष गरीबों के घर में पैदा हुए व्यक्ति ही मिलेंगे। देखा गया है कि गरीबों के घर के लड़के बड़ी-बड़ी उन्नतियां कर जाते हैं। अमीरों के लड़के ऐशोआराम की सामग्री सुगमतापूर्वक मिल जाने के कारण उनकी रूचि सुख भोगने में ही रह जाती है। किसी दिशा में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त करने की तीव्र अभिलाषा प्राय: उनमें नहीं होती। अभिलाषा के बिना पौरुष जाग्रत नहीं होता और पुरुषार्थ के बिना कोई महत्वपूर्ण सफलता कठिन है। गरीबों के लड़के अभावग्रस्त स्थिति में पैदा होते हैं, अपनी हीनता और दूसरों की उन्नति देखकर अंत:करण में एक आघात लगता है। इस आघात के कारण उनमें एक हलचल, बेचैनी उत्पन्न होती। उस बेचैनी को शांत करने के लिए वे उन्नत अवस्था में पहुंचने की आकांक्षा करते हैं। यह आकांक्षा ही उस, मार्ग पर ले दौड़ती है, जिस पर चलते हुए महत्वपूर्ण सफलताएं प्राप्त हुआ करती हैं।

गरीबी या अमीरी के साथ उन्नति की असफलता या संबंध जोड़ने का नहीं है। हमारा अभिप्राय केवल यह बताने का है कि जहां जिस वातावरण में इच्छा की, आकांक्षा की कमी रहेगी, वहां विभूतियां प्राप्त न हो सकेगी। जहां इच्छा होगी, अभिरुचि होगी; वहां पैसो का, साधनों का, सहयोग का अभाव भले ही हो, पर धीरे-धीरे अनुकूल वातावरण उत्पन्न हो जाएगा और गौरवास्पद सिद्धि मिलकर रहेगी। यदि संपन्न घर के व्यक्ति को किसी बात की उत्कट अभिलाषा हो, तब तो सोना और सुगंध का संयोग ही समझिए। गरीबों को उन्नति के लिए जिन साधनों को जुटाने में पर्याप्त परिश्रम करना पड़ता है, वे तो अमीरों को अनायास ही प्राप्त हुए होते हैं। इसलिए उनके लिए तो आगे बढ़ने में और भी अधिक आसानी होनी चाहिए।

मन में जो इच्छा प्रधानरूप से काम करती है, उसे पूरा करने के लिए शरीर की समस्त शक्तियां काम करने लगती हैं। निर्णय शक्ति, निरीक्षण शक्ति, अन्वेषण शक्ति, आकर्षण शक्ति, चिंतन शक्ति, कल्पना शक्ति आदि मस्तिष्क की अनेक शक्तियां उसी दिशा में अपना प्रयत्न आरंभ कर देती है. ये शक्तियां जहां सुप्तावस्था में पड़ी होती हैं या विभिन्न दिशाओं में बिखरी रहती हैं, तब मनुष्य की स्थिति अस्त-व्यस्त एवं नगण्य होती हैं, परंतु जब वे शक्तियां एक ही दिशा में कार्य करना आरंभ कर देती हैं तो एक जीवित चुंबकत्व तैयार हो जाता है। जैसे चुंबक पत्थर को कूड़े-कचरे में भी फिराया जाए तो धातुओं के जो टुकड़े इधर-उधर बिखर रहे होंगे, वे सब उससे चिपक जाएंगे। इस प्रकार विशिष्ट आकांक्षाएं मन में धारण किए हुए व्यक्ति अपनी आकर्षण शक्ति से उन सब तत्वों को ढूंढता और प्राप्त करता रहता है, जो लघु कणों के रूप में जहां-तहां बिखरे पड़े होते हैं। जब किसी बात की तीव्र इच्छा होती है पूर्ण करने के लिए साधनों की तलाश आरंभ होती है। अत: कोई न कोई उपाय निकल ही पड़ते हैं। आवश्यकता आविष्कार की जननी है। जहां चाह होती है वहां राह निकल आती है।

युग निर्माण योजना

आपके पत्र

शिक्षा को रोजगारपरक बनाने की आवश्यकता

सेन्टर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनामी की जनवरी 2023 में जारी रिपोर्ट के अनुसार भारत में दिसम्बर 2021 तक बेरोजगारों की संख्या 5.3 करोड़ है, जिसमें 3.5 करोड़ लगातार काम खेज रहे हैं। भारत में रोजगार मिलने की दर बहुत कम है। ग्रामीण इलाकों में बेरोजगारी दर में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। जून, 2023 में यह 8.45 फीसदी के पार हो गई जबकि मई, 2023 में यह 7.68 फीसदी पर था। रोजगार सभी की जरूरत है। अधिकांश शिक्षित होकर रोजगार की तलाश में भटक रहे हैं। इनमें कुछ तो नौकरी को प्राप्त कर लेते हैं परंतु अधिकांश इससे वंचित ही रह जाते हैं। जीवन में भोजन, कपड़ा व मकान सभी की जरूरत है। जिसका गुजारा रोजगार के बिना मुमकिन नहीं है। रोजगार से सिर्फ धन ही नहीं कमाया जाता है बल्कि प्रगति करने के मौके भी मिलते हैं। रोजगार हमें ज्ञान के साथ-साथ अपने क्षेत्र में कामयाब कैसे हो सकते हैं? यह भी सिखाता है।

वर्तमान समय में शिक्षा के बाद उसी क्षेत्र में नौकरी करने वालों की संख्या न के बराबर होती है। अक्सर मनुष्य को अपने क्षेत्र से अलग क्षेत्रों में कार्य करना पड़ता है। वर्तमान समय में शिक्षा को रोजगार से जोड़ा जाता है। जो व्यक्ति जितना अधिक शिक्षित या अनुभवी होता है नौकरी में उसका महत्व उतना ही अधिक होता है। लेकिन शहरों की अपेक्षा देश के ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का स्तर आज भी बहुत खराब है। गांवों में न तो ढंग का स्कूल है और न ही उसमें बुनियादी सुविधाएं। यदि कुछ स्कूलों में होती भी है तो शिक्षक नियमित रूप से नहीं आते हैं। यदि सब कुछ सही होता है तो जागरूकता और शिक्षा के महत्व से अनजान अभिभावक अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेजते हैं। जबकि कुछ अभिभावक इन समस्याओं के कारण अपने बच्चों को शहरों के स्कूलों में पढ़ाने के लिए मजबूर हो जाते हैं, लेकिन जो अभिभावक आर्थिक रूप से सक्षम नहीं होते हैं, उनके बच्चों को उन्हीं स्कूलों में पढ़ने की मज़बूरी होती है। इसका सबसे अधिक नुकसान किशोरियों को होता है जो पढ़ना तो चाहती हैं लेकिन शिक्षा की जर्जर व्यवस्था की उनके सपनों को तोड़ देता है।

पर्वतीय क्षेत्रों में शिक्षा के संसाधनों व जागरूकता की कमी पर अपने विचार रखते हुए खीमानन्द इंटर कॉलेज, सेलालेख के प्रधानाचार्य मोहनचन्द्र मेलकानी बताते हैं कि पर्वतीय क्षेत्रों में परिवार उच्च शिक्षा के महत्व से अछूते हैं। उनका ध्यान बच्चों की उच्च शिक्षा पर न होकर घर की आर्थिक स्थिति सुधारने में अधिक होता है। अत: इंटर की शिक्षा के बाद उच्च शिक्षा के स्थान पर प्राइवेट नौकरी के लिए बच्चों को बाहर निकलने का दबाव बनाया जाता है जिससे उनका पूरा ध्यान पैसा कमाने पर केन्द्रित हो जाता है और वह उच्च शिक्षा से वंचित होकर होटलों, दुकानों, फैक्ट्रियों व कंपनियों में मामूली सी तनख्वाह पर काम करने लग जाते हैं। दूसरी तरफ उच्च व तकनीकी शिक्षा इतनी महंगी भी हो गई है कि ग्रामीण समुदाय इस शिक्षा को अपने बच्चों को दिला पाने में सक्षम भी नहीं है।

ज़्यादातर युवा केवल डिग्री लेने के उद्देश्य से एडमिशन लेते हैं। किस विषय को लेने से रोज़गार प्राप्त करने में आसानी होगी, यह न तो छात्र जानते हैं और न ही उनके अभिभावक को पता होता है। ऐसे समय में उनका कोई मार्गदर्शन करने वाला भी नहीं होता है। जागरूकता की कमी के चलते भी पर्वतीय समुदाय के युवा रोजगार से वंचित रहते हैं। जबकि अभ्यर्थी की जिस विषय में रूचि हो, उन्हें इसकी विस्तृत जानकारी लेनी चाहिए। प्रो सिंह कहते हैं कि सरकार द्वारा युवा वर्ग को प्रशिक्षित करने के लिए कई सकारात्मक योजनाएं चलाई जा रही हैं जिनका सफल परिणाम भी देखने को मिला है। आईटीआई के प्लेसमेंट्स में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। अधिकतर ग्रामीण प्रतिभाएं विशेषकर मध्यम वर्गीय परिवार के बच्चे आगे नहीं बढ़ पाते हैं। इस पर शासन, प्रशासन व राजनीतिक दलों को गंभीरता से सोचना होगा। साथ ही व्यावसायिक प्रशिक्षण और कौशल विकास को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। डिजिटल मंच रोजगार शिक्षा को दिये जाने का सशक्त माध्यम है। जिसका लाभ उठाने की ज़रूरत है।

गिरीश बिष्ट, रुद्रपुर उत्तराखंड

कलेक्टर की अध्यक्षता में हुई टीएल बैठक

महत्वाकांक्षी योजनाओं में लक्षित वर्ग को समयावधि में लाभांवित करने के दिए निर्देश

पन्ना, देशबन्धु। सभी शासकीय योजनाओं में लक्षित वर्ग के हितग्राहियों को समय सीमा में लाभांवित किया जाए। विभागीय अधिकारी निर्धारित भ्रमण कार्यक्रम अनुसार निरंतर फील्ड विजिट कर कार्यों की मॉनिटरिंग व गुणवत्ता सुनिश्चित करें। शासन की प्राथमिकता वाली महत्वाकांक्षी योजनाओं में तत्परतापूर्वक कार्यवाही अपेक्षित है। कलेक्टर हरजिंदर सिंह ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक के मौके पर अधिकारियों को उक्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लोक सेवा गारंटी में अधिसूचित सेवाओं का लाभ नागरिकों को समय पर मिले। संबंधित अधिकारी निश्चित समय सीमा में प्रकरण के निराकरण के लिए प्रयास करें। अधिकारी स्वयं विश्लेषण कर रूचि के साथ अधिसूचित सेवाओं का लाभ प्रदान करने की कार्यवाही करें। इसी तरह मुख्यमंत्री निवास कार्यालय से प्राप्त और गत 22 मई को मुख्यमंत्री के पन्ना भ्रमण के दौरान प्राप्त आवेदनों का निराकरण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। 14 अगस्त तक संचालित होने वाले विकास पर्व के लिए लोकार्पण व शिलान्यास के कार्यक्रमों की निर्धारित कार्ययोजना अनुसार कार्यवाही की जाए। टीएल पत्रों और सीएम हेल्पलाइन में निम्न प्रदर्शन वाले विभागों के अधिकारियों को अपेक्षित प्रगति लाने के निर्देश भी दिए।

एक सप्ताह में तैयार करें राहत राशि के प्रकरण : कलेक्टर ने कहा कि अतिवर्षा के कारण मकान व फसल क्षति के मामलों में राहत राशि वितरण के लिए एक सप्ताह में प्रकरण तैयार करें। उन्होंने जीर्ण शीर्ण शासकीय भवनों का निर्धारित प्रक्रिया अनुसार डिस्मेंटल कराने की कार्यवाही के लिए भी निर्देशित किया। साथ ही आगामी 10 अगस्त को लाड़ली बहना योजना की तीसरी किस्त राशि वितरण के कार्यक्रम के संबंध में आवश्यक कार्यवाही, योजना में भुगतान से शेष महिलाओं के मामलों में आवश्यक निराकरण और फील्ड लेवल पर मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। इसी तरह आजादी के अमृत महोत्सव के समापन अवसर पर 9 से 30 अगस्त तक संचालित होने वाले मेरी माटी मेरा देश अभियान अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों के लिए स्थल चयन, 13 अगस्त को मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना तथा 23 अगस्त को मेधावी विद्यार्थियों को स्कूटी वितरण के कार्यक्रम के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में वर्चुअली शामिल हुए सभी एसडीएम और जनपद पंचायत सीईओ को अपने क्षेत्र में अधीनस्थ अधिकारी कर्मचारियों के साथ कार्यों के रिव्यू और योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित करवाने के लिए कहा।

उन्होंने कहा कि निर्माण विभागों के अधिकारी जिम्मेदारी के साथ गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित कराएं। निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें। साथ ही निर्धारित शर्त अनुसार निर्माण कार्यों की पूर्णता का समयबद्ध तरीके से पालन कराएं। समय पर निर्माण कार्य की प्रशासकीय स्वीकृति जारी करने की कार्यवाही के लिए कहा। विधानसभा चुनाव के दृष्टिगत गंभीरता पूर्वक चुनाव प्रशिक्षण प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सौंपी गई निर्वाचन जिम्मेदारियों के संबंध में भी जानकारी ली। स्वीप प्लान और चुनाव कार्यक्रम की घोषणा उपरांत 24 घण्टे के भीतर की जाने वाली कार्यवाही के संबंध में भी चर्चा की गई। 12 अगस्त को सागर में संत रविदास मंदिर के भूमिपूजन कार्यक्रम में जिले से जाने वाले लोगों के लिए आवागमन व्यवस्था, जिला सेनानी होमगार्ड से आपदा राहत बल के डिप्लायमेंट और उपकरणों तथा सामग्री की उपलब्धता के बारे में जानकारी लेकर नियमित अंतराल पर मॉकड्रिल के लिए भी निर्देशित किया।

प्रतिमाह पीपीओ वितरण के लगाएं शिविर : कलेक्टर ने कहा कि प्रतिमाह सेवानिवृत्त होने वाले शासकीय सेवकों को समय पर सभी स्वत्वों का भुगतान सुनिश्चित किया जाए। जिला पेंशन अधिकारी को प्रतिमाह अंतिम कार्यदिवस पर सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को पीपीओ वितरण शिविर लगाने के निर्देश दिए। किसी भी सेवानिवृत्त शासकीय सेवक को पेंशन प्राप्त करने में दिक्कत का सामना न करना पड़े। सहायक श्रम पदाधिकारी को कर्मकार कल्याण मण्डल अंतर्गत पंजीयन के लिए सभी श्रमिक वर्ग से संपर्क करने के निर्देश भी दिए। सीएमओ को प्रतिदिन सुबह लोगों की गतिविधियां प्रारंभ होने के पूर्व शहर की सफाई व्यवस्था के संबंध में निर्देशित किया गया। बैठक में अंतर्विभागीय विषयों पर भी चर्चा की गई। जिला पंचायत सीईओ संघ प्रिय, अपर कलेक्टर नीलाम्बर मिश्र सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मंदिर परिसर के कुए मे महिला ने कूंदकर दी जान, शव बरामद

पन्ना, देशबन्धु। नगर के ऐतिहासिक श्री जगदीश स्वामी मंदिर के अन्दर बनें कुये में एक महिला ने कूंदकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। महिला के शव को एसडीआरएफ की टीम द्वारा रेस्क्यू करके बाहर निकाला गया है। जानकारी के अनुसार कटरा मोहल्ला निवासी रामकुमार रजक की बहू तथा दीपक रजक की पत्नी धारणा रजक है। जिसका शव बरामद किया गया है, बताया जाता है कि उसका विवाह दीपक रजक के साथ हुआ था शादी के कुछ दिन बाद से दोनो पति पत्नी में विवाद चल रहा था तथा मामला न्यायालय में पंहुच गया था। बताया जा रहा है कि मृतिका एक दिन पहले ससुराल आई हुई थी तथा वह घर से 11 बजे निकली थी तथा शाम को 5 बजे कुये में उसका शव तैरने की जानकारी मिली। स्थानीय लोगो ने कोतवाली पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस घटना स्थल पंहुची तथा शव को बाहर निकलवा कर पंचनामा बनाया गया। फिलहाल किन कारणो के चलतें महिला ने कुये में कूदकर आत्महत्या की है यह अभी जांच का विषय है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की विवेचना की जा रही है।

ट्रैक्टर की टक्कर से आटो पल्टा एक दर्जन सवारी घायल

पन्ना, देशबन्धु। जिले के शाहनगर थाना अन्तर्गत हरवंशपुरा के पास तेज रफ्तार टैक्टर ने आटो चालक को टक्कर मार दी। जिसके चलते आटो पलट गया तथा उसमे सवार एक दर्जन मजदूर घायल हो गये। जिसकी सूचना शाहनगर पुलिस को दी गई। पुलिस ने घायलो को स्वास्थ केन्द्र भेजा। जहां पर स्वास्थ केन्द्र मे उनका इलाज चल रहा है। बताया जाता है कि उक्त सभी मजदूर आटो से जा रहे थें। उसी दौरान यह घटना घटित हुई थी।

विद्युत पेंशनर्स हितरक्षक संघ की बैठक 11 को

पन्ना, देशबन्धु। विद्युत पेंशनर्स हितरक्षक संघ की बैठक पूर्व में 15 अगस्त को निर्धारित की गई थी। लेकिन उक्त बैठक मे संसोधित करते हुए 11 अगस्त को आयोजित की जायेगी। संगठन के सचिव एसपी जडिया ने बताया कि बैठक 11 बजे कैंपिंग हाउस पन्ना में आयोजित की गई है। समस्त पेंशनर्स साथियों से उपस्थित होने का अनुरोध किया है।

विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण शिविर 10 अगस्त को

पन्ना, देशबन्धु। मप्र पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी संभाग पन्ना कार्यालय द्वारा 10 अगस्त को पन्ना शहर वितरण केन्द्र धरमसागर में जिला स्तरीय विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण शिविर आयोजित किया गया है। दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक आयोजित होने वाले इस शिविर में विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम के अध्यक्ष व सदस्य भी उपस्थित रहेंगे। कार्यपालन यंत्री प्रशांत वैद्य ने विद्युत उपभोक्ताओं से शिविर में अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर बिजली बिल, मीटर, लाइन और अन्य विद्युत संबंधी शिकायतों का त्वरित निराकरण कराने का आग्रह किया है।

आदिवासियों ने खुटा गाड़ो अभियान चलाकर पट्टे की मांग

पन्ना, देशबन्धु। 6 अगस्त को ग्राम पंचायत कोठी ग्राम दमुइया में खूंटा गाड़ो आंदोलन किया गया यह कार्यक्रम आदिवासी बनवासी जल जंगल जमीन जिन लोगों के जमीन के पट्टे नहीं बने हैं और 2005 से काबिज हैं जिसमें खुटा गाड़ो अभियान चलाकर आदिवासियो के जमीन पट्टे की मांग की जा रही आदिवासी क्रांतिकारी ग्राम विकास संगठन के लोगों ने कहा हमारा अभियान जब तक चलेगा जब तक आदिवासी वनवासी की जमीन के पट्टे नहीं बनेंगे, कार्यक्रम में शामिल रिटायर्ड एसडीओ जवाहर लाल कुशवाहा मप्र किसान कांग्रेस प्रदेश महामंत्री ने कहा कि हमारे आदिवासी भाई 2005 से काबिज हैं इनके अभी तक पट्टी नहीं मिले हैं सरकार से हमारी मांग है कि इनके पट्टे दिए जाएं जब तक पट्टे नहीं बनते खुटा गाड़ो कार्यक्रम हमारा चलता रहेगा और ज्ञापन भी सौंपा जाएगा।

कार्यक्रम में कड़ना से दमुइया से एवं शाहनगर पवई ब्लॉक के समस्त संगठन साथी मुख्य अतिथि रिटायर्ड एसडीओ जवाहर लाल, युवा महेंद्र पटेल, नबी मोहम्मद, साजन सिंह, भोले अनंतराम राजबहादुर, सुखलाल, गर्जन सभी आदिवासी व गांव वाले शामिल रहे।

नामावली का अंतिम प्रकाशन 4 अक्टूबर को होगा: कलेक्टर

भोपाल, देशबन्धु। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा फोटो निर्वाचक नामावली द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 29 सितम्बर तक चलेगा। नामावली का अंतिम प्रकाशन 4 अक्टूबर को होगा। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त विभिन्न राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों की उपस्थिति में स्टेडिंग कमेटी की बैठक गत दिवस कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्पन्न हुई।

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि एकजाई प्रारूप निर्वाचक नामावली का प्रकाशन 2 अगस्त को हो गया है। 31 अगस्त तक दावे-आपत्ति दर्ज कराई जायेंगी। विशेष कैम्पों का आयोजन 12,13,19 और 20 अगस्त को होगा। 22 सितम्बर को दावे-आपत्तियों का निराकरण एवं 4 अक्टूबर को निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन किया जायेगा। इस प्रकाशन पर ही आगामी विधानसभा निर्वाचन होंगे। कलेक्टर ने कहा कि 1 अक्टूबर 2023 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे मतदाता के नाम अवश्य जुड़ना चाहिये। किसी भी मतदाता का नाम मतदाता सूची से छूटना नहीं चाहिये। कलेक्टर ने बताया कि जनवरी 2023 की स्थिति में भोपाल जिले में कुल 20 लाख 8 हजार 570 मतदाता है। इनमें बैरसिया विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 35 हजार 446, भोपाल उत्तर में 2 लाख 38 हजार 444,नरेला में 3 लाख 37 हजार 394, भोपाल दक्षिण-पश्चिम में 2 लाख 26 हजार 863,भोपाल मध्य में 2 लाख 39 हजार 925, गोविन्दपुरा विधानसभा क्षेत्र में 3 लाख 78 हजार 881 मतदाता और हुजूर विधानसभा क्षेत्र में 3 लाख 51 हजार 617 मतदाता है। कलेक्टर ने बताया कि जिले की 7 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 2034 मतदान केन्द्र बनाये गये है । जिसमें बैरसिया विधानसभा क्षेत्र में 270,भोपाल उत्तर में 246,नरेला में 330,भोपाल दक्षिण पश्चिम में 233, भोपाल मध्य में 243,गोविन्दपुरा विधानसभा में 369 और हुजूर विधानसभा क्षेत्र में 343 मतदान केन्द्र है।

अब हमीदिया अस्पताल से गुम हुआ भर्ती मरीज

परिजन बोले प्रबंधन नहीं कर रहा मदद

भोपाल, देशबन्धु। *हमीदिया अस्पताल में भर्ती किया गया एक मरीज गुम हो गया है। परिजन दो दिन से उन्हें पूरे अस्पताल परिसर में खोज रहे हैं। तमाम विभागों के उन सभी वार्डों में एक-एक पलंग पर जाकर देखा जहां उनके होने की उम्मीद थी। लेकिन, मरीज का कहीं कोई पता ही नहीं लग पा रहा है। परिजनों की परेशानी यह है कि अस्पताल प्रबंधन की ओर से कोई मदद नहीं की जा रही है। नका कहना है कि यदि सीसीटीवी कैमरे देखे जाएं तो मरीज का कुछ सुराग लग सकता है, लेकिन बार बार मिन्नतें करने के बाद भी कोई जिम्मेदार मदद करने को तैयार ही नहीं है।*

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कमला नगर इलाके में रहने वाले 38 वर्षीय पप्पू ठाकुर को करीब सात दिन पहले किसी ने हमीदिया अस्पताल पहुंचाया था। बोलने-सुनने में असमर्थ पप्पू को यहां वार्ड क्रमांक सात में भर्ती रखा गया था। लेकिन, उनकी पहचान ही नहीं हो पाई थी। ऐसे में सामाजिक कार्यकर्ता ने उसके परिजनों को तलाशने के लिए उनकी तस्वीर तीन अगस्त को इंटरनेट मीडिया पर साझा की थी। इसके बाद शनिवार को पप्पू की पत्नी मालती ठाकुर ने सामाजिक कार्यकर्ता से संपर्क किया। तब उन्हें बताया गया पप्पू ठाकुर हमीदिया अस्पताल के वार्ड क्रमांक सात में भर्ती है। इस पर मालती पति की तलाश में हमीदिया अस्पताल पहुंची, लेकिन पति वहां नहीं मिले। दिनभर पूरे अस्पताल परिसर में पति की तलाश की, लेकिन कोई पता नहीं चला। इस बीच उन्होंने अस्पताल के जिम्मेदारों से पूछताछ की तो कोई बताने को तैयार नहीं है। परिजन रविवार को भी पप्पू को तलाश करने अस्पताल पहुंचे लेकिन कोई कुछ भी बता ही नहीं रहा है। मालती ने बताया कि उनके पति ने पप्पू ठाकुर 27 जून को बिना बताए घर से गए और लौटकर नहीं आए। 29 जून को इसकी सूचना कमला नगर थाना पुलिस को दी थी। ऐसे में कमला नगर थाने में पप्पू की गुमशुदगी दर्ज है।

इनका कहना है

मेरे पति हमीदिया अस्पताल से गायब हुए हैं। सुरक्षा कर्मी ने कहा कि हमारी गाड़ी बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन छोड़ने जाती है, वहां जाकर देखो। वहां भी तलाशा लेकिन कुछ पता नहीं चला। अस्पताल वाले सीसीटीवी कैमरे नहीं दिखा रहे, उससे पता चल सकता है।

मालती ठाकुर, *गुम हुए मरीज की पत्नी*

मरीज कई बार बिना बताएं अस्पताल से बाहर चले जाते हैं। उनको लामा कर दिया जाता है, लेकिन इस मामले में जानकारी नहीं है। मरीज के परिजनों की हर संभव मदद करेंगे।

डा. आशीष गोहिया, *अधीक्षक हमीदिया अस्पताल*

निःशुल्क भगवा झण्डा वितरण आज से

संत हिरदाराम नगर, देशबन्धु। बजरंग सेना समिति के अध्यक्ष कमलेश देवानी ने बताया कि 7 से 14 तक तुलसी के साथ-साथ निःशुल्क भगवा झण्डा भेंट किये जाएगे।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम RAJESH JAIN था। वर्तमान में मेरा नाम RAJESH CHHATPURIA हो गया है। अब मुझे RAJESH CHHATPURIA के नाम ही लिखा पढ़ा व जाना जावें।

RAJESH CHHATPURIA
140/1 SHASTRI SADAK OFFICER COLONY, NEHRU WARD, KHURAI, SAGAR (M.P.) 470117

मिशन इंद्रधनुष अभियान आज से

भोपाल, देशबन्धु। भारत सरकार के निर्देश अनुसार जिले में सघन मिशन इन्द्र धनुष अभियान 5.0 7 अगस्त से प्रारंभ किया जाएगा। इस अभियान के तहत टीकाकरण से वंचित एवं छूटे हुए 5 वर्ष तक के बच्चे एवं गर्भवती महिलाओं का हैड काउंट सर्वे करवाकर उन्हें टीकाकृत किया जाएगा। मिशन इंद्रधनुष अभियान तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा। प्रथम चरण 07 से 12 अगस्त तक, द्वितीय चरण 11 से 16 सितम्बर तक, तृतीय चरण 9 से 14 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा।

नुक्कड़ नाटक से दिया सड़क सुरक्षा का संदेश

भोपाल, देशबन्धु। सफर में भले ही देर हो जाए मगर हेलमेट जरूरी है, दुर्घटना से देर भली, वाहन की गति हमेशा कम रखें और शराब पीकर कभी गाड़ी नहीं चलाएं, यह संदेश रविवार को डीबी मॉल में नुक्कड़ नाटक में देखने को मिले। मौका था इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन मध्य प्रदेश चैप्टर और भोपाल ऑर्थोपेडिक सर्जन सोसाइटी की और से बोर्न एंड ज्वाइंट वीक का। इस दौरान गांधी मेडिकल कालेज (जीएमसी) के विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक पेश किया। इसमें 29 कलाकारों ने भाग लिया और बताया कि किस तरह से वह हादसों से बचें और हादसे होने के बाद वह थोड़ी सी सूझबूझ से किसी की जिंदगी बच सकते हैं। इस मौके पर यहां मौजूद जीएमसी अस्थि रोग विभाग के प्रधायपक डॉ.सुनीत टंडन ने बताया कि हमने सड़क सुरक्षा के संबंध में दो तरह से लोगों को संदेश दिया।

इसमें हमने बताया कि अगर कोई हादसा हो जाए तो हम किसी आम आदमी को थोड़ी सी शिक्षा देकर मदद आने से पहले वह किस तरह से मदद कर सकता है। इससे किसी की जान बचाई जा सकती है। इसके अलावा बोर्न एंड ज्वाइंट वीक के अंतर्गत मजबूत हड्डी मजबूत देश का संदेश दिया है। इसके अलावा हमने यहां आने वाले कई लोगों का हड्डी की जांच भी की गई। जिसकी रिपोर्ट भी उन्हें दी गई है।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम श्री राकेश कुमार पटेल पिता श्री गुलजारी पटेल था। अब मेरा नाम बदलकर श्री महेश कुमार पटेल पिता श्री गुलजारी पटेल हो गया है।

अत: भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना एवं पहचाना जावे।

भवदीय महेश कुमार पटेल
ग्राम उमरिया पो. मुराछ तह. पवई जिला पन्ना म.प्र.

कार्यालय वनसंरक्षक, सामाजिक वानिकी वृत्त, सागर (म. प्र.)

Ph. 07582-236278, Fax: 07582-236278, E-mail: ccfre.sgr@mp.gov.in

E-Tender - 2023/43IRG/SFCSAG Re-Tender Information (2nd call)

वनसंरक्षक, सामाजिक वानिकी वृत्त, सागर द्वारा आमंत्रित E-Tender ID No. - 2023_MPFD_287538_1, Tender Reference Number Store / 2023/340/SFCSAG की टेक्नीकल विड ओपन करने पर निविदाकारों द्वारा प्रस्तुत निविदा में टेक्नीकल विड शर्त अनुसार अभिलेखों की पूर्ण पूर्ति न होने के कारण दिनांक 06.07.2023 को प्रकाशित आमंत्रित ई निविदा पुन: (द्वितीय) दिनांक 11.08.2023 को प्रकाशित की जावेगी।

(रामकिशन सोलंकी)
सहायक वनसंरक्षक
सामाजिक वानिकी वृत्त, सागर

जी-17968/23

कार्यालय संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल संभाग, सागर

क्रमांक 1470/स.अ. /आवंटन/सागर/ 2023 दिनांक 07.08.2023

भवन भूखण्ड हस्तान्तरण/नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मण्डल कॉलोनी डॉ. हरिसिंह गौर नगर सागर स्थित भूखण्ड क्रमांक एलआईजी प्रथम 53 मंडल द्वारा श्री एस के विश्वकर्मा पिता श्री रामनारायण विश्वकर्मा को आवंटित किया गया था। जिसका भाडाक्रय आधार पर हस्तांतरण श्रीमती मंजू अहिरवार पति श्री हरसेवक अहिरवार को किया गया। जिसका विक्रय विलेख मंडल द्वारा दिनांक 17.11.2009 को निष्पादित कराया गया। श्रीमती मंजू अहिरवार पति श्री हरसेवक द्वारा उक्त भूखण्ड निष्पादित विक्रय विलेख दिनांक 24.12.2020 के माध्यम से श्री सुरेश कुमार प्रजापति पिता श्री प्रेम कुम्हार को किया गया। श्री सुरेश कुमार प्रजापति पिता श्री प्रेम कुम्हार उक्त भूखण्ड/ भवन स्वयं के नाम से नामांतरित/हस्तांतरित कराने हेतु आवेदन/दस्तावेज/शपथ पत्र इस कार्यालय में प्रस्तुत किए गये है। यदि किसी व्यक्ति को संस्था या हित रखने वाले वैध व्यक्ति को हस्तांतरण/नामांतरण बावत आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशन होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैध आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के पश्चात हस्तांतरण/नामातरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी का कोई दावा मान्य नही होगा।

सम्पत्ति अधिकारी
म.प्र.गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल संभाग, सागर

न्यायालय जिला दण्डाधिकारी जिला सागर

इश्तहार

क्रमांक/6299 /री.जि.दण्डा./2023 सागर दिनांक 02.08. 2023

पुलिस अधीक्षक जिला सागर ने अवगत कराया कि थाना प्रभारी बांदरी जिला सागर द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन अनुसार दिनांक 24.05.2023 को थाना बांदरी पुलिस को मुखबिर से प्राप्त सूचना सत्यापन पर ग्राम रजवांस के पास फोरलेन रोड पुलिया के पास चार पहिया वाहन ईको गाड़ी क्रमांक MP 15 CA 3406 को चैक करने पर उसमें रखे कार्टून में कुल 57.600 बल्क लीटर अवैध देशी मसाला शराब कीमती 32,000/- रूपये की अवैध रूप से परिवहत होना पाये जाने पर मौके से आरोपी निशांत लोधी को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ पर उसने चालक आजाद उर्फ अज्जू विश्वकर्मा निवासी ग्राम जमुनिया द्वारा गाड़ी चलाकर लाना जो मौके से भाग जाना बताया मौके से अवैध शराब एवं परिवहन में प्रयुक्त ईको चार पहिया वाहन की विधिवत जप्ती कार्यवाही की जाकर उक्त दोनों आरोपियो के विरूद्ध अपराध क्रमांक 187 / 2023 पंजीबद्ध किया गया। पुलिस अधीक्षक सागर ने प्रकरण में धारा 47 (क) (2) आबकारी अधिनियम के प्रावधानांतर्गत जप्तशुदा अवैध शराब एवं चार पहिया वाहन ईको गाड़ी क्रमांक MP 15 CA 3406 की राजसात की कार्यवाही प्रस्तावित की है।

अतएव धारा 34 (2) एवं धारा 47 (क) (2) आबकारी एक्ट की अपेक्षा के अनुरूप तथा जप्ती पत्रक अनुसार जप्तशुदा अवैध शराब एवं वाहन को राजसात किये जाने की कार्यवाही की जा रही है इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति या दावा हो तो इस न्यायालय में दिनांक 22/08/2023 को उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के उपरान्त प्राप्त दावा आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 02/08/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी।

कलेक्टर
एवं जिला दंडाधिकारी जिला सागर

जी-17906/23

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, सागर (म.प्र.)

नवीन कलेक्टर कार्यालय भवन कक्ष क्रं. 140
दूरभाष- 07582-224543 फैक्स - 07582-224543
E-mail - deosaugour@gmail.com

क्रमांक/820/ निर्वाचन/चु.पर्य./2023 सागर, दिनांक 24 जुलाई, 2023

निविदा आमंत्रण सूचना

आगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 एव लोकसभा निर्वाचन 2024 के दौरान समय - समय पर निर्वाचन कार्यो के लिये टेंट / लाईट / माईक आदि कार्य की आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुये सामग्री किराये पर लिये जाने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इस हेतु सील बंद निविदाएँ दिनांक 17.08 2023 तक (कार्यालयीन समय में) अपरान्ह 02.00 बजे तक निर्धारित प्रपत्र में प्रस्तुत करें। प्राप्त निविदाएँ प्राप्ति तिथि के कार्य दिवस में अपरान्ह 03.00 बजे गठित समिति एवं उपस्थित निविदाकारों के समक्ष खोली जाएगी। निविदा का विस्तृत प्रपत्र, शर्ते आदि कार्यालय कलेक्टर जिला सागर के जिला निर्वाचन कार्यालय से (अवकाश दिवस छोड़कर) देखा जा सकता है, तथा निर्धारित शुल्क 500.00 रू. बैंक में चालान द्वारा लेखा शीर्ष 0070-02-800-0000 में जमा कर चालान की प्रति प्रस्तुत करने पर निविदा फार्म प्राप्त किया जा सकता है और जिले की बेवसाईट sagar.nic.in पर भी देखा जा सकता है।

कलेक्टर एवं
जिला निर्वाचन अधिकारी जिला - सागर

जी-17915/23

कार्यालय प्राचार्य, इंदिरा गांधी इंजीनियरिंग महाविद्यालय सागर (म. प्र.)

(मध्यप्रदेश शासन द्वारा स्वशासी घोषित)
(मकरोनिया रेल्वे स्टेशन के पास, जबलपुर रोड, बहेरिया, सागर मध्यप्रदेश 470021)

किराये पर वाहन लिये जाने हेतु ई-निविदा आमंत्रण सूचना (पुनर्निविदा)

क्रमांक / इंम / वाहन / 2023 / 1922 सागर, दिनांक 02.08.2023.

संस्था में शासकीय उपयोग हेतु वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिये किराये पर निजी / अशासकीय वाहन (बोलेरो - नियो / स्कार्पियो / सफारी / समकक्ष वाहन) लगाये जाने के लिये निर्धारित दरों पर दिनांक 23/08/2023 अपरान्ह 05.00 बजे तक ई- निविदा आमंत्रित की जाती है । निविदा प्रपत्र - 1 (तकनीकी जानकारी) तथा निविदा में उल्लेखित समस्त दस्तावेज ऑनलाइन ई - निविदा के साथ अपलोड करना आवश्यक है । निर्धारित तिथि के पश्चात् कोई भी निविदा मान्य नहीं की जावेगी । प्राप्त निविदाएँ दिनांक 24.08.2023 को पूर्वाह्न 11.30 बजे संस्था की वाहन समिति की अध्यक्षता में समिति के सदस्यों के द्वारा खोली जावेगी । निविदा की विस्तृत शर्ते एवं प्रपत्रों की जानकारी संस्था की वेबसाइट www.igecsagar.ac.in अथवा https://mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।

प्राचार्य
इंदिरा गाँधी इंजीनियरिंग महाविद्यालय सागर (म. प्र.)

जी-17908/23

शराबी पुत्र ने गाली-गलौच देकर पिता को लाठी से पीटा

दिगौड़ा, देशबन्धु। थाना अंतर्गत ग्राम भगवंतपुरा में एक व्यक्ति द्वारा शराब के नशे में अपनी पत्नी व पिता के साथ झगड़ा करने का मामला सामने आया है। विवाद में शराबी पुत्र ने अपने पिता की लाठी से मारपीट कर दी। पीड़ित पिता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी पुत्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। दिगौड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम भगवंतपुरा के फरियादी व्यक्ति मेघनाथ घोष उम्र 50 साल ने अपनी पत्नी हल्की बाई एवं बहू रचना के साथ पुलिस थाने में आकर रिपोर्ट दर्ज कराई। जिसके अनुसार 7 अगस्त की सुबह करीब 11 बजे पीड़ित अपने खेत पर बने हुए मकान पर था। उसी दौरान उसका लड़का धर्मेंद्र घोष शराब पीकर आया और बहू रचना व पीड़ित व्यक्ति के साथ गाली गलौज करने लगा। पीड़ित ने गाली देने से मना किया तो उसने शराब के नशे में लाठी से मारपीट कर दी। दिगौड़ा पुलिस ने पीड़ित व्यक्ति की रिपोर्ट पर मारपीट करने के आरोप में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया।

नाबालिग से छेड़छाड़ के आरोपी को 3 वर्ष का कठोर कारावास

टीकमगढ़, देशबन्धु। उक्त मामले में शासन की ओर से पैरवीकर्ता विशेष लोक अभियोजक पॉक्सो एक्ट नर्मदांजलि दुबे ने बताया कि उक्त मामला महिला थाना टीकमगढ़ का था। पीड़िता अभियोक्त्री दिनांक 15/10/2022 को दोपहर लगभग 01 बजे घर में अकेली थी और मम्मी पापा खेत पर गये थे। तभी करन लोधी पीड़िता के घर में घुस आया और बुरी नियत से अभियोक्त्री का दाहिना हाथ पकड़कर कहने लगा कि वह उससे शादी करना चाहता है। तब पीड़िता घबरा कर चिल्लाने लगी तो करन लोधी वहां से भाग गया और भागते समय उसे धमकी दी कि यदि उसने उससे शादी नहीं की और यह बात किसी की बताई तो वह उसे जान से मार देगा। इसके बाद फिर से करन लोधी ने अभियोक्त्री को खेत पर जाते समय रास्ते में रोका और उसका पीछा करने लगा। तब अभियोक्त्री ने उक्त पूरी घटना अपने माता पिता को बताई और घटना के संबंध में महिला थाना जाकर करन लोधी के विरूद्ध कार्यवाही करने बावत् एक लिखित

आवेदन पेश किया। जिसके आधार पर महिला थाना प्रभारी निरीक्षक नेहा कारोलिया के द्वारा प्रथम सूचना रिपोर्ट लेखबद्ध कर मामले में अनुसंधान कार्यवाही की। अनुसंधान के दौरान समस्त महत्वपूर्ण साक्षीगण के कथन लेखबद्ध कर घटना स्थल का नक्शा मौका तैयार किया गया। अभियोक्त्री के नाबालिग होने के संबंध में संबंधित स्कूल से दस्तावेज प्राप्त कर आवश्यक अनुसंधान पूर्ण कर चालान न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। विचारण उपरांत माननीय न्यायालय द्वारा थाना कुड़ीला अंतर्गत ग्राम मलगुंवा निवासी अभियुक्त 28 वर्षीय करन लोधी पुत्र दयाराम लोधी के विरूद्ध आरोपित अपराध धारा 454 भादवि एवं 7/8 पॉक्सो एक्ट में दोष सिद्धी का आदेश पारित किया है। माननीय विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट श्री ए.पी.एस चौहान द्वारा आरोपी करन लोधी को धारा 454 भादवि के तहत 01 वर्ष का कठोर कारावास एवं एक हजार रूपये अर्थदण्ड तथा धारा 7/8 पॉक्सो एक्ट के अंतर्गत 03 वर्ष का कठोर कारावास एवं दो हजार रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया है।

में हूं अभिमन्यु अभियान का दूसरा चरण

स्कूलों, बाजारों एवं चौराहों पर पुलिस ने किया लोगों को जागरुक

टीकमगढ़, देशबन्धु।। में हूँ अभिमन्यु अभियान अंतर्गत सोमवार 7 अगस्त को पुलिस महानिरीक्षक सागर जोन सागर प्रमोद वर्मा, पुलिस उपमहानिरीक्षक छतरपुर रेंज छतरपुर ललित शाक्यवार एवं पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीताराम सासत्या के मार्गदर्शन में डीएसपी महिला शाखा सुश्री प्रिया सिंधी के नेतृत्व में टीकमगढ़ जिले के थाना-चौकियों के अंतर्गत स्कूलों, बाजारों, चौराहों पर पुलिस द्वारा अभिमन्यु अभियान के संबंध में लोगों, शिक्षक-शिक्षिकाओं, छात्र-छात्राओं को अवगत कराया गया। बालिकाओं और महिलाओं पर घटित होने वाले अपराधों के संबंध में संपूर्ण जानकारी दी गई एवं समाज में व्याप्त बुराइयों जैसे नशा, दहेज, रूढ़िवादिता, अश्लीलता, असंवेदनशीलता, अशिक्षा, लिंगभेद के चक्रव्यूह को तोड़ने में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाने हेतु सभी को जागरूक किया गया एवं अभियान के तहत शपथ दिलाई गई।

मप्र लेखक संघ की 302वीं कवि गोष्ठी आयोजित

कवियों ने देश भक्ति व राष्ट्र प्रेम पर केन्द्रित कविताओं का किया पाठ

टीकमगढ़, देशबन्धु। साहित्यिक संस्था मप्र लेखक संघ जिला इकाई टीकमगढ़ की 302वीं कवि गोष्ठी राष्ट्रभक्ति व देश प्रेम पर केन्द्रित आकांक्षा पब्लिक स्कूल टीकमगढ़ में आयोजित की गयी। कवि गोष्ठी की अध्यक्षता वरिष्ठ बुंदेली कवि प्रभुदयाल श्रीवास्तव (पीयूष) ने की तथा मुख्य अतिथि के रूप में व्यंग्यकार रामगोपाल रैकवार रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ कवि सियाराम अहिरवार रहे। कवि गोष्ठी का शुभारंभ वीरेन्द्र चंसौरिया ने करते हुए सरस्वती बंदना के पश्चात् यह गीत सुनाया, मेरे देश की कहानी बहुत है सुहानी। मेरे देश की आजादी वीरों की कुर्बानी।।, उमाशंकर मिश्र ने कतरा कतरा हमारा वतन के लिए। अपना जीवन ही सारा वतन के लिए कविता सुनाई। राजीव नामदेव राना लिधौरी ने देश रक्षा के लिए खून बहाने की जगह। लहू हम दंगे फसादों में बहा देते है, शेर पढ़ा। रामगोपाल रैकवार ने ना बोलो बोल तुम कड़वे, जो बोलो प्यार से बोलो। जुबाँ से फल से बरसें ये ही करतार से बोलो कविता पढ़ी। मड़ाबरा के गोविन्द सिंह गिदवाहा ने तन मन को अर्पन कर, मर मिटे जो वतन पर। हम फहराते है तिरंगा, उन शहीदो को नमन कर रचना सुनाई। अंचल खरया ने सावन आई बहार छाई, हर गलियन में फूल खिले। नदिया आई नाले लाई, हर गलियन में कीच मिले रचना सुनाई। सियाराम अहिरवार ने जिसने दी कुर्बानी अपनी हिंद धरा की माटी पर। उसने मरते दम तक खायी गोली अपनी दाती पर कविता सुनाई। देवीनगर के भगवत नारायण रामायणी ने साफ सफाई करने वाली का मन व्याकुल था। माँ के संबोधन वह भुला सकें यह मुश्किल था कविता सुनाई। प्रभुदयाल श्रीवास्तव ने सब देशन से रे, अरे न्यारों लगै हो भारत है ईकौ नाव। माथें मुकुट बँदो अरे हिमगिरि कौ, उर सागर पखारत पाँव, कविता सुनाई। कलमेश सेन ने धोती कुर्ता पंचा पैरों देशी जो परिधान है। बांध सुआपा मूंड से कसलो जेई अपनी शान है, रचना पढ़ी। रविन्द्र यादव ने वतन के वास्ते जीना जरूरी है मगर। वतन के वास्ते मरना इबादत है, सुनाया। चाँद मोहम्मद आखिर ने जब सदा आती है हम पे जाँ लुटाने के लिए। दिल मलचले है हमारे सर कटाने के लिए, गजल पढ़ी। कौशल किशोर चतुर्वेदी ने तूने सब कुछ दिया है हमें ये वतन। देंगे खुशियाँ सभी को करें ये जतन, कविता पढ़ी। शकील खान ने राह में अपने वतन की सर कटाना चाहिए। वक्त पड़ने पर हमें सरहद पे जाना चाहिए, गजल पढ़ी। स्वप्निल तिवारी ने हम शिलालेख में दबे हुए नाम, पुकारे माँ भारती, गजल पढ़ी। कवि गोष्ठी का संचालन रविन्द्र यादव ने किया तथा आभार प्रदर्शन लेखक संघ के अध्यक्ष राजीव नामदेव राना लिधौरी ने किया।

मिशन इंद्रधनुष अभियान 5.0 का विधायक ने किया शुभारंभ

टीकमगढ़, देशबन्धु। क्षेत्रीय विधायक राकेश गिरी गोस्वामी तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शोभाराम रोशन द्वारा सोमवार को कुण्डेश्वर मंदिर परिसर में मिशन इंद्रधनुष अभियान 5.0 का माता सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया गया। इस दौरान डी.एच.ओ. डॉ. के.एम.वरूण द्वारा मिशन इंद्रधनुष अभियान के बारे में जानकारी दी गई। इसके साथ ही सीएमएचओ डॉ. रोशन ने बताया कि मिशन इंद्रधनुष अभियान एवं यू-विन पोर्टल पर सभी बच्चों का रजिस्ट्रेशन करने से छूटे हुये बच्चों का टीकाकरण किये जाने की सुविधा पोर्टल के माध्यम से देश के किसी भी हिस्से में टीके लगवा सकेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक श्री गिरी ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की टीम सदैव हर कार्यक्रम को पूरी निष्ठा, लगन एवं मेहनत से पूर्ण करते है। आशा ही नहीं विस्वास है कि मिशन इंद्रधनुष अभियान के सभी छूटे बच्चों का शत-प्रतिशत टीकाकरण किया जायेगा। कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने बाले कार्यकर्ता को पुरूष्कृत किया जायेगा। मंच संचालन मनोज नायक जिला मीडिया अधिकारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत शिवपुरी की सरपंच, डॉ. नंद किशोर दीक्षित अध्यक्ष मंदिर ट्रस्ट/निज सचिव विधायक टीकमगढ़, पं.बृज किशोर पटैरिया, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ.के.एम.वरूण, डी.सी.एम. प्रबल त्रिपाठी, बी.एम.ओ.बडागांव डॉ. शान्तनु दीक्षित, मेडीकल ऑफीसर डॉ.वरूण खरे, बी.पी.एम. महेश साहू, बी.ई.ई. परशुराम अहिरवार सहित ए.एन.एम., आशा कार्यकर्ता, ऑगनवाड़ी कार्यकर्ता सहित अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

निष्ठा, लगन एवं मेहनत से कार्य करती है स्वास्थ्य विभाग की टीमः राकेश गिरी

महासम्मेलन को लेकर अभा लोधी, लोधा, लोध क्षत्रिय महासभा की बैठक आयोजित

अमर शहीद अवंति यात्रा में 5 हजार लोग होंगे शामिलः इंजी दुष्यन्त

टीकमगढ़, देशबन्धु। आगामी 13 अगस्त 2023 को भोपाल में आयोजित होने जा रहे महासम्मेलन को लेकर अखिल भारतीय लोधी लोधा लोध क्षत्रिय महासभा के तत्वाधान में प्रदेश के हर जिले में एक साथ बैठक रखी गयी। बगाज माता मंदिर प्रांगण में अमर शहीद अवन्ति बाई लोधी धर्मशाला की बैठक में मुख्य अतिथि के तौर पर अनिल सिंह शामिल हुए तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमति सरोज राजपूत, राघवेंद्र राजपूत, इंजी दुष्यन्त सिंह उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता जिले के अध्यक्ष मनोहर लाल लोधी अधिवक्ता द्वारा की गई। बैठक में हरिकिशन ने बताया कि भोपाल में होने वाले सम्मेलन में ज्यादा से ज्यादा लोग पहुचे। इंजी दुष्यन्त सिंह ने भोपाल में होने वाले विशाल सम्मेलन पर विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि यही समय है हम सब अपनी ताकत का अहसास भोपाल पहुंच कर सरकार को करा सकते है। जिससे हम लोगो को जनसँख्या के आधार पर हर जगह प्रतिनिधित्व मिले। बैठक में जिले की नवीन महिला, युवा इकाई की जिला कार्यकारिणी के सदस्यों का परिचय कराया गया। बैठक में विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में संरक्षक के रूप मथुरा प्रसाद, लखन लाल, मनीराम, रामबघस, श्रीमति कल्पना लोधी, संतोष लोधी, लक्ष्मी लोधी, श्रीमति बबिता, ब्रजबिहारी, शैलेन्द्र धजरई, जितेंद्र, अखलेश, श्रीराम, लखन चिनगुवा, रतन, भूपेंद्र, अरवेंद्र, भरत रमकुंडा, निरपत, ब्रजेश सुमनलता, प्रीति लोधी, मनीष, धर्म सिंह, कमलेश, सीताराम, महाराज सिंह, हरपाल आदि शामिल रहे।

सागर में संत शिरोमणि श्री रविदास मंदिर निर्माण को लेकर निकली समरसता

भाजपाईयों सहित नगर वासियों ने किया भव्य स्वागत

टीकमगढ़,देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी व मुख्यमंत्री द्वारा सागर में करीब 100 करोड़ रुपए की लागत से संत शिरोमणि श्री रविदास मंदिर का निर्माण किया जा रहा है। जिसके लिए समरसता यात्रा निकाली जा रही है। आज यह विशाल यात्रा रथ के साथ दिगौड़ा नगर में पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं सहित ग्रामवासियों ने जोरदार स्वागत किया। संत शिरोमणि श्री रविदास जी की चरण पादुका समरसता यात्रा पृथ्वीपुर से होते हुए नगर दिगोड़ा में आने पर भाजपा मंडल दिगौड़ा द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। इस यात्रा का मंडी भवन में जन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके पूर्व दिगोड़ा बस स्टेंड पर स्थित अंबेडकर जी की प्रतिमा के पास भी कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश शासन मंत्री दर्जा प्राप्त नंदराम कुशवाहा, पृथ्वीपुर विधानसभा विस्तारक विजय पटेरिया, जिला महामंत्री आशुतोष भट्ट, अनुसूचित जाति मोर्चा जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र अहिरवार, सर्वसमाज अध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह परमार सहित भाजपा कार्यकर्ता व नेता उपस्थित रहे।

विचाराधीन बंदियों के लिए विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

टीकमगढ़,देशबन्धु। मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं श्री हितेन्द्र सिंह सिसौदिया प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण टीकमगढ़ के मार्गदर्शन में 7 अगस्त सोमवार को जिला जेल टीकमगढ़ में विचाराधीन बंदियों के हितार्थ विधिक साक्षरता शिविर एवं जेल निरीक्षण किया गया। कार्यक्रम में विनोद कुमार पाटीदार सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण टीकमगढ़ ने उपस्थित बंदियों को प्लीवारगेंनिग के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि प्लीवारगेनिंग के तहत जिस अपराध में सजा 7 साल से कम है उसमे यदि वह अपना अपराध स्वीकार कर लेता है तो उसकी सजा में नियमानुसार न्यायालय द्वारा छूट दी जाती है। विनोद कुमार पाटीदार ने कहा कि जेल चिन्ता का नहीं चिन्तन का स्थान है। साथ ही जमानतीय एवं अजमानतीय अपराधों के संबंध में जानकारी दी। इस दौरान बृजेन्द्र सिंह भदौरिया जिला विधिक सहायता अधिकारी टीकमगढ़ द्वारा बंदियों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित योजनाएं जिसमें निःशुल्क विधिक सहायता एवं सलाह, मध्यस्थता आदि की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में जेल अधीक्षक प्रतीक जैन द्वारा आभार व्यक्त किया गया। उक्त कार्यक्रम में उपाधीक्षक ए.के. शुक्ला सहित जेल स्टाफ एवं बंदीगण उपस्थित रहे।

जनसंवाद कार्यक्रम : स्वास्थ्य मंत्री ने मरीजों एवं हितग्राहियों से की चर्चा

टीकमगढ़, देशबन्धु। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री प्रभुराम चौधरी मध्य प्रदेश शासन भोपाल द्वारा जनसंवाद कार्यक्रम के अंतर्गत जिला चिकित्सालय में मातृत्व एवं शिशु वार्ड में डॉ. शोभाराम रोशन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ. अमित शुक्ला सिविल सर्जन जिला चिकित्सालय सहित मरीजों एवं हितग्राहियों से स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की गई। मरीजों एवं हितग्राहियों से चर्चा में स्वास्थ्य सुविधाओं के लाभ मिलने को लेकर संतोष व्यक्त किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने मंत्री जी को मानव संसाधन की कमी जैसे एएनएम, नर्सिंग ऑफिसर, चिकित्सक प्रथम श्रेणी, चिकित्सक द्वितीय श्रेणी की कमी को लेकर पूर्ति करने हेतु निवेदन किया। मंत्री जी द्वारा उप स्वास्थ्य केंद्र बिहारीपुरा सेक्टर असाटी विकासखंड निवाड़ी के देवेंद्र सिंह सीएचओ से चर्चा की गई, जिसमें स्वास्थ्य व्यवहार के बारे में जानकारी प्राप्त करके चिकित्सक से बात की गई। डॉ. निरंजन द्वारा फॉर्मासिस्ट की पोस्टिंग करने की बात रखी गई, जिस पर मंत्री जी ने सकारात्मकता का परिचय देते हुए तत्काल व्यवस्था करने की बात कही। इसके बाद मंत्री जी द्वारा निजी चिकित्सालय यथार्थ सुपर स्पेशिलिटी अस्पताल औरछा विकासखंड निवाड़ी के संचालक डॉ. अनिल तिवारी से चिकित्सालय में भर्ती मरीजों के संबंध में बात करके मरीजों से आयुष्मान कार्ड की जानकारी के संबंध में चर्चा की। इस दौरान मंत्री जी द्वारा मरीजों को समझाया गया कि आयुष्मान कार्ड के माध्यम से आपको पांच लाख रुपए तक का निशुल्क उपचार की सुविधा दी गई है। श्री चौधरी द्वारा फोन के माध्यम से प्रधानमंत्री एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा चलाई जा रही जनहितैषी योजनाओं के बारे मे राय ली गई, जिससे हितग्राही योजना के संबंध में भली भांति अपनी राय सकारात्मक बना सकें।

सीएमएचओ ने एएनएम, नर्सिंग ऑफिसर एवं चिकित्सकों की कमी दूर करने का किया आग्रह

सेवाओं के अंतर्गत एएनसी एवं एनसीडी कार्यक्रम की जानकारी ली गई। इसके साथ ही मंत्री जी द्वारा हैल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर कितनी जांचे कर रहे हैं व दवाओं की उपलब्धता की जानकारी ली गई। सीएचओ द्वारा दी जानकारी से मंत्री जी संतुष्ट नजर आए। इसके पश्चात मंत्री जी द्वारा डॉ. पंकज निरंजन प्रभारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तरीचरकला से चर्चा कर भर्ती मरीजों से वार्तालाप किया गया। तत्पश्चात एएनएम से चर्चा करके स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली गई एवं दवाओं तथा चिकित्सीय स्टॉफ के कार्य एवं

सार समाचार

अजा महासभा ने किया धरना प्रदर्शन

दमोह देशबन्धु। ग्राम बांदकपुर में रविदास मंदिर के पीछे अनुसूचित जाति वर्ग की वर्षों से निर्मित धर्मशाला जिसका खसरा नंबर 108/7 रकबा न. 0.19 है जिस पर कुछ लोगों के द्वारा अवैध कब्जा किया गया है जिस कब्जा को हटाने के लिए लगातार संघर्ष किया गया तथा ज्ञापन भी दिय जा चुके है जिस पर शासन द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई जिस कारण धरना पर बैठना पड़ा धरने पर पहुंच कर एसडीओपी वीरेंद्र सिंह ने ज्ञापन को लिया। एससी महासभा के जिला अध्यक्ष राहुल कुमार ने बताया कि धर्म शाला के अवैध कब्जा हटाने हेतु पूर्व में ज्ञापन दिए जा चुके है अगर धरना देने के बाद अवैध कब्जा नही हटाया गया तो मजबूरन उग्र आंदोलन करने पड़ेंगे, राजाराम अहिवार ने बताया कि धर्म शाला का अतिक्रमण हट जाने से रविदास अनुआयिओं को काफी फायदे होंगे गरीब बच्चों के शादी विवाह भंडारे में जगह मिल जाएगी बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को रुकने की जगह मिल जाएगी। धरने में प्रवेंद्र चंद्राकर, अनरत अहिरवार, लखन, संजू एवं सैकड़ों लोगों की उपस्थिति रही।

विद्यालय परिसर देवडोंगरा में वृक्षारोपण किया गया

दमोह देशबन्धु। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर देवडोंगरा में वृक्षारोपण किया गया। जिसमें आम, मुनगा, नीम, यूकेलिप्टस, बीहि, जामुन आदि के पौधों रोपे गए। इस दौरान प्राचार्य सपना पाठक, शिक्षक नीता चौरसिया, नीतू बंजारे ,ग्राम पंचायत गणेश सिंह राजपूत एवं समस्त स्कूल स्टाफ सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

ऑपरेशन अभिमन्यु

गैसाबाद पुलिस ने छात्र-छात्राओं से किया संवाद

दमोह देशबन्धु। पुलिस मुख्यालय से प्राप्त दिशा निर्देशो और ऑपरेशन अभिमन्यु अभियान के तहत गैसाबाद थाना पुलिस ने हाई स्कूल भैंसा में छात्र छात्राओं से किया संवाद किया। थाना प्रभारी विकास सिंह चौहान ने सम्वाद करते हुए अपराधों के सम्बंध में जानकारी, महिला हेल्पलाइन और टोल फ्री नम्बर, पुलिस की आपातकाल सेवाओ के विषय मे जानकारी दी, छात्राओं को ऊर्जा महिला हेल्प डेस्क,1090 जैसी सेवाओ के विषय में जानकारी देकर सभी से चर्चा की, साथ ही अपील की किसी भी अप्रिय स्थिति में पुलिस की मदद ले और सहयोग करे साथ ही अपने परिजनों को भी बताए, इसके अलावा समाज मे नशामुक्ति के लिए भी विद्यार्थियों को जागरूक किया। नवागत थाना प्रभारी चौहान ने सभी विद्यार्थियों को अपना मोबाइल नम्बर और वीट प्रभारियों के नम्बर दिए और कहा कि किसी भी घटना ,अपराध की सूचना पुलिस को देकर मदद करे।

फोटो 4

सीएम राइस में किया छात्र-छात्राओं को जागरूक

दमोह देशबन्धु। मैं हूं अभिमन्यु के तहत पुलिस मुख्यालय भोपाल से आए आदेश पर और दमोह पुलिस अधीक्षक सुनील तिवारी तथा एडिशनल एसपी संदीप मिश्रा के निर्देशन में डीएसपी महिला सेल भावना दांगी के मार्गदर्शन में सुरक्षा महिला शाखा एवं निर्भया मोबाइल टीम ने सोमवार सुबह शहर के किल्लई नाका स्थित सीएम राइस मॉडल स्कूल पहुंचकर छात्र-छात्राओं को अभिमन्यु के बारे में जानकारी देकर बच्चों को जागरूक किया। कक्षा नाइंथ बी सेक्शन प्रभारी प्राचार्य विजय दुबे और क्लास टीचर संजय खरे के साथ बच्चों को पुस्तक,पोस्टर दिखाकर जागरुक किया और प्रश्नावली करा कर आंसर लिए. इस अवसर पर निर्भया मोबाइल प्रभारी जमनी दुबे, प्रधान आरक्षक रीता मिश्रा,संध्या तिवारी, आरक्षक सतीश गुरु, हर्षवर्धन पटेल और छात्र-छात्राएं की मौजूदगी रही।

संत समाज का अपमान नहीं सहेगी कांग्रेस

दमोह देशबन्धु। कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के जिलाध्यक्ष अजय जाटव के नेतृत्व में प्रधानमंत्री के नाम दमोह कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें भाजपा नेता कैलाश विजयवर्गीय के द्वारा जो सागर में मंदिर निर्माण को लेकर संत रविदास जी के बारे में अभद्र टिप्पणी की गई उसके विरोध में ज्ञापन विजयवर्गीय से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने एवं प्रधानमंत्री को कैलाश विजयवर्गीय के खिलाफकार्यवाही की मांग की गई। इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष रतनचंद जैन, विधायक अजय टंडन, पं.मनु मिश्रा, संजय चौरसिया, राजेश तिवारी, भगवान दास चौधरी, राजू गुप्ता, गोपाल मासाब, कोमल अहिरवाल, बसंत कुशवाहा, नितिन मिश्रा, कमलेश उपाध्याय, केके अग्रवाल, केके वर्मा, मुकेश रोहितास, मुकेश रोहित, रजनी ठाकुर, दीपेश सेन, नीतेश अहिरवार, अभिषेक, कुन्दन, पप्पू खटीक, मंयक खटीक, भूपेन्द्र बंसल, भातू बंसल, राजा खटीक, राजेन्द्र बंसल, भोलू बंसल, संजू बंसल, भरत अहिरवार की उपस्थिति रहीं।

सोमवार को सुनार मैया की महाआरती में शामिल हुए न्यायिक अधिकारी

दमोह/हटा देशबन्धु। हटा में नावघाट पर सावन माह के प्रति सोमवार सुनार मैया की महाआरती का आयोजन बिहारी जी सरकार समाज सेवा समिति द्वारा किया जाता है इस सोमवार को हटा के अपर सत्र न्यायाधीश सुनील कुमार कौशिक एवं न्यायिक मैजिस्ट्रेट सुनील कुमार खरे ने महाआरती में भाग लिया। आरती के पूर्व शिव जी का पूजन एवं आरती की,नबोदय विद्यालय के प्राचार्य अशोक कुमार त्रिपाठी ने भी महाआरती में शिरकत की और हटा की जीवन दायिनी सुनार नदी का पूजन एवं आरती की। कार्यक्रम के दौरान नगर निरीक्षक मनीष मिश्रा, अधिबक्ता अमिताभ चतुर्वेदी, पवन सिंग राजपूत आदि उपस्थित रहे,समिति के संयोजक बबलू राय ने आभार माना। विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वधान में विधिक सेवा समिति हटा के द्वारा नावघाट पर विधिक साक्षरता शिविर लगाया गया। जिसमें सुनार नदी को पवित्र साफस्वच्छ बनाये रखने आवश्यक सलाह दी गयी। शिविर में अपर सत्र न्यायाधीश सुनील कुमार कौशिक एवं न्यायिक मैजिस्ट्रेट सुनील कुमार खरे सहित अधिबक्ता अमिताभ चतुर्वेदी, पवन सिंह राजपूत आदि उपस्थित रहे।

जिले में मिशन इंद्रधनुष 5.0 की हुई शुरूआत

दमोह देशबन्धु। जिले के दमोह शहरी क्षेत्र सहित सभी विकासखंडों में सघन मिशन इंद्रधनुष 5.0 के प्रथम चरण की शुरूआत की गई। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सरोजनी जेम्स बेक ने बताया कि नियमित टीकाकरण को सबलता देने एवं मीजल्स-रूबेला बीमारी पर विजय प्राप्त करने के उद्देश्य से सघन मिशन इंद्रधनुष के तहत 4190 बच्चों एवं 957 गर्भवती महिलाओं का पूर्ण टीकाकरण इस अभियान के दौरान किया जायेगा। सप्ताह भर चलने वाले इस टीकाकरण अभियान का प्रथम चरण 07 से 12 अगस्त के दौरान समुदाय के निकट वार्ड/गांव में 1170 टीकाकरण सत्र आयोजित किये जा रहे है। आईए हम सब मिलकर नियमित टीकाकरण कार्यक्रम को सबलता देने एवं मीजल्स-रूबेला निर्मुलन अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाकर देश/प्रदेश हित में स्वस्थ एवं खुशहाल प्रदेश के निर्माण में सहभागी बनें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बेक ने बताया पोलियो उन्मूलन एवं मातृ-नवजात टिटनेस को समाप्त किया जा चुका है। वर्ष 2023 में मीजल्स-रूबेला जैसी घातक बीमारी का निर्मूलन किया जायेगा। शून्य से 2 वर्ष के ऐसे बच्चे जिनका टीकाकरण नहीं हुआ है अथवा अपूर्ण है, उन्हें 07 अगस्त से 12 अगस्त के दौरान गांव एवं वार्ड में बनाये गये नजदीकी टीकाकरण सत्र में लाकर टीके के डोज दिलायें। इसी प्रकार मीजल्स-रूबेला के टीकों से छूटे हुए 5 वर्ष तक की आयु के बच्चों को पूर्ण टीकाकरण करायें।

हिन्दी लेखिका संघ का वृहद कवि सम्मेलन सम्पन्न

दमोह देशबन्धु। दिवस हिन्दी लेखिका संघ दमोह के तत्वावधान में संयुक्त कवि सम्मेलन सरस्वती कन्या विद्यालय के सभागार में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार नारायण सिंह ठाकुर। विशिष्ट अतिथि अमर सिंह राजपूत एवं अध्यक्ष पं. श्यामसुंदर शुक्ला रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन संस्था सह सचिव प्रेमलता उपाध्याय ने किया। सरस्वती वंदना संस्था उपाध्यक्ष कमलेश शुक्ला ने प्रस्तुत की। आभार डा प्रेमलता नीलम ने माना। अपने उद्ववोधन में संस्था अध्यक्ष पुष्पा चिले ने कहा कि हर वर्ष वार्षिक कार्यक्रम में संस्था की बहनों का ही काव्य पाठ करवाते थे। इस बार हमने यह निर्णय लिया कि नगर के ख्यात कवियों को आमंत्रित करें और उनका मार्गदर्शन लें। हमारा प्रयास रहेगा कि यह परम्परा जारी रहे। जिन गणमान्य साहित्कारों ने अपनी उपस्थिति प्रदान कर कार्यक्रम को गरिमामय बनाया। संस्था उनके प्रति हृदय से आभारी हैऔर भविष्य में भी इस सहयोग की अपेक्षा करती है। कवि और कवयित्रियों ने विभिन्न रस रचनायें सुनाकर सबको काव्य विभोर कर दिया। डा पी. एल शर्मा, डॉ रघुनंदन चिले, नरेंद्र दुबे, रमेश तिवारी, महेंद्र श्रीवास्तव, डॉ कीर्तिकाम दुबे, सदन नेमा, नरेन्द्र अरजरिया, गणेश राय,एन. एस.ठाकुर, पी.एस.परिहार, बी.एम.दुबे, मनीष रैकवार, आनंद जैन, अनिल धनगर, ऋषभ जैन, ओजेन्द्र तिवारी, विमला तिवारी, लता गुरु, सावित्री तिवारी, कुसुम खरे, संगीता पांडे, पद्मा तिवारी, डॉ इन्द्रजीत कौर, उमा नामदेव, जेबा खान, शिवकुमारी शिवहरे, आराधना राय, अंजु सेठ, विनीता जडिया, सीमा जैन, प्रियंका रैकवार, किरण गोस्वामी, अर्चना राय, मोनिका चिले, समीर चिले आदि की गरिमामय उपस्थिति रही।

संत रविदास के विचारों पर प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

दमोह देशबन्धु। शासकीय कमला नेहरू महिला महाविद्यालय दमोह में संत शिरोमणि श्री रविदास जी के विचारों के प्रवर्तन के संबंध में जीवन मूल्य एवं सामाजिक समरसता में योगदान विषय पर चित्रकला, निबंध, भाषण एवं गायन आदि विविध प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ पी.एल. जैन एवं प्रभारी डॉ. अवधेश जैन के मार्गदर्शन में संपादित की गई। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ पी. एल.जैन ने कहा संपूर्ण भारतवर्ष में मानवता का मार्गदर्शन करने के लिए संत शिरोमणि श्री रविदास जी का नाम सर्वोपरी है। डॉ अवधेश जैन ने संत शिरोमणि श्री रविदास जी को एक महान संत बताते हुए कहा कि उन्होंने जाति प्रथा के भेदभाव, निरक्षरता, पाखंड, अंधविश्वास और कुरीतियों से मुक्ति दिलाने में उनका नाम बड़े ही आदर के साथ लिया जाता है। आयोजित प्रतियोगिताओं में निबंध प्रतियोगिता में प्रथम महिमा राठौर, द्वितीय हिमानी सेन, तृतीय नविता विश्वकर्मा रही। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम दुर्गेश नंदिनी विश्वकर्मा, द्वितीय करुणा तिवारी रही। चित्रकला प्रतियोगिता में रागनी पटेल प्रथम, अपर्णा दुबे द्वितीय एवं मुसर्रत बानो तृतीय स्थान पर रहीं। संत रविदास जी के भजन गायन में प्रथम रागनी पटेल, द्वितीय करुणा तिवारी और तृतीय स्थान पूजा पटेल का रहा। निबंध प्रतियोगिता के प्रभारी डॉ. आराधना श्रीवास, डॉ. ममता संघी, डॉ. उमेश दीपांकर रहे। गायन प्रतियोगिता में डॉ. पूजा जैन, शिखा यादव, डॉ राजेश पौराणिक एवं चित्रकला प्रतियोगिता में नयनतारा, डॉ शिरीन खान रहीं। इस अवसर पर डॉ एन. पी. नायक और महाविद्यालय परिवार के सभी सदस्य एवं बड़ी संख्या में छात्राओं की उपस्थिति रही।

खुलेआम बिक रही अवैध शराब, बंद कराने सौंपा ज्ञापन

दमोह/नोहटा देशबन्धु। तहसील जबेरा के ग्राम खमरिया मौजीलाल में बिक रही अवैध शराब को लेकर भारतीय शक्ति चेतना पार्टी एवं भगवती मानव कल्याण संगठन के कार्यकर्ताओं ने पुलिस अधीक्षक दमोह को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि गांव में आए दिन झगड़ा एवं गाली गलौज से गांव का माहौल बिगड़ा हुआ है गांव के पास ही बने स्कूल के करीब 50 मीटर की दूरी पर खुलेआम शराब बेंची जाती है जिसका प्रभाव स्कूल के बच्चे बच्चीयों पर पढ़ रहा है बच्चियों को डर का माहौल बना रहता है घर से आने जाने में भी परेशानी होती है। इसी संबंध में 24/07/2023 को नोहटा थाना में ग्राम खमरिया मौजीलाल के ही नीलेश सिंह, रत्नेश, रवि सिंह, राजा, भूपेंद्र सिंह, धर्मेंद्र रोहित, सिंह, भोजराज कमलेश, हल्लू कम्मू, कमल सिंह ,बबलू, पूरन, सिंह अजय गोविंद रजक राम जी महीप सिंह एवं अन्य ग्राम वासियों के साथ ज्ञापन सौंपा था लेकिन आरोपियों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। गांव के ही नीलेश सिंह ने बताया कि नोहटा थाना आवेदन देने के बाद अवैध शराब बेचने वाले आरोपीयों द्वारा हम लोगों को डराया धमकाया जा रहा है। भगवती मानव कल्याण संगठन के केंद्रीय प्रचार मंत्री भुज्जी लाल एवं संगठन के जिला अध्यक्ष डॉ सुजान सिंह बताया कि ग्राम खमरिया मौजीलाल के राजेश सिंह, बंटू उर्फबीरेंद्र सिंह द्वारा खुलेआम काउंटर लगाकर शराब बेची जा रही है इन लोगों पर अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है अगर इन लोगों पर कार्यवाही नहीं होती और खमरिया मौजीलाल की शराब बंद नहीं होती तो भगवती मानव कल्याण संगठन एवं भारतीय शक्ति चेतना पार्टी ग्राम वासियों के साथ हजारों कार्यकर्ताओं को लेकर एसपी ऑफिस के सामने धरना प्रदर्शन करेंगे जिसकी पूरी जवाबदारी शासन प्रशासन की होगी।

जबेरा में विकासखंड स्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न

दमोह/नोहटा देशबन्धु। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के निर्देशन में विकासखंड स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन शासकीय महाविद्यालय जबेरा में विकासखंड समन्वयक वंदना जैन के मार्गदर्शन में नवांकुर संस्था, परामर्शदाता, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष सचिव एवं सीएमसीएलडीपी छात्रों की उपस्थिति में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित कोर्स के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए बैचलर एवं मास्टर डिग्री बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू अध्ययन कर समाज में नेतृत्व करने की क्षमता तैयार होती है एवं परामर्श कक्षाओं के संबंध में जानकारी दी गई। समरसता यात्रा को लेकर सभी की उपस्थिति में यात्रा के संबंध में रूट चार्ट यात्रा कब कहां कैसे पहुंचना है समरसता यात्रा का समापन 12 अगस्त को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा संत रविदास जी का भव्य मंदिर निर्माण में अपने गांव की एक मुट्ठी माटी इस महायज्ञ में आहुति लग जाए तो समरसता की सार्थकता और गांव का गौरव बढ़ जाए , भूमि पूजन कार्यक्रम के साथ होगा। आप सभी समरसता की विसाल भूमि पूजन कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होकर कार्यक्रम में सहभागी बने। समीक्षा बैठक में उपस्थित प्रस्फुटन समिति नवांकुर संस्था एवं सीएमसीएलडीपी कोर्स को लेकर समीक्षा करते हुए परामर्श कक्षाएं नियमित संचालन, छात्र प्रवेश, प्रोजेक्ट प्रैक्टिकल सभी से अवगत कराया गया, बैठक के बाद वृंदावन गौशाला जलहरी में सभी के द्वारा पौधारोपण किया गया। समीक्षा बैठक मे नवांकुर संस्था स्वर्गीय श्री नन्हू सिंह पटेल समाज सेवी संस्था जलहरी, ग्राम जन कल्याण समिति नोहटा, दीपांजलि वेलफेयर सोसायटी छपरवाहा, परामर्शदाता त्रिलोक सिंह लोधी, हीरा सेन, घनश्याम सिंह लोधी, लोकेंद्र सिंह लोधी, मुल्तान सिंह लोधी, परसोत्तम दुबे, गोपाल सिंह लोधी, डॉ रामसीग लोधी, श्यामलाल गोटिया, दीपक, डाल सींग समितियों के सदस्य एवं छात्रों की उपस्थिति रही।

बगरोही के दो दर्जन घर जलमग्न हुए नुकसानी का सर्वे, मिलेगी राहत राशि

शाहगढ़, देशबन्धु। बगरोही गांव में भारी बारिश से निवासियों की स्थिति विकट हो गई है। बस्ती में 20 से ज्यादा घर, स्कूल के सामने बने गड्ढे और अन्य निचले इलाकों में पानी भर गया है। देर रात नाले का जलस्तर बढ़ने से तीन साल पहले बना गांव में स्टाप डेम पानी में बह गया, वही घर वाले बाढ के पानी से बचने के लिए घर से पानी निकालने में लगे रहे। एक तरफ तेज बारिश तो दूसरी तरफ घरों में पानी भर गया। सुबह से बारिश होने से बगरोही गांव में जलस्तर अचानक बढ़ने लगा। अनिल जैन, तुलसी पटेल, फुल सिंह यादव, राम सिंह यादव, रुप सिंह यादव, धनसिह पटेल, सुखनंदन यादव अंगद यादव के घर में अचानक आई बाढ़ का पानी भर गया और पूरा गृहस्थी का सामान, गेहूं आदि बह गया सभी का भारी नुकसान हो गया। सभी परिवार ने पहले अपने छोटे बच्चों के साथ-साथ बुजुर्गों को भी बचाया और अन्य ऊंचे मकानों वाले इलाके में ले गए। बाद में उन्होंने पूरी रात अपनी जान बचाने और घरेलू सामान को बचाने में बिता दी। लोगों ने अपनी जान जोखिम में डालकर कीचड़ के पानी में अपना सामान बचाने का प्रयास किया और सारी रात अपने-अपने सामान के साथ सड़क पर अथवा दुसरे के मकानों में बैठकर परिवारों ने अपनी सुरक्षा की। घरों में पानी भरने और बारिश से हुए नुकसान तथा पीड़ित परिवारों को ढाढस बंधाते हुए तहसीलदार जीसी राय ने हल्का पटवारी से तुरंत सर्व करवाकर राहत राशि मुहैया कराने की प्रक्रिया शुरू की।

सौंपे गये दायित्वों का अधिकारी-कर्मचारी पूरी जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करें: कलेक्टर

सागर, देशबन्धु। कलेक्टर दीपक आर्य ने 12 अगस्त को प्रधानमंत्री के आगमन के कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा करते हुए जिले के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों को निर्देशित किया कि आगामी 12 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संत रविदास मंदिर के भूमिपूजन कार्यक्रम में सागर आगमन हो रहा है। सभी अधिकारी अपने अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी के साथ करें। कार्यक्रम स्थलों पर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित कराने के लिए आपको दायित्व सौंपे गए हैं। बड़तूमा भूमि पूजन स्थल एवं ढाना हवाई पट्टी सभा स्थल पर प्रधानमंत्री के आगमन के पूर्व अपनी अपनी जगह पर पहुंचकर दिए गए दायित्वों को पूर्ण करें। इसी प्रकार पार्किंग स्थल पर भी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। सफाई व्यवस्था को विशेष रूप से देखा जावे एवं जगह-जगह डस्टबिन रखें। सभा स्थल पर आने वाले अनुयायियों के लिए पेयजल की आवश्यक व्यवस्थाएं रखें। इसी प्रकार हेलीपैड पर पर आवश्यक व्यवस्था रखें साथ में फायर बिग्रेड एवं एंबुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित की जावे। उन्होंने निर्देश दिए कि मुख्य सभा स्थल पर अस्थाई अस्पताल तैयार रखें जिसमें पूरे समय एंबुलेंस, डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ, दवाएं मौजूद रहे। सभा स्थल पर भी अस्थाई शौचालय, व्यवस्था की जाए। कलेक्टर ने कहा कि अधिकारी कर्मचारियों को कार्यक्रम स्थल पर जाने आने के लिए अलग-अलग प्रवेश पत्र जारी किए जा रहे हैं। इसी प्रकार मीडिया प्रतिनिधियों के लिए सागर से जाने आने के लिए बस की व्यवस्था की जाएगी।

सार-समाचार

एकता समिति द्वारा सेवानिवृत्त कैप्टन का सम्मान

सागर, देशबन्धु। मित्रता दिवस पर एकता समिति ने कारगिल युद्ध में भाग लेने वाले सेवानिवृत केप्टन कान्ति बहादुर गोरखा का स्वागत कर स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर श्री गोरखा ने युद्ध के संस्मरण सुनाएं। सागर निवासी श्री गोरखा ने सेना में अनेक क्षेत्रों में देश सेवा की है। गायक राजेन्द्र सोनी ने मित्रता और देशभक्ति के गीत प्रस्तुत किए। इस अवसर पर रशीद भाई, सुधीर जैन, राजकुमार पड़ेले, संजय शास्त्री, शरद गुप्ता, चंपक भाई, राजेंद्र मलैया आदि ने एक दूसरे से गले मिलकर मित्रता दिवस की बधाईयां दी।

मित्रता दिवस सखियों के साथ से मनाया

सागर, देशबन्धु। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद महावीर शाखा द्वारा गया। कार्यक्रम में सभी बहनों ने एक दूसरे को रक्षा सूत्र बांधकर अपनी दोस्ती निभाने का संकल्प लिया सभी ने नृत्य गायन कविता भाषण आदि विधाओं से कार्यक्रम को सफल बनाया। इस कार्यक्रम में सभी सखियां घर से विभिन्न प्रकार के व्यंजन बनाकर ले गई जिनका आनंद लिया। इस अवसर पर प्रांतीय चेयर पर्सन किरण, प्रांतीय जनसंपर्क अधिकारी अलका आशा सेठ, पूर्व अध्यक्ष सुनीत, मनीषा अध्यक्ष दीपशिखा, उपाध्यक्ष निशी, सचिव सरिता आदि उपस्थित रहे।

धरती पर अगर स्वर्ग है वो सिर्फ माता पिता के चरणों में : विपिन बिहारी

सागर, देशबन्धु। पुरुषोत्तम मास के पावन माह में तिलकगंज में स्थित एमएस गार्डन मे वरिष्ठ कांग्रेस नेता मुन्ना चौबे द्वारा भरत चरित्र कथा का आयोजन किया जा रहा है सप्तम दिवस पर शिव विवाह का आयोजन हुआ। कथा वाचक पं. विपिन बिहारी ने कथा के सप्तम दिवस पर कहा गणेश जी प्रतिमा, चित्र दान नहीं करना चाहिये। साथ ही कभी किसी को भी आंवला का पौधा दान नहीं करना चाहिये ऐसा करने से समस्त परिवार की वद्धि का विनाश होता है। कथा में अशोक श्रीवास्तव, रामजी दुबे, रेखा चौधरी, चक्रेश सिंघई, रमाकांत यादव, रामकुमार पचौरी, सिटू कटारे, महेश जाटव, सुल्तान कुरैशी, रवि सोनी आदि ने सम्मलित होकर पुण्य लाभ अर्जित किया।

बीएमसी मे डिग्री पूर्ण होने पर प्रशस्ति पत्र प्रदान किये

सागर, देशबन्धु। सोमवार को बुंदेलखंड चिकित्सा महाविद्यालय में एमबीबीएस 2017 बैच के 100 छात्रों एवं एमबीबीएस 2016 बैच के 42 छात्रों को एमबीबीएस की डिग्री पूर्ण होने पर प्रबंधन द्वारा उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अधिष्ठाता डॉ. आरएस वर्मा, अधीक्षक डॉ. रमेश पांडे, डॉ. सर्वेश जैन, डॉ. सत्येंद्र उईके, डॉ. अमरनाथ गुप्ता, डॉ. देव प्रियशुक्ला आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे। स्वागत भाषण डॉ. मनीष जैन ने, शपथ डॉ. लिली दुबे ने दिलाई। मुख्य अतिथि डॉ. आर एस वर्मा ने कहा कि डिग्री प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को अच्छा चिकित्सक बनने के साथ साथ अच्छा इंसान बने, आभार डॉ. उमेश पटेल ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं के साथ उनके परिजनों को भी आमंत्रित किया गया था सभी अभिभावकों ने बीएमसी के टीचर्स का सम्मान कर धन्यवाद व्यक्त किया।

एसडीएम कार्यालय के बिजली मीटर में लगी आग

सागर, देशबन्धु। संभागीय मुख्यालय सागर स्थित एसडीएम कार्यालय के बाहर लगे बिजली मीटर में अचानक आग लग गई। आग लगते ही अफरा तफरी मच गई। कार्यालय के कर्मचारी बाहर निकल आए। इस दौरान बिजली गुल हो गई। खबर लगते ही एसडीएम विजय डेहरिया पहुंचे। सोमवार की दोपहर में एसडीएम कार्यालय के बाहर लगे बिजली मीटर में अचानक आग लग गई। मीटर और उसके हेवी वायर जलने लगे। एसडीएम विजय डेहरिया ने फायर ब्रिगेड को फोन लगाया। इसके साथ ही उन्होंने कार्यालय में रहे अग्निशमन यंत्र के सिलेंडर बुलाए। एक के बाद एक तीन सिलेंडर बेकार निकले। सिलेंडर से आग बुझाने वाली गैस नही निकली। इस दौरान मीटर ने नीचे खड़ी टू व्हीलर को हटवाया गया। इसी दौरान फायर लारी आ गई। उसके साथ अग्निशमन यंत्रों को लेकर एक दस्ता भी आया। अग्निशमन यंत्र से करीब आधा घंटे से जल रहे मीटर की आग बुझाई। फायर लारी की जरूरत नहीं पड़ी। एसडीएम विजय डेहरिया ने बताया कि घटना के वक्त कलेक्टर आफिस में थे। खबर लगते ही आए। अग्निशमन यंत्र की खराबी पर उन्होंने कहा था कि पिछले महीने जब इनका परीक्षण कर लगाया गया था। उस समय सही थे।

तुलसी फाउंडेशन कावड़ यात्रा कि प्रशिक्षण बैठक संपन्न

सागर, देशबन्धु। तुलसी फाउंडेशन के तत्वाधान में सागर में निकलने वाली 11 अगस्त को कावड़ यात्रा को लेकर कावड़ यात्रियों का प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रशिक्षण तुलसी फाउंडेशन कावड़ यात्रा के कोषाध्यक्ष डॉ. वीरेंद्र पाठक ने कहा कि कावड़ यात्री कमेटी के नियमों एवं दिशा निर्देशों का पालन करते हुए अनुशासन में रहकर यात्रा करें यात्रा के सहसंयोजक नेवी जैन ने कहा कि यात्रा को प्रभावी रूप से सफल बनाने के लिए अनुशासन के साथ ही नियमों का पालन करना अनिवार्य रूप से आवश्यक है जिससे निश्चित रूप से आप सभी की यात्रा मंगलमय होगी। प्रशिक्षण बैठक में बृजमोहन पाठक, प्रदीप तिवारी, जुगल किशोर पचौरी, अनिल सैनी, विकास राजपूत, नरेंद्र पाराशर सहित सहित बड़ी संख्या में कावड़ यात्रा में जाने वाले कावड़ यात्री उपस्थित रहे।

स्वच्छ सर्वेक्षण में अच्छी रैंकिंग प्राप्त करने के लिए अधिक से अधिक फीडबैक देना आवश्यक: निगमायुक्त

सागर, देशबन्धु। नगर को स्वच्छता रैंकिंग में अच्छे नंबर दिलाने के लिए 16 अगस्त तक नागरिकों को फीडबैक देना है जिसके 9 दिन शेष हैं इसलिए निगमायुक्त चंद्रशेखर शुक्ला के निर्देशानुसार नगर निगम द्वारा नागरिकों से स्वछता फीडबैक देने के लिए प्रयास तेज कर दिए है नतीजतन नागरिकों के साथ-साथ स्कूल कॉलेज और कोचिंग सेंटर मे पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं, नगर में स्थित विभिन्न प्रकार की एजेंसियों जिनमें नागरिकों का आना जाना होता है वहां से भी फीडबैक लेने के लिए उनके संचालकों से अपील की गई है ताकि अधिक से अधिक संख्या में फीडबैक मिल सके जिसके परिणाम स्वरूप स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में शहर को अच्छी रैंकिंग दिलाने में सहायक हो। इसके अलावा निगम अधिकारियों कर्मचारियों के साथ वार्ड के जोन प्रभारियों और वार्ड सफाई दरोगा द्वारा भी वार्ड के नागरिकों को फीडबैक देने के लिए लगातार प्रेरित किया जा रहा है।

उन्नत भारत अभियान में पूरे देश का विकास समाहित है: प्रो. नीलिमा गुप्ता

सागर, देशबन्धु। उनन्त भारत अभियान योजना की मूल भावना में ही सारे देश के सर्वांगीण विकास की बात समाहित है। शैक्षिक संस्थान के रूप में हमारा विश्वविद्यालय गांवों के लिए जागरूकता और सक्रिय सहभागिता के लिए काम कर रहे हैं। प्रतिभागियों को मंच देने का काम कर रहे हैं। यह विचार प्रो. नीलिमा गुप्ता ने संगोष्ठी में अध्यक्षीय उद्बोधन मे दिये। उन्होंने कहा कि हम एक आदर्श गांव को स्थापित करके मिशाल बनायेंगे। मुख्य अतिथि केवल कृष्ण सेठी ने कहा कि गांवों के विकास से हमारा देश विश्व पटल पल शीर्ष पर होंगे। विशिष्ट अतिथि अरुण गुर्टू पूर्व कुलपति एवं पूर्व पुलिस महानिदेशक ने कार्यक्रम के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। जीपी दुबे पूर्व पुलिस महानिदेशक ने भी अपने विचार रखे। डॉ. हरीसिंह गौर विवि में स्थापित गौर पीठ और उन्नत भारत अभियान केंद्र द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। आयोजित गोष्ठी का मुख्य विषय उन्नत भारत अभियान और ग्रामीण विकास था। विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत ने संगोष्ठी के संयोजक एवं निर्देशक के रूप में भूमिका का निर्वाह किया। मंच संचालन डॉ. ललित मोहन ने किया। अतिथियों ने पथरिया जाट स्थित नवीन परिसर में वृक्षारोपण किया। ग्राम पंचायत पथरिया जाट के सरपंच प्रमोद यादव ने घोषणा की कि वह परिसर में वृहद वृक्षारोपण के लिए एक हजार पौधे भेंट करेंगे। डॉ. गौर पीठ के समन्वयक एवं उन्नत भारत अभियान के नोडल अधिकारी प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत ने कहा कि विवि द्वारा गोद लिए गये पांच गांवों में पथरिया जाट, सिरोंजा, पटकुई, बरारू और पथरिया हाट शामिल हैं। इन गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल उन्नयन, रोजगार, जैविक खेती, जल संरक्षण तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूकता शिविरों का आयोजन विवि के विभिन्न विभागों के सहयोग से किया जा रहा है। प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत ने प्रो. नीलिमा गुप्ता, केवल कृष्ण सेठी और डीपी तिवारी को स्मृति चिन्ह भेंट किये। डीपी तिवारी ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विवि के शिक्षक, शोधार्थियों, छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया।

हाई स्कूल प्राचार्य ने अपनी मांगों को लेकर विधायक को ज्ञापन सौंपा

सागर, देशबन्धु। व्याख्याता ने हाईस्कूल में चल रही ट्रांसफर प्रक्रिया को लेकर विधायक शैलेंद्र जैन को अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने अपनी समस्याओं को बताते हुए कहा कि उच्च पद प्रभार हेतु की गई पदस्थापना की प्रक्रिया को स्वेच्छिक करने की स्वीकृति प्रदान करन कि हाल ही में व्याख्याता से हाईस्कूल प्राचार्य से हायर सेकेण्डरी प्राचार्य पद पर उच्च पद प्रभार की प्रक्रिया प्रचलन में प्रक्रिया में व्याख्याताओं को अनिवार्यत: बगैर काउंसलिंग किये, स्थानांतरण किया गया है। अधिकांश व्याख्याता एवं प्राचार्यों की सेवा अवधि लगभग 6 माह से 2 वर्ष के बीच में रह गई है ऐसी स्थिति मेंअन्य स्थानों पर जाकर अपनी सेवाएं सुचारू रूप से नहीं दे पाएंगे। ऐसी स्थिति में अन्य दूरस्थ स्थान पर जाकर पूर्ण मनोयोग से सेवायें देना संभव नहीं हो सकेगा। आप से हमारी यही मांग है कि आप हमारे किये गये स्थानांतरण निरस्त कर प्रक्रिया इस अवसर पर प्रफुल्ल हलवे, निर्मल जैन, अरविंद बड़ोन्या सहित बड़ी संख्या में प्राचार्य लोग उपस्थित थे।

अस्पताल बनने से स्वास्थ्य सुविधाओं में होगा सुधार: विधायक

सागर, देशबन्धु। ग्राम पंचायत पामाखेड़ी में 3.6 करोड़ रूपये की लागत से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का भवन बनाया जाएगा। जिसके निर्माण कार्य का भूमिपूजन विधायक प्रदीप लारिया ने पामाखेड़ी में किया। कार्यक्रम में विधायक लारिया ने कहा कि पामाखेड़ी में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बन जाने से अब पामाखेड़ी सहित आसपास के ग्रामवासियों को स्वास्थ्य सुविधाओं का और बेहतर लाभ मिलेगा। अस्पताल बनने से स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार होगा और मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलेगा। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में लैब के साथ प्रसव सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में चिकित्सा अधिकारी, एनएनएम, नर्स, ड्रेसर, लेब टेक्निशियन आदि स्टॉफ के साथ 5 बिस्तरीय अस्पताल, लेब के साथ प्रसव सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। कार्यक्रम में विधानसभा प्रभारी, मंडल अध्यक्ष, महामंत्री, आसपास के ग्रामों के सरपंच, जनप्रतिनिधि, भाजपा कार्यकर्ता सहित बड़ी संख्या में जनसमुदाय मौजूद था।

3 डेयरी के 69 पशुओं को शहर से बाहर शिफ्ट किया

सागर, देशबन्धु। जिला प्रशासन एवं नगर निगम द्वारा संयुक्त रूप से पशु विचरण मुक्त क्षेत्र सागर से डेरियों को शहर से बाहर शिफ्ट करने की कार्यवाही की जा रही है। निगमायुक्त चंद्रशेखर शुक्ला के निर्देशानुसार सहा. आयुक्त राजेश सिंह की उपस्थिति में शुक्रवारी, सूबेदार एवं केशवगंज वार्ड से 3 डेयरी के 69 पशुओं को नगर निगम के वाहन द्वारा शहर से बाहर शिफ्ट किया गया। सहा. आयुक्त राजेश सिंह ने बताया कि डेयरी विस्थापन कार्रवाई के तहत शुक्रवारी वार्ड से लालू यादव की डेयरी के 22 पशु सिरोंजा शिफ्ट किए, सूबेदार वार्ड स्थित राजेश यादव के 25 पशु विस्थापन स्थल रतौना एवं केशवगंज वार्ड स्थित बद्री यादव के 22 पशुओं को घूघर बरोदा शिफ्ट किया।

18 दिन से लापता अपहृता को दस्तयाब कर आरोपी को किया गिरफ्तार

सागर, देशबन्धु। 28 जुलाई को फरियादी विहारी पिता प्यारे आदिवासी उम्र 53 साल निवासी भापसौन थाना आगासौद की रिपोर्ट पर इसकी लड़की उम्र 17 साल 1 माह निवासी ग्राम भापसौन को कोई अज्ञात व्यक्ति अपने साथ बहला फुसलकार भगा ले जाने की रिपोर्ट पर अप. क्र. 314/23 धारा 363 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी खुरई सुमित केरकट्टा के नेतृत्व में टीम गठित की गयी। सायबर सेल की सहायता एवं मुखबिरों को सक्रिय कर घटना के सभी पहलुओं को ध्यान मे रखकर विवेचना की गयी। प्रकरण में संदेही बाबू आदिवासी निवासी ग्राम बसाहरी की तलाश पतारसी की गयी जो संदेही ग्राम बसाहरी से दस्तयाब हुआ। जिसे पुलिस अभिरक्षा में लेकर मय अपहृता के थाना वापिस आये। थाना पर अपहृता से महिला उनि कविता द्विवेदी द्वारा पूछताछ करने पर अपहृता द्वारा संदेही आरोपी बाबू आदिवासी द्वारा अपने साथ ले जाना बताया है एवं उसके साथ शारीरिक संबंध बनाना बताया जो प्रकरण में अपहृता के कथनो के आधार पर आरोपी बाबू आदिवासी विरूद्ध अपराध घटित करना पाया जाने से प्रकरण में धारा 366, 376 (2)(एन) भादवि 5 आई/ 6 पॉक्सो ऐक्ट इजाफा किया गया। उक्त सम्पूर्ण कार्यवाही थाना प्रभारी सतीश सिंह के मार्गदर्शन में कविता द्विवेदी, जयनारायण जादौन, महिपाल सिंह, बीडी शिवहरे, सायबर सेल से अमर तिवारी एवं अमित शुक्ला सूरज शर्मा, जयेन्द्र सेंगर, पूजा यादव आदि थाना पुलिस स्टाफ की भूमिका रही।

संत रविदास की चरण पादुका यात्रा तीसरे दिन संत रविदास वार्ड पहुंची

सागर, देशबन्धु। संत रविदास की चरण पादुका यात्रा तीसरे दिन संत रविदास वार्ड में पहुंची आचार्य श्री विद्यासागर बस स्टैंड खुरई रोड से यात्रा का शुभारंभ डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। यात्रा के समापन अवसर पर विधायक शैलेंद्र जैन ने संबोधित करते हुए कहा कि यह यात्रा एक विशेष यात्रा है जो सामाजिक समरसता को एक महत्वपूर्ण क्रांति का स्वरूप देने का कार्य करेगी और हम सभी हिन्दुओं को एक सूत्र में जोड़ने का कार्य करेगी। इस यात्रा में सभी धर्म के लोग गुरु जी की चरण पादुका लेकर चल रहे हैं। यह कार्यक्रम आपका हमारा सबका एकता का प्रतीक बने हम इस दिशा में कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम में रामकुमार साहू, जगन्नाथ गुरैया, विक्रम सोनी, मनीष चौबे, रीतेश मिश्रा, प्रासुख जैन, श्रीकांत जैन उपस्थित थे।

गहोई वैश्य समाज का सम्मेलन संपन्न

गहोई वैश्य समाज को पिछड़े वर्ग में शामिल किए जाने का प्रस्ताव हुआ पारित

सागर, देशबन्धु। गहोई वैश्य समाज सागर द्वारा समाज के पितृ पुरुष राष्ट्रकवि एवं स्वतंत्रता सेनानी मैथिलीशरण गुप्त की 137 वीं जयंती अवसर पर जिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में राजनीतिक प्रस्ताव के उपरांत कवि सम्मेलन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कर राष्ट्रकवि की जयंती को धूमधाम एवं हर्षोल्लास से मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि रामेश्वर नीखरा पूर्व सांसद एवं पूर्व अध्यक्ष मप्र बार काउंसिल ने कहा कि दद्दा मैथिलीशरण गुप्त ने गहोई समाज को नयी दिशा व पहचान दिलायी, एकजुटता का संदेश दिया। आज सबको अनुशासित और संगठित ढंग से अपने पिछड़े समाज के उत्थान के प्रयास करना चाहिए, राजनैतिक और प्रशासनिक क्षेत्र में अधिक से अधिक प्रवेश करना चाहिए। दद्दा ने उस समय वैश्य समाज में गहोईयों को प्रतिष्ठित करने का कार्य किया जब स्वतंत्रता आंदोलन में लोग कम से कम संख्या में शामिल होते थे। विशिष्ट अतिथि भूपेंद्र गुप्ता अगम ने कहा कि सागर जैसे शहर में गहोई समाज के संचालक मण्डल व पदाधिकारियों का उत्साह अनुकरणीय है। अभी गहोई समाज अपने पुरखों के पद चिन्हों पर चलकर संगठित होकर निरन्तर सक्रिय होने की आवश्यकता है ताकि समझ को पिछड़े पन से मुक्ति मिले। गहोई वैश्य समाज सागर के अध्यक्ष सुरेन्द्र सुहाने ने कहा की सागर शहर के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं व्यापारिक विकास में गहोई समाज का बहुत बड़ा योगदान है। निकेश गुप्ता ने स्वागत भाषण देते हुए मैथिलीशरण गुप्त के जीवन वृत्त पर प्रकाश डाला एवं सभी गहोई वासियों से अपील की कि अपने प्रतिष्ठान एवं घर में हमारे गौरव मैथिली शरण गुप्त की प्रतिमा को स्थापित कर पूरे मनोयोग से श्रद्धांजलि अर्पित करें। समाज के संरक्षक लालजी ददरिया ने भी अपने विचार रख समाज के गौरवशाली इतिहास को बताया। संबोधन उपरांत सुरेन्द्र सुहाने ने स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि इतिहास गवाह है, देश में हजारों हजार गहोई बन्धु जेलों में बंद रहे और स्वतंत्रता सेनानी रहे हैं अत: गहोई समाज को पिछड़े वर्ग में शामिल करना चाहिए और इस मांग को लेकर प्रस्ताव रखा जिसका समर्थन निकेश गुप्ता, मनोज डेंगरे एवं राजेश सेठ सहित सभागार में उपस्थित सभी 3000 गहोईयों के समुदाय ने हाथ उठा कर समर्थन किया। प्रस्ताव में मांग की गई कि जो भी राजनीतिक दल हमारी पिछड़ा वर्ग में शामिल किए जाने वाली मांग का समर्थन कर अपने चुनाव घोषणा पत्र में शामिल करेगा। प्रदेश के सभी गहोई एकजुटता के साथ उसी राजनीतिक दल का समर्थन करेगें। सभी संचालक मण्डल के एवं पचायती ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने अतिथियों का सम्मान किया। मनोज डेंगरे एवं अनिल चौदा का आयोजन में विशेष सहयोग के लिए सम्मान किया गया। मंच संचालन का दायित्व आशीष नायक एवं पूजा रूसिया उद्घोषक ने कुशलतापूर्वक निर्वहन किया। इस अवसर पर महिला मंडल द्वारा अनेक सांस्कृतिक एवं रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए गये। 22 वरिष्ठ वृद्ध जनों को 80 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर, 34 दम्पतियों को उनके वैवाहिक जीवन के पचास वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण होने पर, मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया। महिला मण्डल द्वारा कविगोष्ठी आयोजित की गयी जिसमें डॉ. चंचला दवे, सुनीला सराफ, डॉ. सरोज गुप्ता, दीप्ति गुप्ता, शशि दीक्षित, ज्योति झुड़ेले ने काव्यपाठ किया तथा संगीता सुहाने, छाया सेठिया ने मैथिलीशरण गुप्त की रचनाओं का पाठ किया।

स्वामी पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि.के लिए प्रकाशक गिरिराज चाचा मुद्रक गिरिराज चाचा द्वारा दैनिक भास्कर प्रेस (डी बी कार्प लि.) प्लाट नं. 36 इंडस्ट्रीयल एरिया सागर म.प्र. सागर से मुद्रित एवं 56 अग्रवाल बिल्डिंग एक्सिस बैंक के पीछे 10 सिविल लाईन्स, सागर मप्र से प्रकाशित, संपादक: पलाश सुरजन, कार्यकारी संपादक: ज़ाकिर अली*
प्रबंध संपादक डॉ. योगेश दत्त तिवारी फोन 07582-228742 ई-मेल. deshbandhusgr@yahoo.in प्रेस पंजीयन- MPHIN/2016/69061 समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।